बजट : सत्ता पक्ष और विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 12

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- अधिक आयकर संग्रह मध्यम वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत- 12

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान - 13

इटली ने नेपाल को रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला- 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.53
सूर्यास्त 06.00

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी 02:26 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 354, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

114 राफेल विमानों को खरीदने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला 3.60 लाख करोड़ की डिफेंस डील

रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को गुरुवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों की युद्ध तत्परता बढ़ाने के लिए कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों के पूंजीगत अधिग्रहण को मंजूरी दी।

राफेल विमानों की खरीद को मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक चार दिन पहले मिली। इस सौदे को हालांकि अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक अनुबंध इस साल के अंत से पहले होने की संभावना नहीं है, क्योंकि रक्षा मंत्रालय को अब हथियारों के पैकेज की लागत और बारीक विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए दसॉल्ट एविएशन के साथ बातचीत करनी होगी। अप्रैल 2019 में, भारतीय वायुसेना ने लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से 114 बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (एमआरएफए) की खरीद के लिए एक आरएफआई (सूचना के लिए अनुरोध), या प्रारंभिक निविदा जारी की। इस परियोजना के अन्य दावेदारों में लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18 और यूरोफाइटर टाइफून शामिल थे। लड़ाकू विमानों की खरीद का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारतीय वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 की संख्या से घटकर 31 रह गई है। लगभग 13 साल पहले, रक्षा मंत्रालय ने मध्यम बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (एमएमआरसीए) के एक बेड़े की खरीद के लिए जमीनी स्तर पर तैयारी पूरी कर ली थी। हालांकि, यह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई थी।

मां ने कराई थी अर्जुन की 12 लाख की सुपारी देकर हत्या

- 24 घंटे में हुआ खुलासा, हत्यारोपी दो सगे भाइयों को लगी मुठभेड़ में गोली, मां समेत 5 गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अर्जुन शर्मा की हत्या कराने के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। ● अमृत विचार

अमृत विचार : राजधानी में बुधवार दिनदहाड़े तिब्बती मार्केट में हुए अमरदीप गैस एजेंसी के स्वामी अर्जुन शर्मा हत्याकांड का दून पुलिस ने 24 घंटे में सनसनीखेज खुलासा कर दिया।

एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस घटना में शामिल शूटर और उसके साथी (दोनों सगे भाई) पंकज राणा (52) व राजीव उर्फ राजू (50) पुत्र अभय राम सिंह निवासी इंदिरा कॉलोनी, चक्खुवाला, कोतवाली देहरादून को दून पुलिस ने गुरुवार अलसुबह मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों के पैरों में गोली लगी। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया कि, अर्जुन की 12 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या करायी गयी थी। अर्जुन की मां बीना शर्मा पत्नी स्व. आरसी शर्मा निवासी बसंत विहार, डॉ. अजय खन्ना पुत्र जेपी खन्ना निवासी ईसी रोड, डालनवाला और विनोद उनियाल पुत्र घनश्याम उनियाल निवासी गैलेक्सी लैक्सोटिका अपार्टमेंट, इन्दर रोड डालनवाला देहरादून ने उन दोनों को यह सुपारी दी थी। हत्या के पीछे 14 करोड़ रुपये की संपत्ति का विवाद सामने आया है। एसएसपी के अनुसार, विनोद, डॉ. अजय खन्ना व बीना शर्मा का अर्जुन से प्राप्टी व पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था तथा पूर्व में दोनो पक्षों द्वारा एक-दूसरे के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कराए गए थे। डॉ. अजय खन्ना की बीना से जीएमएस रोड स्थित उनकी सम्पत्ति को खरीदने की एवज में 14 करोड़ की डील हुई थी, जिसमें से 8 करोड़ रुपये बीना को दिए जा चुके थे पर अर्जुन ने इस प्रॉपर्टी पर कोर्ट से स्टे ले लिया था। इतने पैसे देने के बाद व प्रॉपर्टी पर कब्जा न मिलने के कारण डॉ. अजय खन्ना काफी परेशान चल रहा था तथा बीना पर अपने पैसे वापस देने का दबाव बना रहा था, जिसे लेकर मां-बेटे के बीच अक्सर विवाद व झगडा होता रहता था तथा अर्जुन की मां ने अपने पुत्र से खुद को असुरक्षित बताते हुए हाईकोर्ट से सुरक्षा प्राप्त की थी। (संबंधित पेज-2)

ब्रीफ न्यूज

दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली। दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वह 1980 और 1990 के दशक में टीवी समाचार जगत के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक थीं और जिनकी शांत शैली आज के टेलीविजन समाचार बुलेटिन के शोरगुल से बिल्कुल अलग थी। माहेश्वरी 1976 से लेकर 2005 तक टीवी समाचारों का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनके साथ सलमा सुल्तान, मीनू तलवार, शम्मी नारंग, गीतांजलि अय्यर, नीति रविंद्रन और अन्य भी थीं। उनका नाम सुनते ही प्रसारण जगत और उसके श्वेत-श्याम से रंगीन प्रसारण में परिवर्तन की यादें ताजा हो जाती हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति 18 को पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा 18 फरवरी को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लूला की राजकीय यात्रा से दोनों देशों की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। साथ ही द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि मोदी 21 फरवरी को राष्ट्रपति लूला से मिलेंगे और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

असम राइफल्स श्वान दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को करेगा शामिल

जोरहाट। केंद्र सरकार के स्वदेशीकरण के आह्वान को मजबूती प्रदान करते हुए असम राइफल्स अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को शामिल करने की योजना बनाई है। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के तहत 'तंगखुल हुई' नस्ल के कुत्तों को श्वान दस्ते में शामिल कर लिया है।

रेरा को समाप्त कर देना चाहिए, यह दागी बिल्डरों के लिए काम कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- जिनके लिए रेरा बनाया वे पूरी तरह से निराश और हताश

- कोर्ट की सख्त टिप्पणी से रियल एस्टेट सेक्टर में मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सभी राज्यों के लिए रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के गठन पर पुनर्विचार करने का यह सही समय है क्योंकि यह संस्था दागी बिल्डरों को सुविधा प्रदान करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि जिन लोगों के लिए रेरा बनाया गया था, वे पूरी तरह से निराश और हताश हैं।

पीठ ने जोर देकर कहा कि अगर इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। पीठ ने हिमाचल प्रदेश सरकार को रेरा के कार्यालय को अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित करने की अनुमति देते हुए ये टिप्पणियां कीं। हिमाचल प्रदेश सरकार और अन्य द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने नोटिस जारी किया, जिसमें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जो राज्य के रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने से संबंधित था। उच्च न्यायालय ने इससे पहले रेरा कार्यालय के स्थानांतरण से संबंधित जून 2025 की अधिसूचना पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। बाद में, 30 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश को जारी रखने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने 30 दिसंबर के उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, दागी बिल्डरों को सुविधा देने के अलावा यह संस्था (रेरा) कुछ नहीं कर रही है। बेहतर होगा कि इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए, हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है ...अब समय आ गया है कि सभी राज्य इस प्राधिकरण के गठन पर ही पुनर्विचार करें। राज्य सरकार ने अधिवक्ता सुगंधा आनंद के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा कि हिमाचल प्रदेश रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने का निर्णय शिमला शहर में भीड़भाड़ कम करने के लिए लिया गया था, और यह पूरी तरह से प्रशासनिक कारणों पर आधारित था। प्रतिवादी की ओर से पेश एक वकील ने कहा कि प्राधिकरण जिन परियोजनाओं से संबंधित मामलों को देखता है, उनमें से 90 प्रतिशत शिमला, सोलन, परवानू और सिरमौर में हैं, जो अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा कि रेरा के समक्ष लंबित शिकायतों में से लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं जिलों से हैं।

किसी को अरावली को छूने की अनुमति नहीं देंगे

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी अरावली की पहाड़ियों को छूने की अनुमति नहीं देगा। इसी के साथ विशेषज्ञों द्वारा पर्वतमाला की परिभाषा स्पष्ट किए जाने तक हरियाणा सरकार को जंगल सफारी पर विस्तृत योजना प्रस्तुत करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली पहाड़ियों से संबंधित मुख्य मामले पर विचार करते समय 'जू सफारी' के मुद्दे पर भी संज्ञान लिया जाएगा। हरियाणा का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सफारी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को 10,000 एकड़ से संशोधित करके 3,300 एकड़ से अधिक कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे केवल इतना चाहते हैं कि उन्हें डीपीआर को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के समक्ष समीक्षा के लिए प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा, हम विशेषज्ञ नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे। सीजेआई ने कहा कि अरावली केवल हरियाणा या राजस्थान की ही नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी पर्वत श्रृंखला है जो कई राज्यों से होकर गुजरती है। उन्होंने हरियाणा सरकार के वकील से कहा, हम जू सफारी के मुद्दे पर मुख्य मामले के साथ ही विचार करेंगे। इस पर हरियाणा सरकार के वकील ने कहा कि मुख्य मामला बिल्कुल अलग है और जंगल सफारी का मुद्दा अलग है। पीठ ने इसपर टिप्पणी की, कभी-कभी, सीईसी अनुमति देने में बहुत चुनिंदा रवैया अपनाता है। अगर हम अनुमति देते हैं, तो वे बहुत ही आकर्षक तस्वीर पेश करेंगे कि ये पेड़, वन्यजीव और जंगल हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की राय आने के बाद वह सफारी परियोजना पर विचार करेगी।

हल्द्वानी में डबल मर्डर, प्रेमी युगल की पत्थरों से कुचलकर की हत्या

- दोस्त निकले हत्यारे, रात को की थी शराब पार्टी लिव इन पार्टनर्स के हत्यारोपी 4 दोस्त गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

लक्ष्मी

शुभम उर्फ गोलू

अमृत विचार: शहर में बुधवार देर रात रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। मुखानी थानाक्षेत्र में लिव-इन में रहने वाले प्रेमी जोड़े की मंडी परिसर स्थित गल्ला मंडी क्षेत्र में बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों के चेहरे और सिर को उन्हीं के चार दोस्तों ने भारी पत्थर से कुचल-कुचल कर मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गए।

सुबह होते ही जब मंडी में युवक और युवती के लहूलुहान शव मिले तो सूचना आग की तरह फैली और कुछ ही देर में घटनास्थल पर मजमा लग गया। एसएसपी समेत जिले के सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हत्या के कुछ घंटों के भीतर ही पुलिस ने चारों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मृतकों के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने हल्द्वानी कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार अल्मोड़ा जिले के लोअर माल रोड, तल्ला खोल्टा निवासी 31 वर्षीय शुभम कुमार टम्टा पुत्र केएल टम्टा, मुखानी क्षेत्र स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। शुभम पांच माह से ओखलकांडा ब्लॉक के तल्ली पोखरी निवासी 19 वर्षीय लक्ष्मी पोखरिया पुत्री हेम चंद्र पोखरिया के साथ मुखानी चौराहे के पास किराये के कमरे में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। लक्ष्मी एमबीवीजी कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और कुछ समय पहले तक एक मेडिकल स्टोर में काम करती थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि बुधवार रात शुभम, लक्ष्मी, शुभम का दोस्त उत्तरांचल विहार बड़ी मुखानी पीलीकोठी निवासी 25 वर्षीय दीपेश लटवाल उर्फ राज पुत्र बहादुर सिंह लटवाल, गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर (25 वर्ष) पुत्र स्व. उमेश सिंह निवासी वसुंधरा कालोनी बरेली रोड धानमिल, सौरभ भट्ट उर्फ भटिया (20 वर्ष) पुत्र विनोद चंद्र भट्ट निवासी तीनपानी खन्ना फार्म डी क्लास बरेली रोड और दीपू शर्मा उर्फ ध्रुव (20) पुत्र स्व.नन्हू लाल शर्मा निवासी वसुंधरा कालोनी बरेली रोड धानमिल ने नवीन मंडी परिसर स्थित गल्ला मंडी के एक गोदाम की छत पर शराब व ड्रग्स पार्टी की। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी के मुताबिक पार्टी के दौरान नशे की हालत में शुभम और ध्रुव के बीच के बीच परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी हुई। इस पर विवाद हो गया। गुस्से में शुभम अपनी प्रेमिका लक्ष्मी को लेकर गोदाम की छत से नीचे उतरने लगा, पीछे से उसके चारों दोस्त भी नीचे आ गए और गाली-गलौज करने लगे। इसी दौरान युवकों ने पहले शुभम पर हमला बोल दिया। जब लक्ष्मी ने विरोध किया तो उस पर भी उसी पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया गया। दोनों की मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। (संबंधित पेज 5 पर)

देशव्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर, बैंकिंग सेवाएं सुचारू रहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच की सरकार की नीतियों के खिलाफ गुरुवार को आहूत एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का सामान्य जनजीवन पर खास असर नहीं पड़ा।

श्रमिक संगठनों ने कई राज्यों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर श्रमिक हड़ताल में समर्थन दिखाने के लिए कार्यस्थल पर देर से पहुंचे। उत्तर प्रदेश ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, गोवा सहित कई राज्यों में इसका मिला-जुला असर देखने को मिला। श्रमिक संगठनों ने दावा किया कि हड़ताल में 30 करोड़ से अधिक श्रमिकों, किसानों और अन्य वर्गों ने भाग लिया। बैंकिंग सेवाएं भी सुचारू रूप से चलती रहीं।

आंशिक रूप से चालू एक्सप्रेस-वे पर टोल दरों में कटौती, 15 से लागू

नई दिल्ली। सरकार ने आंशिक रूप से चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के उपयोगकर्ताओं के लिए टोल शुल्क कम करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गुरुवार को बयान में कहा कि संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे।

मंत्रालय ने कहा, इसके तहत यदि कोई राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे शुरू से अंत तक पूरी तरह चालू नहीं है, तो उसके केवल तैयार हिस्से पर सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुसार कम दर से टोल शुल्क लिया जाएगा। वर्तमान में राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर उपयोगकर्ता शुल्क पूरी लंबाई के लिए सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ता शुल्क से 25 प्रतिशत अधिक लिया जाता है क्योंकि वे तेज और निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं।

बाघ ने घास काट रही वृद्धा को बनाया निवाला

- जंगल के अंदर से वृद्धा का अधखाया शव बरामद
- बाघ की निगरानी के लिए लगाए गए ट्रैपिंग कैमरे

हल्द्वानी, अमृत विचार: जंगल में बहू व पड़ोसी के साथ घास काट रही वृद्धा को झाड़ियों में छिपे बाघ ने झपट्टा मारा और जंगल के अंदर खींच ले गया। बाद में महिलाओं की सूचना पर पहुंची टीम ने जंगल में लगभग चार किमी अंदर से वृद्धा का अधखाया शव बरामद किया।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। बाघ की निगरानी के लिए ट्रैपिंग कैमरा लगाए गए और बाघ को पकड़ने के लिए अनुमति मांगी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, गंगा देवी (66) पत्नी प्रेम भारती निवासी पीपल पोखरा रोजाना की तरह गुरुवार की सुबह लगभग 10:30 बजे बड़ी बहू पुष्पा गोस्वामी पत्नी पूरन गोस्वामी व पड़ोसी महिला हेमा जोशी के साथ लामाचौड़ चौकी से सटे जंगल में घास काटने गई थी। यह जंगल रामनगर वन डिवीजन की फतेहपुर रेंज के अंतर्गत आता है। तीनों जंगल के अंदर लगभग एक-डेढ़ किमी में घास काट रही थी। इस बीच झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक गंगा देवी पर झपट्टा मारा और खींचकर जंगल में ले गया। बाद में गंगा देवी का शव मिला।

संसद में पारित हुआ औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कहा यह संहिता श्रमिकों को न्यूनतम वेतन की देती है गारंटी
- देश में महिलाओं और पुरुषों को समान वेतन पाने का अधिकार होगा

संसद ने गुरुवार को औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए सरकार ने संहिता के संबंध में कहा कि यह श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी देती है। राज्यसभा में, विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा जवाब दिए जाने के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हालांकि, श्रम मंत्री के जवाब से पहले ही प्रवाधानों के प्रति विरोध जताते हुए कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने सदन से वॉक आउट किया।

मांडविया ने कहा, इस श्रम संहिता में हमने सुनिश्चित किया है कि संवैधानिक सुरक्षा मानकों के साथ न्यूनतम वेतन मानक तय करेंगे। देश में महिलाओं और पुरुषों को समान वेतन पाने का अधिकार होगा। मंत्री ने कहा कि औद्योगिक संबंध संहिता तो 2020 में ही पारित हो चुकी है और ढाई महीने पहले लागू भी हो चुकी है, लेकिन अधिकतर सदस्यों ने चर्चा में संहिता की ही बात की है और इसे कामगार विरोधी बताया है। मांडविया ने कहा, हम तो एक छोटा सा संशोधन लाए हैं। यह संशोधन केवल कानूनी स्पष्टता के लिए सदन में लाया गया। मांडविया ने कहा, हम श्रमिकों के हित में एक संहिता लाए हैं। तीन कानूनों को इसमें शामिल किया गया।

सख्ती

पिटकुल की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री धामी का रहा सख्त रुख, गर्मियों में ज्यादा देर बिजली गुल हुई तो नपेंगे अधिकारी

सीएम की दो टूक- बिजली चोरी और लाइन लॉस पर जीरो टॉलरेंस

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय सभागार में पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पिटकुल) से जुड़े कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए कि लंबित परियोजनाओं को हर हाल में तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए और बिजली चोरी पर बिना किसी ढिलाई के कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बिजली वितरण लॉस में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इसके लिए हर अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

बैठक में सीएम का समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर रहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हो चुका है, उन्हें लेकर तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारी तय की जाए। गर्मियों के दौरान यदि लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। इस विषय में कोई बहाना, कोई स्पष्टीकरण और कोई टालमटोल स्वीकार नहीं की जाएगी। सीएम धामी ने इसके साथ ही अधिकारियों को उत्तराखंड जल विद्युत निगम (यूजेवीएनएल) और उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) के साथ प्रभावी और जमीनी समन्वय बनाकर गर्मियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से प्राप्त धनराशि के लिए पृथक खाता खोलने तथा एशियाई विकास बैंक (एडीबी) पोषित कार्यों से जुड़े सभी प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिए।

सीएम ने सभी औपचारिकताओं को मार्च तक पूर्ण कर अप्रैल तक ऊर्जा परियोजनाओं के शुभारंभ हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में पिटकुल के प्रबंध निदेशक पीसी ध्यानी ने विगत चार वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु व आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, सी. रवि शंकर, डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, विनय शंकर पांडेय, एमडी यूजेवीएनएल डॉ. संदीप सिंघल व एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

परियोजनाओं की उपलब्धियों पर की चर्चा

धामी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गत वर्षों में पूर्ण की गई परियोजनाओं की उपलब्धियों, एडीबी पोषित एवं नॉन-एडीबी पोषित गतिमान परियोजनाओं, मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास की गई परियोजनाओं, मुख्यमंत्री घोषणा से संबंधित कार्यों तथा आरईसी/पीएफसी पोषित योजनाओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही वर्ष 2025-26 में अतिरिक्त अंश पूंजी, प्रस्तावित परियोजनाओं हेतु वर्षवार अंश पूंजी की आवश्यकता, पिटकुल के रिसोर्स एडीक्वेसी प्लान/मास्टर प्लान, आपदा मद में क्षतिपूर्ति हेतु धनराशि एवं मानव शक्ति की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई।

स्टेट ब्रीफ

2.13 करोड़ रुपये से होगा बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम में हैलीपैड का विस्तार

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री बद्रीनाथ धाम में यूकाडा द्वारा संचालित स्थाई हैलीपैड के प्लेटफार्म के विस्तार और एप्रोच रोड के सुधारीकरण के लिए 1.74 करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति दी है। वहीं, श्री केदारनाथ धाम में जीएमवीएन के समीप स्थित हैलीपैड के सुरक्षात्मक कार्य के लिए 39 .40 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से नन्दा राजजात यात्रा-2026 के लिए भी कई विकास, संसाधनों और सुविधाओं के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इन हैलीपैड पर सुरक्षात्मक कार्य होने से श्रद्धालुओं को राहत मिल सकेगी।

विश्व रेडियो दिवस विशेषः मनोरंजन के तमाम संसाधनों के बावजूद आज भी श्रोताओं में बरकरार है रेडियो और आकाशवाणी का जादू

वक्त बदला, साधन बदले... नहीं बदली रेडियो की दीवानगी

- **हीरा देवी, चंद्रा अम्मा जैसे कई बुजुर्गों के लिए आज भी सुकून का साथी है रेडियो**
- **बुजुर्गों के लिए रेडियो प्रोग्राम सुनने का उपकरण नहीं, बल्कि उनके सुनहरे अतीत की है खिड़की**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः आधुनिक लाइफस्टाइल और स्मार्टफोन के क्रेज में भले ही मनोरंजन के साधन बदल गए हों, लेकिन एक पीढ़ी ऐसी भी है जिसके लिए आज भी सबसे प्यारा साथी रेडियो ही है। शुक्रवार 13 फरवरी को पूरी दुनिया ''विश्व रेडियो दिवस'' मना रही है। यह दिन रेडियो की उसी सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका को याद करने का है, जिसने दशकों तक समाज को जोड़े रखा।

बुजुर्गों के लिए रेडियो केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि उनके सुनहरे अतीत की खिड़की है। आज भी गांवों में धूप सेंकते हुए या बिस्तर के पास रखे रेडियो के बटन घुमाते ही बुजुर्गों के चेहरे पर एक अलग सी चमक आ जाती है। चोपड़ा गांव की रहने वाली हीरा देवी जिनकी उम्र 84 साल है वह बताती हैं, रेडियो मेरा पुराना साथी है। बचपन से आज तक इसने कभी साथ नहीं छोड़ा। चाहे खबर सुननी हो या पुराने गाने, इसके बिना दिन अधूरा लगता है।

चंद्रा अम्मा तो टीवी पर सुन रहीं रेडियो

हल्द्वानी : रेडियो के प्रति दीवानगी का एक अनोखा उदाहरण नैनीताल जिले के सुयालबाड़ी गांव की रहने वाली 89 वर्षीय चंद्रा उप्रेती हैं। अम्मा को रेडियो से इतना लगाव है कि वह गांव से हल्द्वानी आते वक्त भी अपना रेडियो साथ लाना भूल गई। हालांकि, इन दिनों हल्द्वानी में प्रवास के दौरान वह एक कदम आगे बढ़ गई हैं। रेडियो सेट साथ न होने पर वह इन दिनों टीवी पर रेडियो चैनल लगवाकर प्रोग्राम सुनती हैं। 89 की उम्र में तकनीकी बदलाव को अपनाते हुए रेडियो के प्रति उनका यह समर्पण बताता है कि शौक के आगे उम्र और साधन कभी बाधा नहीं बनते।

रेडियो को सहेज कर रखती हैं हीरा देवी

हीरा देवी आज भी रेडियो को अपने पास सहेज कर रखती हैं, क्योंकि उनके लिए यह बचपन की यादों को ताजा करने का जरिया है। आज इंटरनेट और टीवी के युग में भी रेडियो की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। बुजुर्गों का कहना है कि रेडियो की आवाज में जो ठहराव और सच्चाई है, वह टीवी की बहस में नहीं मिलती। खेती-किसानी की जानकारी हो, देश-दुनिया की हलचल या फिर पुरानी फिल्मों के नगमे, रेडियो ने अपनी एक अलग दुनिया बसती है।

विश्व रेडियो दिवस क्यों है खास

हर साल 13 फरवरी को मनाया जाने वाला यह दिन रेडियो की सूचनात्मक और सांस्कृतिक शक्ति को सम्मान देने के लिए है। आपदा के समय हो या दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में संचार का माध्यम, रेडियो ने हमेशा अपनी उपयोगिता साबित की है। आज भी कई घरों में बुजुर्ग सुबह की शुरुआत आकाशवाणी के समाचारों और भक्ति संगीत के साथ करते हैं। उनके लिए रेडियो का बटन घूमना, असल में वक्त के उस दौर में वापस जाना है जहां सुकून था।

पत्रकारों के लिए लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हल्द्वानी : पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे पत्रकारों की जीवन शैली और कार्य की अधिकता एवं अनियमित दिनचर्या को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा पत्रकारों के लिए विशेष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जाने के निर्देशों के क्रम में गुरुवार को हल्द्वानी मीडिया सेंटर में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के सहयोग से एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया गया शिविर में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नैनीताल एवं संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय ने शामिल होकर उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

प्रदेश सरकार इस वित्तीय वर्ष में 12 हजार पदों पर करेगी नियुक्तियां: सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहसपुर में सड़क चौड़ीकरण के द्वितीय चरण का किया शिलान्यास

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- **कहा-देवभूमि की अस्मिता पर कोई समझौता नहीं, जीरो टॉलरेंस की नीति जारी**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया कि देवभूमि उत्तराखंड की मूल पहचान, संस्कृति और जनसांख्यिकीय संतुलन से किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून तथा अवैध अतिक्रमण और भू-माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रदेश में रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा इस वित्तीय वर्ष में 10 से 12 हजार नियुक्तियों की तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में मीठीबेरी से परवल होते हुए चांदनी चौक तक तथा परवल से विज्ञान धाम झाझरा तक 1203.40 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के द्वितीय चरण (किलोमीटर 1 से 10) का शिलान्यास किया।

सहसपुर में शिलान्यास समारोह में गदा के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने सहसपुर क्षेत्र के विकास हेतु महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, सुदृढ़ सड़क अवसंरचना प्रदेश के समग्र विकास का आधार है। बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी और क्षेत्र की आर्थिकी सशक्त होगी। कहा कि विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रेटिंग्स उत्तराखंड को समावेशी विकास में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित कर रही हैं। उन्होंने मातृशक्ति को पहाड़ की अर्थव्यवस्था का केंद्र बताते हुए कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के जरिए ऐसे उत्पाद तैयार कर रही हैं जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था 26 गुना बढ़ी है, बजट आकार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, विद्युत उत्पादन चार गुना बढ़ा है तथा रिवर्स माइग्रेशन में 44 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक सहदेव सिंह पुंडीर की क्षेत्रीय समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और सक्रियता की सराहना की। इस अवसर पर विधायक पुंडीर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सुशासन और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। युवा, महिला और किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। प्रदेश की संस्कृति और मौलिक पहचान बनाए रखने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अब तुष्टीकरण के लिए कोई स्थान नहीं है तथा सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास पर कार्य किया जा रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों की पेंशन राशि बढ़ी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के सम्मान एवं कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों पर राज्य सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में दी जा रही पेंशन राशि में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की है।

निर्णय के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान सात दिन जेल गये अथवा आंदोलन के दौरान घायल हुए आंदोलनकारियों की मासिक पेंशन 6000 रु. से बढ़ाकर 7000 रु. कर दी गई है। इसी प्रकार, जेल गये या घायल श्रेणी से भिन्न अन्य राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन 4500 से बढ़ाकर 5500 रु. प्रतिमाह कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, राज्य आंदोलन के दौरान विकलांग होकर पूर्णतः शय्याग्रस्त हुए आंदोलनकारियों की विशेष पेंशन 20,000 से बढ़ाकर तीस हजार रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। वहीं, राज्य आंदोलन में शहीद हुए आंदोलनकारियों के आश्रितों की पेंशन 3000 से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है।

एपी बाजपेयी बने हल्द्वानी के नये सिटी मजिस्ट्रेट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शासन ने 11 आईएएस और पीसीएस अधिकारियों का तबादला किया है। पीसीएस अधिकारी एपी बाजपेयी को हल्द्वानी का सिटी मजिस्ट्रेट बनाया गया है।

कार्मिक एवं सतर्कता विभाग के संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह पतियाल ने गुरुवार की देर सायं आदेश जारी कर सभी अधिकारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण कराने के निर्देश दिए हैं। शासन ने हल्द्वानी में सेवायोजन एवं कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के निदेशक के पद पर तैनात आईएएस अधिकारी संजय कुमार सेवायोजन निदेशक का चार्ज हटा दिया है। आईएएस सौरभ गहरवार को सिडकुल महानिदेशक एवं उद्योग आयुक्त के साथ ही अपर सचिव उद्योग निदेशक राजकीय मुद्रणालय का भी अतिरिक्त जिम्मा सौंपा है। नियोजन विभाग के अपर सचिव नरेंद्र सिंह भंडारी को पर्यटन विकास परिषद के अपर मुख्य अधिकारी व सेवायोजन निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। अपर सचिव शहरी विकास विनोद गिरी गोस्वामी को अपर सचिव आवास, भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण के सीईओ बनाया गया। आईएएस प्रतीक जैन को रुद्रप्रयाग डीएम से हटाकर जीएमवीएन का एमडी, जेजेएम व नमामि गंगे प्रोजेक्ट का निदेशक बनाया है।

वहीं, इसी पर तैनात आईएएस विशाल मिश्रा को रुद्रप्रयाग का डीएम बनाया गया है। अपर सचिव कार्मिक एवं सतर्कता विभाग में तैनात पीसीएस अधिकारी जीएस रावत को अपर सचिव एवं निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण, मदरसा शिक्षा परिषद प्रबंध का निदेशक और अल्पसंख्यक कल्याण निगम का एमडी बनाया है। सचिवालय सेवा के सुरेश जोशी को दुग्ध एवं दुग्ध विकास के साथ ही जनगणना के अपर सचिव का अतिरिक्त भार सौंपा गया है। इसीतरह कवींद्र सिंह को सचिवालय प्रशासन, संस्कृत शिक्षा के साथ ही कार्यक्रम क्रियान्वयन की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। गन्ना चीनी आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया को किच्छा शुगर मिल का अतिरिक्त प्रभार दिया है। इसी पद पर तैनात पीसीएस अधिकारी एपी बाजपेयी को सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी नियुक्त किया गया है।

रोडवेज स्टेशन चम्पावत में पार्किंग शॉपिंग कॉम्प्लैक्स का होगा निर्माण

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के योजना प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। इस क्रम में मुख्य सचिव ने चम्पावत के अन्तर्गत रोडवेज स्टेशन चम्पावत में आधुनिक सुसज्जित स्टोरी पार्किंग व शॉपिंग कॉम्प्लैक्स के निर्माण लागत 64.94 करोड़ रु. के प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान करते हुए इसका नाम सिटी सेंटर चम्पावत रखे जाने के निर्देश दिये।

उन्होने इसमें यात्रियों एवं स्थानीय जनता को बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने, स्थानीय उत्पादों के विपणन की व्यवस्था तथा पार्किंग स्थल पर रोडवेज की बसों के साथ ही टैक्सी पार्किंग की भी व्यवस्था करने को कहा ताकि इससे आम जनता को और अधिक सुविधा हो सके। **विधानसभा क्षेत्र किच्छा में भी होंगे कई विकास कार्य :** ऊधमसिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र किच्छा के अन्तर्गत एनएच.109 में पं. राम सुमेर शुक्ला राजकीय मेडिकल कॉलेज से अटरिया माता मन्दिर मोड, सिडकुल एवं आनंदपुर होते हुए एसएच. 44 तक मार्ग के किमी.. 5.000 से 12.255 तक पुनः निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग को 23.12 करोड़ यूएस नगर के विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र किच्छा के शिमला पिस्तौर कुरैया मोटर मार्ग का पुनर्निर्माण एवं सुधार कार्य के लिए लोनिवि को 20.17 करोड़ की संस्तुति प्रदान की गई।

छात्र-छात्राओं को बटेंगे निःशुल्क नोटबुक, 52.84 करोड़ रु की व्यवस्था

इसके अतिरिक्त व्यय वित्त समिति की बैठक में मुख्य सचिव द्वारा शैक्षिक सत्र 2025-26 में राज्य के राजकीय एवं राजकीय सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को नि :शुल्क नोटबुक उपलब्ध कराये जाने को माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए 52 .84 करोड़ रु., चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट में किमतोली से रौशाल मोटर मार्ग में हॉट मिक्स का कार्य के लिए 12 .15 करोड रु. स्की स्वीकृति दी।

मसूरी में केम्प्टी फॉल रोड पर लैंडस्लाइड, रूट डाइवर्ट

संवाददता, देहरादून

- **समस्या पर कन्ट्रोल रूम नम्बर 7579278145 से करें सम्पर्क**

अमृत विचारः मसूरी क्षेत्र में केम्प्टी फॉल रोड के लैंडस्लाइड होने के कारण तमाम रूट डाइवर्ट किया गया है।

इस क्रम में देहरादून से केम्प्टी जाने वाले छोटे वाहनों लाईब्रेरी चौक से स्प्रिंग रोड से काला चौक से हरनाम रोड से जीरो प्वांइट होते हुये अपने गंत्वय को भेजा जा रहा है। वहीं, केम्पटी से देहरादून आने वाले छोटे वाहनों को जीरो प्वांइट से कम्पनी बाग रोड से हाथीपांव होते हुये गज्जी बैण्ड से अपने गंत्वय को जाना होगा।

हरनाम रोड से काला चैक से लाईब्रेरी चौक तक वन-वे व्यस्था रहेगी जबकि पर्यटको की बसों के लिए क्रिंगेग पार्किंग स्थल तक आनें की अनुमति रहेगी। वहां से छोटे वाहनों से पर्यटक स्थल तक जा सकेंगे।

इसी तरह यमुनापुल से मसूरी, देहरादून आने वाले भारी वाहनों को वाया विकासनगर होते हुये भेजा जायेगा साथ ही देहरादून से केम्प्टी जाने वाले भारी वाहनों को भी सहसपुर से विकासनगर होते हुये भेजा जोयगा।

देहरादून से उत्तरकाशी जाने वाले बसों को सुवाखोली वेक्लिपिक मार्ग का प्रयोग करना होगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए यातायात कन्ट्रोल रूम नम्बर 7579278145 से सम्पर्क किया जा सकता है।

17 फरवरी से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने अनुमान जताया है और कहा है कि राज्य में एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके साथ ही ठंड की फिर से वापसी हो सकती है।

राज्य में 17 फरवरी से उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं और यह दौर अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। पिछले तीन सप्ताह से उत्तराखंड में एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं। जिससे हिमालय क्षेत्र में बर्फ के सूखे का संकट पूरी तरह से खत्म हो गया है और हिमालय और उसके आसपास की निम्न हिमालय चोटियां बर्फ से लकदक हो चुकी हैं। फिलहाल तब तक के लिए राज्य में मौसम शुष्क रहेगा और मैदानी इलाकों में पारे में कुछ उछाल आएगा। हल्द्वानी में दिन और रात के पारे में 18 डिग्री का अंतर है। अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री है तो रात को पारे में भारी गिरावट आ रही है और पारा 5.8 डिग्री दर्ज किया गया है।

नैनीताल में धूप पूरे दिन खिली रही और शाम को हल्के बादल आसमान में छा गए।

शुष्क बना रहा सरोवर नगरी का मौसम

नैनीताल : नैनीताल का मौसम गुरुवार को शुष्क बना रहा। धूप खिली रही और शाम को हल्के बादल आसमान छा गए। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन मौसम सामान्य रहेगा। अगला पश्चिमी विक्षोभ 18 फरवरी से सक्रिय होने जा रहा है। इसका सटीक पूर्वानुमान कुछ दिन बाद जारी किया जा सकेगा। नगर में सुबह शाम की ठंड है। ठंड से राहत पाने के लिए हीटर का सहारा ले रहे हैं। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बैठक | **मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय को राज्य में तकनीकी शिक्षा की बेहतरी के लिए दिए निर्देश**

विवि परिसरों में छात्रों को जरूरी संसाधन हों मुहैया

- **विश्वविद्यालय को अपने आय के संसाधनों में वृद्धि के साथ व्यय का प्रस्ताव भी प्रस्तुत करने को कहा**

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने विश्वविद्यालय को राज्य में तकनीकी शिक्षा की बेहतरी के लिए प्रयास करने के साथ संस्थानों में आवश्यक अवस्थाना सुविधाओं के विकास तथा फैकल्टी की समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के परिसरों में छात्रों को आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध होने से इनमें संचालित विषयों में छात्रों की संख्या बढ़ेगी तथा जिन उद्देश्यों के लिए इन परिसरों की स्थापना की गई है उसका उद्देश्य भी पूरा हो सकेगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून के छः परिसर संस्थानों के लिए राज्य एवं केंद्र पोषित योजनाओं से वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने संबंधी बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय से प्रौद्योगिकी संस्थान गोपेश्वर, पिथौरागढ,. टनकपुर, बौन (उत्तरकाशी) डब्लू. आईटी. देहरादून में हॉस्टल निर्माण के साथ अन्य आवश्यक आवासीय भवनों के निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा, ताकि छात्रों के साथ प्रमुख फैकल्टी को आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध हो सके। मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय को अपने आय के संसाधनों में वृद्धि के साथ अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर होने वाले व्यय का प्रस्ताव भी प्रस्तुत करने को कहा, ताकि उस पर शासन स्तर पर विचार कर नीतिगत निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने के लिए आवश्यक है कि इनमें हॉस्टल की सुविधा हो फैकल्टी की व्यवस्था हो तथा आवश्यक उकरण एवं अन्य संसाधन उपलब्ध हो।

मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन।

विश्वविद्यालय के कार्य-कलापों को बेहतर करने संबंधी प्रस्ताव तैयार करें

मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के कुलपति से अपेक्षा की है कि विश्वविद्यालय परिसरों के कार्य-कलापों को बेहतर ढंग से संचालित किए जाने संबंधी विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराया जाए। इसमें अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर आने वाले व्यय भार को भी स्पष्ट किया जाए ताकि प्राप्त प्रस्तावों पर वित्त विभाग से परामर्श के साथ शासन स्तर पर विचार करते हुए कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

संपत्ति विवाद में खूनी साजिश, रिश्ता भी दागदार

अर्जुन हत्याकांड

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः तिब्बती मार्केट में हुई अमरदीप गैस एजेंसी के स्वामी अर्जुन शर्मा की दिनदहाड़े हत्या के मामले में जहां संपत्ति विवाद में खूनी साजिश आम हुई तो रिश्ते भी शर्मसार हो गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सख्ती के बाद देहरादून पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड को चुनौती के रूप में लिया और 24 घंटे में सफल खुलासा कर दिया।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि, इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले दोनों सुपारी किलर पंकज राणा व राजीव राणा को गुरुवार अलसुबह अलग-अलग रायपुर और डोईवाला के जंगल में मुठभेड़ के बाद दबोचा गया। दोनों से हत्या में प्रयुक्त दो तमंचे और स्कूटी बरामद हुई।

प्रेस वार्ता में अर्जुन शर्मा हत्याकांड का खुलासा करते एसएसपी अजय सिंह।

दोनों ने विस्तृत पूछताछ में बताया कि, वे दोनो सगे भाई हैं और मूल रूप से ग्राम देवीखाल, कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले हैं। पंकज विनोद उनियाल के पास ड्राइवर का काम करता था तथा राजीव ऑटो चलाता था। हत्या के पीछे 14 करोड़ रुपये की संपत्ति का विवाद सामने आया है। उक्त सम्पत्ति पर अर्जुन द्वारा विक्रय पर स्टे लेने तथा मोटी धनराशि देने के बावजूद भी न्यायालय में वाद के लम्बित रहने तथा प्रॉपर्टी पर मालिकाना हक नहीं मिल पाने पर बीना , डॉ. अजय खन्ना तथा विनोद उनियाल ने अर्जुन शर्मा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई तथा उनका उन दोनो से 12 लाख में सौदा तय हुआ था, जिसमें से 3 लाख रुपये दोनों को एडवांस मिल गये थे तथा बाकी के पैसे काम होने के बाद मिलने थे। दोनों आरोपियों ने पैसों के लालच में अर्जुन की दिनचर्या की सटीक रेकी करते हुए बीते बुधवार तिब्बती मार्केट के पास अर्जुन की की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

घटना से पहले व बाद किया संपर्क

एसएसपी के अनुसार, अभियोग की विवेचना के दौरान तथ्य प्रकाश में आये कि घटना से पूर्व तथा घटना के बाद पंकज ने विनोद उनियाल से व्हाट्सअप से सम्पर्क किया था तथा घटना के बाद रात में उसके घर भी गया था। विवेचना के दौरान गवाहों के बयानों से यह तथ्य प्रकाश में आये कि बीना शर्मा ने बेटे अर्जुन शर्मा के मैनेजर विजय से कुछ दिन पूर्व उसकी दिनचर्या के सम्बन्ध में जानकारी ली गई थी, क्योंकि अपनी मां से हुए विवाद के चलते अर्जुन अपने परिवार के साथ इन्दिरा नगर क्षेत्र मे किराये के मकान में रह रहा था।

सिटी ब्रीफ

आरटीआई कार्यकर्ता को मिली जान से मारने की धमकी

रामनगर : छोई निवासी एवं आरटीआई कार्यकर्ता देव बिष्ट ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

देव बिष्ट।

उन्होंने इस संबंध में प्रशासन से शिकायत कर सुरक्षा की मांग की है। देव बिष्ट, निवासी नाथूर छोई, ने बताया कि 11 फरवरी की रात लगभग 9 बजे उनके मोबाइल पर दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आई। आरोप है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग भी की है, जिसमें कथित रूप से स्पष्ट रूप से जान से मारने की धमकी दी गई है। इस घटना के बाद उनके परिवार में भय का माहौल है और वे स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपी की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में रामनगर के सीओ सुमित पांडे ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और प्रकरण की जांच की जा रही है।

बाइक पर हुए चार सवार वीडियो वायरल तो चालान

हल्द्वानी : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वायरल हो रहे एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी ने मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वीडियो में एक दोपहिया वाहन चालक चार सवारियों को बैठाकर वाहन चलाते हुए दिखाई दे रहा था। एसएसपी के निर्देश पर सीपीयू प्रभारी जगदीश कोहली ने संबंधित वाहन चालक के खिलाफ ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार चालक न केवल कानून तोड़ रहा था, बल्कि इस तरह वाहन चलाकर अपनी और अपने साथ बैठी सवारियों की जान को भी खतरे में डाल रहा था। पुलिस ने अपील की है कि चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : मुखानी पुलिस ने पुरनपुर तिराहे के पास जंगल की ओर से आ रहे एक व्यक्ति को पकड़ा। आरोपी के पास से जरकीन में लगभग 25 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। अभियुक्त ने अपना नाम सुंदर बजेठा निवासी पुरानी चुंगी, काठगोदाम बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है।

जनपद के 8.14 लाख से अधिक मतदाताओं का वर्ष-2003 की मतदाता सूची से किया जा रहा है मिलान

प्री-एसआईआर: जिला नैनीताल में सिर्फ 77.47 प्रतिशत मैपिंग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद नैनीताल में प्री-एसआईआर रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। अभी तक सिर्फ 77.47 प्रतिशत ही मैपिंग हुई है हालांकि इनमें हजारों मतदाताओं की मैपिंग को बीएलओ ने मुहर नहीं लगाई है। इधर, जिला प्रशासन का दावा है कि प्री-एसआईआर की रफ्तार सटीक है, जल्द ही निर्धारित लक्ष्य हासिल किए जाएंगे।

निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद नैनीताल में 8,14,878 पंजीकृत मतदाता हैं। पिछले वर्ष पांच दिसंबर से शुरू हुई इस प्री- विशेष गहन पुनरीक्षण

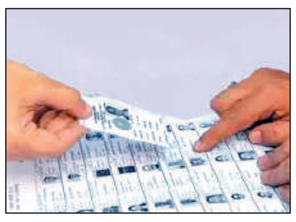

(एसआईआर) में लगभग सवा दो माह बाद सिर्फ 6,31,277 की ही मैपिंग हो सकी है। बीएलओ ने इनमें 6,20,828 को वेरिफाई किया है जबकि 10449 को अब तक वेरिफाई नहीं किया जा सका है। मैपिंग के बाद भी बीएलओ स्तर पर वेरिफिकेशन नहीं होने से भी मैपिंग भी सवालों के घेरे में आई है। प्रतिशत की बात करें तो महज 77.47 प्रतिशत मैपिंग हुई जबकि अभी भी 22.58 प्रतिशत मैपिंग बाकी है। इधर, बीती 16 जनवरी को उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने 50 प्रतिशत से कम मैपिंग वाले बूथों की समीक्षा की थी। उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजर को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देशों के चार सप्ताह बाद भी रफ्तार नहीं पकड़ सका है। अभी तक जिले में 183601 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हुई है।

विस	कुल मतदाता	मैपिंग हो चुके मतदाता
भीमताल	105953	94265
नैनीताल	108983	96676
रामनगर	126713	98716
कालाढूंगी	189025	137478
लालकुआं	127807	92364
हल्द्वानी	156397	111778

यह है प्री एसआईआर

अधिकारियों के अनुसार, प्री-एसआईआर मतदाताओं की मैपिंग करने का मकसद एक ही मतदाता की डबल वोटिंग रोकना है। इसके तहत सभी मतदाताओं को वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुसार अपना ब्योरा देना होगा। यदि वह बालिग नहीं है तो माता पिता का ब्योरा उपलब्ध कराना होगा। बीएलओ दिए गए ब्योरे का ऑनलाइन मिलान करेगा और मैपिंग कर देगा। फिर जिस विस क्षेत्र से मैपिंग उस व्यक्ति उक्त विस का ही मतदाता माना जाएगा। अन्यत्र उसका निर्वाचन सूची में नाम नहीं आएगा।

> जिले में प्री-एसआईआर की प्रक्रिया पूर्ण गति से चल रही है। सभी सहायक निर्वाचन अधिकारी तन्मयता से काम कर रहे हैं, उनके प्रयास जल्द ही धरातल पर दिखाई देंगे। हम जल्द ही लक्ष्य को भी हासिल कर लेंगे।
>
> **-विवेक राय,** अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी

राज्य में 11 वें नंबर पर है नैनीताल जनपद

हल्द्वानी : राजस्व विवादों के निपटारे में वाही वाही लूटने वाला नैनीताल जिले प्री-एसआईआर में फिसड्डी है। राज्य के 13 जिलों में नैनीताल जिला 77 .47 प्रतिशत के साथ 11 वें नंबर पर है। वहीं, रुद्रप्रयाग 96 .29 के साथ अव्वल, उत्तरकाशी 93 .99 के साथ दूसरे और बागेश्वर 92 .80 प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर है। प्री-एसआईआर में राजधानी देहरादून सबसे फिसड्डी 61 .22 प्रतिशत के साथ सबसे निचले पायदान पर है। पड़ोसी जनपद ऊधम सिंह नगर 67 .14 प्रतिशत के साथ 12वें नंबर पर है।

सरकारी स्कूलों में परीक्षाएं शुरू हुईं

सांकेतिक फोटो।

हल्द्वानी: नैनीताल जिले में सरकारी और अशासकीय स्कूलों में गुरुवार से परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षाएं 17 फरवरी तक चलेंगी। गुरुवार को पहली पाली साढ़े नौ से साढ़े बारह बजे तक कक्षा छह, सात और आठ के बच्चों की हिन्दी जबकि एक से चार बजे तक कला की परीक्षा हुई। वहीं दूसरी पाली में कक्षा नौ की हिन्दी जबकि कक्षा 11 की पहली पाली में हिन्दी और दूसरी पाली में संगीत, गायन और वादन की परीक्षा हुई। मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद जायवाल ने बताया कि शीघ्र ही बोर्ड परीक्षा भी होने वाली हैं। इनकी भी तैयारी की जा रही है।

शीतला माता मंदिर के रास्ते में छेड़छाड़ करते युवक को पकड़ा

नाराज लोगों का मल्ला काठगोदाम पुलिस चौकी में हंगामा, घटना की तहरीर सौंपी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शीतला माता मंदिर में गुरुवार सुबह उस समय हंगामा हो गया जब एक समुदाय विशेष का युवक मंदिर के रास्ते में एक युवती के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने युवक व युवती को पकड़ लिया। दोनों को काठगोदाम मल्ला पुलिस चौकी ले गए और आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। कार्रवाई को लेकर पुलिस चौकी में हंगामा भी हुआ। देर शाम शीतला माता समिति के अध्यक्ष सचिन साह ने भी युवक के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी।

बता दें कि रानीबाग स्थित माता शीतला मंदिर में रोजना ही भक्तों का तांता लगा रहता है। गुरुवार की सुबह मंदिर समिति के अध्यक्ष सचिन साह जब मंदिर परिसर क्षेत्र में घूम रहे थे तभी मंदिर के रास्ते में एक युवक, युवती के साथ बैठकर अश्लील हरकत देखा। यह सब देख मंदिर समिति के लोगों ने युवक को पकड़ लिया। उससे जानकारी जुटाई तो पता लगा कि युवक समुदाय विशेष का है। देखते ही देखते वहां पर लोगों की

शीतला माता मंदिर में लड़की के साथ पकड़े गए युवक के खिलाफ मल्ला काठगोदाम चौकी में कार्रवाई की मांग को लेकर पहुंचे लोग।

- **शीतला माता मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पकड़ा**
- **इस तरह की हरकतें करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग**

भीड़ एकत्र हो गई। लोग युवक व युवती को पकड़कर पुलिस के पास ले गए।

युवक पर कार्रवाई की मांग को लेकर लोगों की भीड़ मल्ला काठगोदाम पुलिस चौकी में जमा हो गई। वहीं मंदिर समिति के अध्यक्ष सचिन साह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि मंदिर को जाने वाले रास्ते आए दिन इस तरह की हरकतें आम हो गई हैं, जिस कारण से मंदिर की आस्था तो धूमिल हो ही रही है, भक्तों पर भी इसका गलत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इस तरह की हरकतें करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी काठगोदाम थानाध्यक्ष दिलीप कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है और जांच की जा रही है।

नाम बदलकर प्यार

हल्द्वानी : शीतला देवी मंदिर में गुरुवार को इमोशनल थ्रिलर का लाइव शो देखने को मिला। बताया जा रहा है कि समुदाय विशेष के युवक की शादी पहले से कहीं और तय थी। फिर भी उसने हिंदू लड़की को प्रेमजाल में फंसा लिया था। इतना ही नहीं लड़की लेकर मंदिर पहुंच गया, इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है, पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

बैरिकेडिंग हो या दीवार, हर किसी से टकराने को कांग्रेस तैयार: माहरा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस ने आगामी 16 फरवरी को जन मुद्दों और राज्य सरकार के जनविरोधी फैसलों को लेकर प्रस्तावित राजभवन घेराव की तैयारियों को लेकर अहम बैठक की। इसमें कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ ही समीक्षा की गई। सभी ने राजभवन घेराव को सफल बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

गुरुवार को स्वराज आश्रम में कांग्रेस की बैठक हुई। इसमें चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि यह आंदोलन प्रदेश की जनता के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए है। कांग्रेस जनभावनाओं को लेकर पूरी ताकत के साथ राजभवन घेराव करेगी, प्रदेशभर से कार्यकर्ता बड़ी संख्या में देहरादून पहुंचेंगे। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि महिला अत्याचार, पेपर लीक, बेरोजगारी, जंगली जानवरों का आतंक, आपदा जैसे मुद्दों को लेकर घेराव किया जाएगा। 16 फरवरी का राजभवन घेराव जनआक्रोश की सशक्त अभिव्यक्ति होगा।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी सदस्य करन माहरा ने कहा कि बैरिकेडिंग हो या दीवार, अब हर किसी के लिए कांग्रेस तैयार है। हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र से पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को इस घेराव में बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिन्हें वह बखूबी निर्वहन करेंगे। अंत में सभी ने एकजुट होकर घेराव को सफल बनाने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर संगठनात्मक तैयारियां, अधिकतम भागीदारी, परिवहन व्यवस्था, अनुशासन एवं स्थल प्रबंधन सहित प्रत्येक बिंदु पर गहन मंथन हुआ। बैठक का संचालन महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट और जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने किया। इस दौरान उपनेता सदन भुवन कापड़ी,किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़, नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, महेंद्र सिंह पाल, गोविंद सिंह कुंजवाल, हरीश चंद्र दुर्गापाल रहे।

स्वराज आश्रम में बैठक को संबोधित करते सीडब्ल्यूसी सदस्य करन माहरा।

विस चुनाव की भरी हुंकार, भाजपा को गद्दी से हटाओ

हल्द्वानी : वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने इस सभा के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बिगुल भी फूंक दिया है। करन माहरा ने कहा कि जहां कहीं भी महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है उसमें भाजपा नेता का सामने आ रहा है। राज्य में आपदा में करीब 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ लेकिन राज्य को अभी तक एक रुपया भी नहीं मिला। जंगली जानवरों का आतंक है। इसलिए हमारा विरोध सीएम धामी के खिलाफ नहीं होगा क्योंकि भाजपा धामी को हटाकर किसी और को सीएम बना देगी। हमारा विरोध अब भाजपा सरकार के खिलाफ है, भाजपा को ही गद्दी हटाना है।

सीडीओ ने गायब कर्मी का वेतन काटने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने गुरुवार को हल्द्वानी ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया। आरईएपी दफ्तर में एक कर्मी के गायब होने पर नाराजगी जताई और बीडीओ को गैरहाजिर कर्मी का एक दिन की वेतन कटौती व स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने ब्लॉक में उपस्थिति पंजिका, साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अमूमन आमजन कामों के लिए सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक पहुंचते हैं इसलिए फील्ड संबंधी कामकाज 3 बजे के बाद किए जाए ताकि ब्लॉक में किसी भी काम से आने वाले व्यक्ति को परेशानी नहीं हो। फील्ड में जाने वाला स्टाफ जिस क्षेत्र में भ्रमण के लिए जा रहे हैं उक्त क्षेत्र का नाम, दिनांक व समय भ्रमण पंजिका में दर्ज कराएं। उन्हें संज्ञान में आया कि वीपीडीओ यशवंत बोहरा का भीमताल तबादला हुआ है लेकिन वह कार्यमुक्त होने के बाद चार्ज देने से पूर्व मेडिकल अवकाश पर चले गए हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने डीपीआरओ को तीन दिनों में संबंधित का मेडिकल बोर्ड से परीक्षण के बाद भीमताल में योगदान आख्या देने के निर्देश दिए।

बिठौरिया में बेकाबू कार ने तोड़े बिजली के खंभे

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः बिठौरिया क्षेत्र के सनलाइट एन्क्लेव कॉलोनी में गुरुवार दोपहर एक बेकाबू कार ने जमकर उत्पात मचाया। दोपहर करीब दो बजे एक कार अनियंत्रित होकर कॉलोनी में लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा उखड़कर जमीन पर आ गिरा और तार कार में फंस गए। चालक ने तारों से कार निकालने के लिए जैसे ही गाड़ी आगे बढ़ाई, तारों में खिंचाव से थोड़ी दूर लगा दूसरा पोल भी टूट गया। अचानक हुए इस हादसे से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। पोल टूटते ही बिजली काट दी गई। सूचना मिलते ही ऊर्जा निगम की टीम मौके पर पहुंची और नए खंभे लगाने का काम शुरू किया। दोपहर 2 बजे से ठप हुई बिजली सप्लाई शाम 7 बजे ही बहाल हो सकी। इस बीच स्थानीय लोगों को पानी और घरेलू कामकाज के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एसडीओ वीवी जोशी ने बताया कि कार की टक्कर से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। चालक की लापरवाही के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी जा रही है। नुकसान की पूरी भरपाई कार चालक से ही कराई जाएगी।

एकता विहार में फुंके घरेलू उपकरण, मुआवजे की मांग

हल्द्वानी : धौलाखेड़ा के एकता विहार क्षेत्र में बिजली के हाईवोल्टेज आने से दर्जनों घरों के कीमती बिजली उपकरण फुंक गए। अचानक हुए इस हादसे से स्थानीय निवासियों को हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। गुरुवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने ऊर्जा निगम के ग्रामीण डिवीजन के अधिशासी अभियंता (ईई) से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लगा ट्रांसफार्मर लगातार परेशानी का कारण बना हुआ है और इसी की खराबी की वजह से वोल्टेज में उतार-चढ़ाव आ रहा है। लोगों ने मांग की है कि जर्जर ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जाए और जिन उपभोक्ताओं के फ्रिज, टीवी व अन्य उपकरण खराब हुए हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। इस दौरान ग्राम प्रधान दीप्ती धामी, त्रिलोक सिंह, बहादुर सिंह भंडारी, दीपांकर कन्याल रहे।

गौलापार में साढ़े छह घंटे गुल रही बिजली

हल्द्वानी : ऊर्जा निगम के उपसंस्थान गौलापार के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में गुरुवार को रखरखाव और मरम्मत के चलते उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। 33/11 केवी उपसंस्थान गौलापार के दानीबंगर फीडर से जुड़े क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 4 :30 बजे तक बिजली पूरी तरह ठप रही। साढ़े छह घंटे तक बिजली न होने के कारण दानीबंगर और आसपास के हजारों ग्रामीणों व उपभोक्ताओं के घरेलू काम प्रभावित रहे। बिजली गुल होने का सबसे ज्यादा असर पेयजल आपूर्ति पर पड़ा। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

साइलेंस जोन में डीजे बजाने पर रिसॉर्ट स्वामी का चालान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की ढेला रेंज स्थित एक रिसॉर्ट में साइलेंस जोन के नियमों का उल्लंघन करते हुए तेज आवाज में डीजे बजाए जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। डीजे बंद कराने के साथ ही रिसॉर्ट स्वामी का चालान किया है।

ढेला वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय और ढेला पुलिस चौकी के ठीक पीछे संचालित कॉर्बेट कॉटेज रिसॉर्ट में देर रात तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। साइलेंस जोन घोषित क्षेत्र में इस तरह का ध्वनि प्रदूषण न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि वन्यजीवों और स्थानीय निवासियों के लिए भी परेशानी का कारण बनता है। ग्रामीणों ने पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डीजे को बंद कराया। इसके बाद रिसॉर्ट स्वामी अनुप सिंह भाटी निवासी फरीदाबाद का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। उन्हें विधिक नोटिस जारी कर भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न करने की सख्त हिदायत दी गई। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि साइलेंस जोन में ध्वनि प्रदूषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यातायात प्रबंधन | 14-15 फरवरी के लिए पुलिस ने जारी किया रूट डायवर्जन, भारी वाहनों पर प्रतिबंध, ओपन थिएटर में बनेगी पार्किंग

महाशिवरात्रि पर छोटा कैलाश जाने वाले रूट पर डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : महा शिवरात्रि पर 14 और 15 फरवरी को भीमताल स्थित प्रसिद्ध छोटा कैलाश मंदिर में श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था लागू की है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए वन-वे सिस्टम लागू किया गया है, जबकि कुछ मार्गों पर भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी।

पुलिस के अनुसार अमृतपुर की ओर से छोटा कैलाश मंदिर जाने वाले सभी वाहनों को वन-वे व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत गेट बानना तिराहा (लामजाला तिराहा) से डायवर्ट कर धूरा तिराहा होते हुए ओपन थिएटर

छोटा कैलाश। फाइल फोटो

पार्किंग तक भेजा जाएगा। यहां से श्रद्धालु पैदल मंदिर तक जाएंगे। वापसी के दौरान वाहन भटेलिया से होकर लामजाला तिराहा और अमृतपुर गेट के रास्ते वापस लौट सकेंगे। भीमताल की ओर से आने वाले वाहनों को जंगलिया गांव से धूरा तिराहा होते हुए ओपन थिएटर पार्किंग में भेजा जाएगा। यहां से श्रद्धालु पैदल मंदिर पहुंचेंगे। वापसी में वन-वे व्यवस्था के तहत वाहन भटेलिया गांव से लामजाला तिराहा, धूरा तिराहा अथवा अमृतपुर गेट के रास्ते भीमताल की ओर लौटेंगे। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि सीमित पार्किंग क्षमता और मार्ग की स्थिति को देखते हुए यथासंभव छोटे, सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। साथ ही यातायात नियमों का पालन करते हुए पुलिस एवं ट्रैफिक कर्मियों का सहयोग करें, ताकि पर्व शांतिपूर्णव सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

पार्किंग व्यवस्था इस प्रकार रहेगी

हल्द्वानी : चारपहिया वाहनों के लिए डाक बंगला पार्किंग और ओपन थिएटर पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। दुपहिया वाहनों के लिए पहले चरण में गिरीश मोटर साइकिल पार्किंग का उपयोग किया जाएगा। इसके भर जाने पर भास्कर चन्द्र पलडिया मोटर साइकिल पार्किंग में वाहन खड़े कराए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर हनुमान मंदिर की ओर पैदल मार्ग तिराहा बैरियर तथा शिवा मोटर साइकिल पार्किंग स्थल को भी दुपहिया वाहनों के लिए खोला जाएगा।

अमृतपुर रूट पर भारी वाहनों के साथ टैंपो और ई-रिक्शा भी प्रतिबंधित

हल्द्वानी : महाशिवरात्रि को देखते हुए अमृतपुर गेट से छोटा कैलाश की ओर सभी भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही काठगोदाम से अमृतपुर की ओर टैंपो और ई-रिक्शा के संचालन पर भी रोक रहेगी। ओपन थिएटर बैरियर से छोटा कैलाश मार्ग पर चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णत: बंद रहेगा। पुलिस ने बताया कि यदि श्रद्धालुओं के वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण पार्किंग स्थल भर जाते हैं, तो वाहनों को मुख्य मार्ग से पीछे सुरक्षित चिन्हित स्थानों पर क्रमबद्ध रूप से पार्क कराया जाएगा। यातायात बाधित करने वाले वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर क्रेन की मदद से हटाया जाएगा।

हिम्मत : बहू पुष्पा की दराती और दहाड़ से 'कांपा' बाघ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः बाघ के चंगुल से गंगा देवी को छुड़ाने में पुष्पा व हेमा ने गजब का साहस भी दिखाया। दरअसल, रामनगर वन डिवीजन की फतेहपुर रेंज के अंतर्गत आने वाले जंगल के अंदर लगभग एक-डेढ़ किमी में तीनों घास काट रही थीं। इस बीच झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक गंगा देवी पर झपट्टा मारा और खींचकर जंगल में ले गया, जहां बाद में उसका शव मिला।

इससे पहले अचानक हुए हमले से पुष्पा व हेमा घबरा गई और गंगा देवी को छुड़ाने के लिए बाघ के पीछे भागी। बाघ वृद्धा को लगभग एक-डेढ़ किमी अंदर पहाड़ी के जंगलों में ले गया और निवाला बना दिया। तभी दोनों महिलाएं पहुंची और शोर मचाया और दराती से बाघ को डराने की कोशिश की। शोर होने पर बाघ चला गया। फिर दोनों महिलाएं जंगल से बाहर आई और ग्रामीणों व वन विभाग को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना पर रामनगर डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया वन टीम मौके पर पहुंची। बाद में टीम ने ग्रामीणों के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। घटना स्थल पर शव नहीं मिला। बाद में लगभग दो किमी की दूरी पर वृद्धा का अधखाया शव बरामद हुआ।

हीटिंग पीरियड में उग्र हैं बाघ : बाघ की निगरानी के लिए घटना स्थल के समीप ट्रैपिंग कैमरा लगाने के साथ ही उच्च अधिकारियों से बाघ को पकड़ने की अनुमति मांगी है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि जंगलों के भीतर चारा के लिए नहीं जाएं। विशेषकर इस समय, बाघों का हीटिंग पीरियड चल रहा है जिस वजह से बाघ उग्र हो जाते हैं ।

परिजनों को मिलेगा 10 लाख रु. मुआवजा

डीएफओ मर्तोलिया ने बताया कि वन टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार मृतका के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

सिटी ब्रीफ

प्रो. नंद गोपाल साहू बने रसायन विभागाध्यक्ष

नैनीताल : कुमाऊं विवि के रसायन विभाग में प्रोफेसर नंद गोपाल साहू ने विभागाध्यक्ष का प्रभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. साहू को आगामी तीन वर्षों के लिए विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर कूटा की ओर से प्रो. साहू को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। कूटा ने डॉ. बलवंत कुमार को एसएसजे विवि अल्मोड़ा में बॉटनी विभागाध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी है। प्रो. ललित तिवारी, प्रो. अनिल बिष्ट, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. कुबेर गिन्ती, डॉ. चित्रा पांडे, डॉ. गीता तिवारी, डॉ. महेश आर्य, डॉ. ललित मोहन, डॉ. गिरीश खर्कवाल रहे।

टेनिस बालिका में पंजाब तो बालक में यूपी अव्वल

कालाढूंगी : ऑप्टिमम टेनिस एकेडमी, चूनाखान (बैलपड़ाव) में चल रही आईटा अंडर-14 (बालिका व बालक) सुपर सीरीज के बालक वर्ग के फाइनल में यूपी के ध्रुव सिंह ने महाराष्ट्र के प्रणव को 6-2, 6-1 से, बालिका वर्ग में पंजाब की आशीष कौर ने यूपी की अदिति को 6-3, 6-2 से हराया। शंकर दत्त सती, एमडी नारायण फ्यूल, पूर्व डिप्टी कमांडेंट बीबी जोशी, शिवा मरदा तथा टूर्नामेंट डायरेक्टर डीएस रावत ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रामनगर में 11 सूत्रीय मांगों को लेकर भोजन माताओं ने निकाला जुलूस, जताया आक्रोश

चार लेबर कोड को मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज बताया, सरकार से की तत्काल रद्द करने की अपील

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: केंद्रीय ट्रेड यूनियन फेडरेशनों की ओर से चार लेबर कोड के खिलाफ आहूत देशव्यापी आम हड़ताल में प्रगतिशील भोजनमाता संगठन के नेतृत्व में रामनगर क्षेत्र की भोजन माताओं ने कार्य बहिष्कार कर भागीदारी की। इस दौरान भोजन माताएं जुलूस के रूप में सड़कों पर उतरीं और इन चार लेबर कोड्स को तत्काल रद्द करने की मांग की। जुलूस नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए देवभूमि व्यापार मंडल कार्यालय तक पहुंचा, जहां सभा का आयोजन किया गया।

प्रगतिशील भोजनमाता संगठन की अध्यक्ष शारदा देवी ने कहा कि ये 4 लेबर कोड मजदूरों की गुलामी के दस्तावेज हैं। इनमें मजदूरों के ट्रेड यूनियन अधिकारों और हड़ताल के संवैधानिक अधिकारों पर गंभीर हमला किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड सरकार मात्र तीन हजार रुपये प्रति माह पर भोजन माताओं से कार्य करा रही है और उन्हें यह मानदेय साल में केवल 11 महीने ही मिलता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार मानदेय नहीं बढ़ाती, तो प्रदेश की भोजन माताएं अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगी। इंकलाबी मजदूर केंद्र के महासचिव रोहित रुहेला ने कहा कि ये लेबर कोड देशी और विदेशी पूंजीपतियों की मांग पर लागू किए गए हैं। फिक्स टर्म एम्प्लॉयमेंट के नाम पर मजदूरों को हायर एंड फायर के तहत कभी भी काम पर रखा या निकाल दिया जा सकता है। उपपा के महासचिव प्रभात ध्यानी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें मजदूरों, किसानों, छात्रों और युवाओं के खिलाफ खड़ी हैं। इस मौके पर शीला शर्मा, गीता सत्यवली, ममता देवी, विमला देवी, कमला रावत, नंदी देवी, हंसी देवी, आनंदी देवी, शांति देवी, बाला देवी, पदमा देवी, दीपा देवी सहित रामनगर क्षेत्र के स्कूलों की बड़ी संख्या में भोजन माताएं जुलूस में शामिल रहीं।

रामनगर में जुलूस निकालतीं भोजन माताएं। ● अमृत विचार

नैनीताल में भी भोजन माताओं का विरोध-प्रदर्शन

नैनीताल : प्रगतिशील भोजनमाता संगठन के बैनर तले नैनीताल इकाई की भोजनमाताओं ने मल्लीताल से तल्लीताल डांठ तक रैली निकाली। जिसके बाद डांठ पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष तुलसी देवी ने कहा कि भोजनमाताएं लंबे समय से न्यूनतम वेतन और स्थायी नौकरी के लिए संघर्ष कर रही हैं। सरकार उनकी मांगों को लगातार अनसुना कर रही है। यहां अनीता देवी, पुष्पा जलाल, सीमा, सुशीला, चंपा, लता, शबीना, संतोष, जानकी, हेमा भगवती, नंदी बिष्ट, पूजा, दीपा, शकीना, दीपा नेगी, नंदी बिष्ट, सरस्वती देवी, कमला पंत, हेमा डालाकोटी रहीं।

अपनी मांगों को लेकर तहसील में विरोध पर प्रदर्शन करतीं भोजन माताएं।

मांगों को लेकर तहसील में गरजीं भोजनमाताएं

कालाढूंगी : प्रगतिशील भोजनमाता संगठन के नेतृत्व में क्षेत्र की भोजनमाताओं ने गुरुवार को कार्य बहिष्कार कर तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहीं भोजनमाताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मानदेय बढ़ाने, अतिरिक्त कार्य न कराने, भोजनमाताओं के शोषण एवं उत्पीड़न पर सख्त कार्रवाई करने तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने सहित 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा। भोजनमाताओं को अधिवक्ता खीम सिंह बौरा और आनंद ने अपना समर्थन दिया। इस दौरान गीता जलाल, तुलसी छिम्वाल, कौशल्या देवी, चम्पा देवी, पार्वती देवी, मंजू देवी, पुष्पा देवी, हंसी देवी, मोहनी देवी सहित दर्जनों भोजनमाताएं उपस्थित रहीं।

कालाढूंगी-रामनगर स्टेट हाईवे के बौर पुल पर पलटी कार और मौके पर मौजूद पुलिस।

बौर पुल में कार पलटी दंपति समेत छह घायल

संवाददाता, कालाढूंगी

- शादी समारोह से वापस लौट रहा था परिवार

अमृत विचार: कालाढूंगी-रामनगर स्टेट हाईवे पर शादी समारोह से लौट रहे एक परिवार की कार बौर पुल पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पति-पत्नी सहित छह लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार गुरुवार को ललित जोशी निवासी अमाऊं, खटीमा-टनकपुर रोड, अपनी पत्नी रश्मि जोशी, मां जानकी जोशी, छोटी पुत्री अवनी और बड़ी पुत्री अनुष्का के साथ रामनगर ढिकुली में अपने भांजे के शादी समारोह से लौट रहे थे। नगर में प्रवेश करने वाले बौर पुल पर चालक हरून शाह अचानक कार से नियंत्रण खो बैठा। कार पुल से टकराकर बीच पुल में पलटकर तिरछी खड़ी हो गई। हादसे के बाद कार सवारों में चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों, राहगीर और मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घायलों को बाहर निकालकर निजी वाहनों से सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी। चालक हरून शाह ने बताया कि अचानक आंखों के आगे अंधेरा छा जाने से वह वाहन से नियंत्रण खो बैठा। बाद में सभी लोग दूसरे वाहन से अपने घर के लिए रवाना हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कार को सीधा कर पुल से हटाया। कोतवाल अरुण सैनी ने बताया कि कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

किशोर और किशोरियों को स्वास्थ्य सुरक्षा व करियर पर मिला मार्गदर्शन

संवाददाता, धानाचूली

- अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, धानाचूली में आयोजन
- जागरुकता एवं संचेतना कार्यशाला में दी जानकारी

अमृत विचार: किशोरावस्था के बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, धानाचूली में जागरूकता एवं संचेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम प्रशिक्षण संस्थान भीमताल, नैनीताल के निर्देशानुसार आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी शुभम वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में किशोरावस्था से जुड़ी समस्याएं, स्वास्थ्य जागरूकता, व्यक्तिगत सुरक्षा, मानसिक एवं भावनात्मक विकास, करियर एवं व्यवसाय के अवसर, नशा मुक्ति अभियान, मादक द्रव्यों के दुष्प्रभाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बालक-बालिकाओं के लिए अवसरों की समानता, आत्मविश्वास बढ़ाने और चुनौतियों से सही तरीके से निपटने के उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. पी. कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. ममता टम्टा, थाना मुक्तेश्वर से उपनिरीक्षक मनीषा सिंह, आईटीआई टांडी के इंस्ट्रक्टर आर.पी. जोशी, फोरमैन मनीष सिंह, निर्मल सिंह, स्वास्थ्य केंद्र पदमपुरी की काउंसलर दीपा विष्ट सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जेपी पंत ने किया। आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से छात्र-छात्राओं में जागरूकता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है और भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि किशोर-किशोरियों को सही दिशा और बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।

कार्य बहिष्कार कर अपने अधिकारों की मांग करते बैंक कर्मचारी। ● अमृत विचार

नैनीताल में बैंक कर्मियों ने श्रम कानूनों की वापसी की मांग को लेकर किया कार्य बहिष्कार

नैनीताल : श्रम कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर नैनीताल में गुरुवार को बैंक कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बैंकिंग कार्य प्रभावित रहा और उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ा। गुरुवार को नगर के मल्लीताल स्थित पंजाब नेशनल बैंक परिसर में विभिन्न बैंकों के कर्मचारी एकत्रित हुए। सभा में वक्ताओं ने कहा कि नए श्रम कानून कर्मचारी हितों के प्रतिकूल हैं और इससे कर्मचारियों की सेवा शर्तों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से श्रम कानूनों को तत्काल वापस लेने की मांग की। कर्मचारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों का समर्थन किया। कार्य बहिष्कार के कारण नकदी लेन-देन, चेक क्लियरेंस और अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे ग्राहकों को असुविधा झेलनी पड़ी। बैंक कर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान बैंक एसोसिएशन अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत और अमेरिका व्यापारिक समझौता रद्द करने की मांग की

संवाददाता, कालाढूंगी

भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता रद्द करने की मांग लेकर तहसील पहुंचे किसान।

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने तहसील में पहुंचकर भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौते को राष्ट्रपति से रद्द करने की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

वीरवार को भाकियू के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह रौतेला के नेतृत्व में किसान तहसील परिसर में पहुंचे और समझौते का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय किसानों के लिए विनाशकारी साबित होगा।

भाकियू के जिलाध्यक्ष भगवान रौतेला ने बताया कि इस समझौते के तहत अमेरिकी कृषि, बागवानी और पशुधन संबंधी उत्पाद भारतीय बाजार में सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगे। इससे भारतीय फसलों की, जिनकी उत्पादन लागत अधिक है, बिक्री नहीं होगी और स्थानीय किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। किसानों का आरोप है कि सरकार इस समझौते के माध्यम से लगभग 75 प्रतिशत किसानों को नुकसान पहुंचा सकती है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस समझौते पर रोक नहीं लगाती है, तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान अजय रौतेला, पीयूष बिष्ट, निर्मल सिंह, दीपेश पांडे, गौरव पंत, जरनैल सिंह, अर्णव कंबोज, ज़िपंस अर्णव कंबोज, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख कुलदीप तड़ियाल, आनंद पांडे सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

शिविर में 59 शिकायतें हुईं दर्ज, कई निस्तारित

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत नगर के रामलीला मैदान में बहुउद्देश्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनता ने सड़कों, विद्युत, पेयजल, सिंचाई गुलों के क्षतिग्रस्त होने, स्मार्ट मीटर में बिल राशि अधिक आने, जंगली जानवरों से फसलों के नुकसान समेत कुल 59 शिकायतें दर्ज करवाईं।

शिविर में सिंचाई, विद्युत, वन, राजस्व, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के स्टाल लगाए गए थे। वीरवार को समाज कल्याण सचिव श्रीधर अद्वांकी और एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने लोगों की समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर निस्तारण भी किया। समाज कल्याण सचिव ने सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। अधिवक्ताओं और क्षेत्रवासियों ने तहसील में मुंसिफ कोर्ट खोले जाने की मांग की। इसके अलावा स्मार्ट मीटर के बिल अधिक आने, जंगली जानवरों से फसलों के नुकसान और आबादी क्षेत्र में घूम रहे गुलदारों से सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, विधायक प्रतिनिधि विकास भगत, पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा, सुमन अधिकारी, हरीश मेहरा रहे।

अग्निशमन विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

नैनीताल: अग्निशमन केंद्र नैनीताल के अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी ने नैनीताल क्षेत्र के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्थानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों की स्थिति, फायर अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास द्वार और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया गया। अग्निशमन अधिकारी व स्टाफ ने फायर एक्सटिंग्यूशर के सही उपयोग की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। निरीक्षण के दौरान जहां-जहां सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गईं, उन्हें शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

नयना देवी मंदिर की छवि धूमिल करने का आरोप, तहरीर सौंपी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मां नयना देवी मंदिर की छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर सुनियोजित अभियान चलाए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में श्री मां नयना देवी मंदिर अमर उदय ट्रस्ट, नैनीताल की ओर से कोतवाली मल्लीताल में तहरीर दी गई है।

ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव लोचन साह के अनुसार, कुछ समय पूर्व एक मुस्लिम दंपत्ति द्वारा गलतफहमी में जूते पहनकर मंदिर के मुख्य द्वार से भीतर प्रवेश करने की घटना सामने आई थी। इस घटना को लेकर कुछ शरारती तत्वों ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ प्रचार करते हुए धार्मिक विद्वेष फैलाने का प्रयास किया। इस मामले में तत्काल पुलिस को तहरीर दी गई थी, लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद अब तक की गई कार्रवाई, प्राथमिकी दर्ज होने अथवा पूछताछ की स्थिति की कोई जानकारी ट्रस्ट को नहीं दी गई है। इससे श्रद्धालुओं में असंतोष व्याप्त है। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट ने एक अन्य वीडियो का भी संज्ञान लिया है, जो वर्तमान में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला दर्शकों से यह कहती नजर आ रही है कि नयना देवी मंदिर का प्रसाद घर नहीं ले जाना चाहिए। ट्रस्ट का कहना है कि यह बयान न केवल मंदिर की परंपराओं का अपमान है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर भी सीधा प्रहार है। प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों भक्त श्रद्धापूर्वक मंदिर का प्रसाद अपने घर ले जाते हैं। उक्त वीडियो को साक्ष्य के रूप में पेन ड्राइव में कोतवाली को सौंपा गया है। ट्रस्ट ने दोनों मामलों में दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच की जा रही है।

प्रदेश की सभी विस. सीटों पर चुनाव लड़ेगी उक्रांद : पुष्पेश

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष पुष्पेश त्रिपाठी ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी और सभी विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि राज्य के अन्य क्षेत्रीय संगठन सहयोग के लिए आगे आते हैं, तो दल चर्चा करने को तैयार है। अभी दल के प्रति जनता का रुझान बहुत सकारात्मक है।

पुष्पेश त्रिपाठी।

पूर्व विधायक और उत्तराखंड क्रांति दल की वरिष्ठ नेता पुष्पेश त्रिपाठी ने कहा कि राज्य गठन के 25 साल बाद भी उत्तराखंड की दशा और दिशा अपेक्षित नहीं बदल पाई है। उलट दिशा में कार्य हुए हैं। राज्य की स्थिति चिंताजनक दिशा में जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में माफियाओं का बोलबाला है और भूमि की लूट-खसोट जारी है। त्रिपाठी ने कहा कि रोज नए-नए नियम बनाकर जनता को बेहाल कर दिया गया है। केंद्रीय उपाध्यक्ष इंद्र सिंह मनराल, भूपाल सिंह तड़ियाल, चंद्रशेखर जोशी और भोला दत्त मौजूद रहे।

आयोजन | विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़े लोग, मुख्य वक्ता गोपीनाथ दास, डॉ. चंद्रा जोशी व जितेन्द्र ने किया शुभारंभ

युवाओं को भारतीय संस्कृति से प्रेरित करना जरूरी

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: सकल सनातन समाज समिति की ओर से जनकपुरी, आंवलाकोट, कोटाबाग में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य वक्ता गोपीनाथ दास, डॉ. चंद्रा जोशी और जितेन्द्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में एकता, सामाजिक समरसता, सनातन धर्म का संरक्षण और युवाओं को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश में भव्य विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कोटाबाग में आयोजित सम्मेलन में वक्ताओं ने हिंदू समाज से संगठित रहने, संस्कृति को संजोने और एकजुट होकर राष्ट्र की रक्षा करने का आह्वान किया। सम्मेलन में मेधावी छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों सनातनियों, विशेषकर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान चंदन शर्मा, पंकज, मुकेश वर्मा, राहुल, निर्मल, प्रकाश कबड़ाल, राज्य दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, महापौर गजराज सिंह बिष्ट, मनोज पाठक, क्षेपंस दीपा ढौडियाल, ग्राम प्रधान ममता वर्मा, तारा पांडे आदि रहे।

सकल सनातन समाज समिति की ओर से कालाढूंगी में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

नगर में हुई चोरियों का खुलासा करने की मांग

रामनगर: भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने नगर में हो रही चोरियों का खुलासा करने की मांग को लेकर पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। मोर्चा के नगर मंडल अध्यक्ष इन्दर पाल सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रामनगर को अवगत कराया गया कि बीते दिनों चोरों ने हल्द्वानी बस स्टेशन से तीन बसों के बैटरे चुराने के साथ ही कई खोखो के ताले तोड़कर उसमें रखा सामान भी चोरी कर लिया। जिसकी शिकायत पीड़ितों द्वारा पहले ही की जा चुकी है, मगर चोरों का कोई पता नहीं चल पाया है। कोतवाल सुशील कुमार ने चोरों जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया। यहां महामंत्री राहुल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शुभम कुमार, अक्षय, दिवाकर, दीपक वाल्मीकि, विशाल वाल्मीकि, सार्थक, अंश, मोहित, आकाश उत्तम व पीड़ित चालक रहे।

विवि की स्वायत्तता बनाए रखने की अपील

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में गुरुवार को प्राध्यापकों की हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बनाए रखने की पुरजोर अपील की गई।

वक्ताओं ने कहा कि प्राध्यापकों की उपस्थिति विश्वविद्यालय एक्ट एवं परिनियमावली के अनुरूप ही सुनिश्चित की जानी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी प्रकार के ऐसे निर्णय, जो विश्वविद्यालय की स्वतंत्र कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हों, उन पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। यह भी कहा गया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में भी शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य नहीं है, इसलिए स्थानीय स्तर पर भी एक्ट और परिनियमों के अनुरूप व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। निर्णय लिया गया कि सभी प्राध्यापक शीघ्र ही कुलपति से मुलाकात कर अपनी बात रखेंगे। कुलाधिपति, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए गए हैं। कहा कि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रो. एलएम. जोशी, प्रो. एमसी. जोशी, प्रो. अतुल जोशी, प्रो. मधुरेंद्र कुमार, प्रो. हरीश बिष्ट, प्रो. जया तिवारी, प्रो. सूची बिष्ट, प्रो. बिमल, प्रो. सीमा, प्रो. संजय घिल्डियाल, प्रो. लता पांडे, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. अनिल बिष्ट, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. कुबेर गिनती, प्रो. संजय टम्टा रहे।

आईएससी 12वीं की बोर्ड परीक्षा हुई शुरू

नैनीताल: इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी)12वीं की बोर्ड परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई है। पहले दिन मनोविज्ञान की परीक्षा हुई। 17 फरवरी से इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन की 10वीं की परीक्षा होगी।

शेरवुड कालेज प्रधानाचार्य अमनदीप संधु ने बताया कि आईएससी बोर्ड से सम्बद्ध नगर में चार विद्यालय संचालित हैं। जिनमें शेरवुड कालेज, आल सेंट्स कालेज, सेंट मैरी कॉन्वेंट कालेज और सेंट जोज़फ कालेज शामिल है। लगभग 225 विद्यार्थी 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं और 350 विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में शामिल होंगे। 12वी की परीक्षा 6 अप्रैल तक जारी रहेगी, जबकि 10वीं की परीक्षा 25 मार्च को समाप्त हो जाएगी। आज 12वीं की मनोविज्ञान की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शुक्रवार को अंग्रेजी का प्रश्नपत्र होगा।

हल्द्वानी में आधी रात का आखिरी चीयर्स!

मर्डर ब्रीफ

नशेड़ियों का अड्डा नवीन मंडी, पुलिस पर सवाल

हल्द्वानी : नवीन मंडी नशेड़ियों का अड्डा है। यहां रात के किसी भी पहर में अंदर संचालित ढाबों से शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है। जिस छत पर रात पार्टी हुई थी, वहां यह आम है। यहां जुआरियों का भी अड्डा लगता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल मंडी पुलिस चौकी पर खड़ा होता है। मंडी के मुख्य गेट पर ही पुलिस चौकी है और इस चौकी से कुछ कदमों की दूरी पर हत्या हुई। हत्या रात में हुई और पूरी रात दो शव खुली सड़क पर पड़े रहे। ऐसे में यदि रात गश्त होती तो हो सकता है कि हत्या होती ही न और यदि हो भी जाती तो रात हुई हत्या का पता पुलिस को सुबह 07 :40 मिनट पर न लगता। शव भी सबसे पहले एक मजदूर ने देखा और सूचना मंडी की सिक्योरिटी संभालने वाले अंशुल पांडे को दी फिर उसने डायल 112 पर सूचना दी।

पुलिस चौकी, मंडी की सुरक्षा जांची जाएगी

हल्द्वानी : एसएसपी का कहना है कि मंडी परिषद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था होती है। पीआरडी और होमगार्ड जवानों को इसके लिए रखते हैं। ऐसे में मंडी सचिव से बैठक कर पूछा जाएगा कि मंडी में सुरक्षा के लिए कितने होमगार्ड और जवान तैनात है। मंडी पुलिस चौकी के ड्यूटी चार्ट के ऑडिट के निर्देश दे दिए गए हैं। इसमें कोताही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही यह भी पता लगा कि मंडी में करीब चार से पांच घंटे तक पार्टी हुई और इस दरम्यान किसी ने भी पार्टी करने वालों को न तो रोका और न ही पार्टी करते देखा।

पांच माह पहले सौतेले भाई से अलग हुई लक्ष्मी

हल्द्वानी : लक्ष्मी पढ़ाई के साथ नौकरी भी करती थी, लेकिन पांच साल पहले तक वह गौजाजाली में रहने वाले सौतेले भाई सुरेश पोखरिया के साथ रहती थी। वह हाल ही में बालिग हुई थी। उसने यह कहकर भाई का घर छोड़ा कि उसे कॉलेज जाने में देर हो जाती है। जिसके बाद उसने मुखानी में कमरा किराए पर लिया लेकिन भाई को यह नहीं पता कि वह मुखानी में कहां रहती थी। न ही यह जानता था कि लक्ष्मी लिव इन में है। सुरेश ने बताया कि वह शुभम को नहीं जानता। हालांकि दोनों के सोशल मीडिया में उनके प्यार का इजहार आम था। लक्ष्मी पढ़ाई में भी अच्छी थी। लक्ष्मी के पिता ने दो शादियां की थीं, पहली पत्नी भैरवी देवी और दूसरी गंगा थी। गंगा से तीन संतान और तीनों बेटियां थीं, जिसमें सबसे बड़ी लक्ष्मी थी। पहली पत्नी से पांच संतानें हैं।

नवीन मंड़ी में शवों के पास जांच पड़ताल करते पुलिस के अधिकारी और लाल घेरे में दिखते इसी पत्थर से कुचलकर की गई हत्या। ● अमृत विचार

शुभम ने मुंह पर थूकी शराब, दोस्तों ने उतारा मौत के घाट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

आढ़त की छत पर सजी थी शराब और ड्रग्स की महफिल | हत्यारोपियों में अक्कू ठाकुर और दीपेश पर कई आपराधिक मुकदमे | नशे में एक दोस्त ने लगाया लक्ष्मी को हाथ, फिर किया जानलेवा हमला

अमृत विचार : नहीं पता था कि शुभम टम्टा अपने जिन जिगरी और अपराधी यारों के साथ जाम छलका रहा है, वो ही उसकी और उसकी लिव इन पार्टनर की आखिरी रात का सबब बन जाएंगे। नवीन मंडी परिसर की छत पर हुई पार्टी में पारिवारिक टिप्पणी ने पहले कहासुनी का रूप लिया, लेकिन जब हत्यारों में से एक ने लक्ष्मी को बदनियती से छुआ तो बुधवार की रात खून से लाल हो गई। शुभम ने अपनी लिव इन पार्टनर लक्ष्मी को छूने का विरोध किया और नशे के कॉकटेल में चूर दोस्तों ने पत्थर से कुचल कर दोनों को मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस की मानें तो शुभम नशे का लती था और उसके चारों दोस्त गौरव नेगी उर्फ अक्कू ठाकुर, सौरभ भट्ट उर्फ भटिया, दीपू शर्मा उर्फ ध्रुव और दीपेश लटवाल उर्फ राज भी ऐसे ही थे। कत्ल की शाम करीब 7 बजे शुभम ने टीपीनगर क्षेत्र में दीपेश लटवाल के साथ एक बोतल शराब पी। इसके बाद शुभम ने लक्ष्मी को फोन किया। लक्ष्मी ने भी पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई। दोनों बाइक से लक्ष्मी को उसके कमरे से ले आए। जिसके बाद शुभम ने अक्कू ठाकुर को फोन किया। अक्कू अपने दोस्त सौरभ, और दीपू के साथ पहले से ही मंडी में पार्टी कर रहा था। शुभम भी लक्ष्मी और दीपेश के साथ वहीं पहुंच गया।

इससे पहले सभी ने पार्टी के चिप्स, नमकीन, चिकन, कोल्डड्रिंक के साथ तीन बोतल शराब खरीदी। इतनी शराब खत्म होने के बाद टुकड़ों में फिर एक बोतल शराब आई। हालांकि इतने से भी इनका मन नहीं भरा। बताया जाता है कि इतनी शराब पीने के बाद फिर इंजेक्शन लगाए और चरस पी। सभी ने नशे में चूर गए।

शुभम ने पहले कभी दीपू शर्मा उर्फ ध्रुव के मृत पिता को लेकर टिप्पणी की थी, जो पार्टी के दौरान ताजा हो गई। दोनों में विवाद हुआ तो अक्कू ने दोनों पर थप्पड़ों की बरसात कर दी। इस पर शुभम बिफर गया और उसने मुंह में शराब भर कर अक्कू के मुंह पर कुल्ला कर दिया। 11 मुकदमों वाले गैंगेस्टर अक्कू को यह नागवार गुजरा। लड़ते-झगड़ते सभी छत से नीचे उतर आए। इसी बीच लक्ष्मी लड़खड़ा कर गिर गई। मौका पाकर सौरभ ने बदनीयिती से लक्ष्मी को छूने लगा। इस पर शुभम और उबल पड़ा। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर शुभम के सिर पर 20-25 किग्रा के पत्थर से 10-12 हमले किए। बचाव में लक्ष्मी दौड़ी तो उसके सिर और चेहरे पर तीन से चार हमले किए। तब तक दोनों पर हमले करते रहे, जब तक वह मर नहीं गए। घटना के बाद आरोपी दोनों के मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शुभम और लक्ष्मी की कॉल डिटेल खंगाली तो सभी के नाम सामने आ गए।

एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया के अक्कू के अलावा दीपेश लटवाल पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। अक्कू एक पुलिस वाले को भी जान से मारने की कोशिश कर चुका है। सभी दोस्त पहले भी घटना स्थल पर पार्टी करते रहते थे।

बहुउद्देशीय भवन में डबल मर्डर का खुलासा करते एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी व पुलिस टीम के साथ पकड़े गए चार आरोपी।

नशे का आदी था शुभम, अल्मोड़ा में दर्ज थे दो मुकदमे

हल्द्वानी : पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शुभम पहले नशे का आदी था। अपनी इसी लत के चलते उसने अपनी मां के कान के कुंडल छीन लिए थे। ये मामला अल्मोड़ा पुलिस तक पहुंचा था। एक बार शुभम को पुलिस ने चाकू के साथ गिरफ्तार किया और उस पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। नशे की लत से परेशान हो चुके परिजनों ने उसे हल्द्वानी के कठघरिया स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था, जहां करीब तीन साल तक उसका इलाज चला। इलाज के बाद स्वस्थ बता कर शुभम को उसी नशा मुक्ति केंद्र में काउंसलर के रूप में नौकरी मिल गई थी। मई 2025 में उसने नौकरी छोड़ दी और एक दूसरे नशा मुक्ति केंद्र में कर्मचारी के रूप में काम करने लगा था। हालांकि सच यह था कि शुभम नशे की लत को छोड़ ही नहीं पाया था।

हत्याओं से दहलता रहा है हल्द्वानी

- **गौलापार खेड़ा गांव हत्याकांड (फरवरी 2026) :** 11 वर्षीय मासूम अमित मौर्य की हत्या कर शव को कट्टे में भरकर जमीन में दबा दिया गया। पुलिस ने आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार किया।
- **कॉलटैक्स नहर में शव बरामद (फरवरी 2026) :** काठगोदाम क्षेत्र की नहर में एक बुजुर्ग का शव मिला, जो कई दिनों से घर से लापता थे।
- **पार्षद गोलीकांड (जनवरी 2026) :** मुखानी थाना क्षेत्र में भाजपा पार्षद की लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली से युवक (नितिन) की मौत हो गई।
- **टीपी नगर संदिग्ध मौत (जनवरी 2026) :** ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एक ट्रक चालक का शव उसके केबिन के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया।
- **बच्चीनगर मर्डर मिस्ट्री (दिसंबर 2025) :** मुखानी के बच्चीनगर क्षेत्र में दो भाइयों के शव उनके आवास के पास मिले। पुलिस ने इसे आपसी झगड़े के बाद हत्या का मामला माना।
- **गौला नदी टापू पर शव (अक्टूबर 2025) :** भारी बारिश के बाद गौला नदी के बीच बने टापू पर एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला।
- **योगा ट्रेनर संदिग्ध मौत (सितंबर 2025) :** शहर की एक प्रसिद्ध योग शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन और जांच की मांग उठी थी।
- **लामाचौड़ जंगल में शव (अगस्त 2025) :** भाखड़ा पुल के पास जंगल क्षेत्र में एक अज्ञात महिला का शव मिला, जिसकी हत्या गला घोंटकर की गई थी।
- **दहेज हत्या (लालकुआं-हल्द्वानी) (जुलाई 2025) :** एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटका मिला। मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाया।
- **किराएदार ने की मकान मालिक की हत्या (जून 2025) :** बनभूलपुरा क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद किराएदार ने मकान मालिक पर हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई।
- **रुद्रपुर रोड पर अज्ञात शव (मई 2025) :** हल्द्वानी-रुद्रपुर हाईवे के किनारे एक युवक का शव मिला, जिसके शरीर पर चोट के निशान थे।

मां पूर्व प्रधान, पिता सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त, भाई-बहन भी सरकारी नौकरी में

हल्द्वानी : शुभम चाहता तो बैठ कर खाता, लेकिन वह गलत संगत में पड़ गया। शुभम की मां भागीरथी करीब 10 साल पहले अल्मोड़ा के खोल्टा गांव की प्रधान रह चुकी हैं। बीमारी के चलते 2018-19 में उनकी मौत हो गई। जबकि पिता केएल टम्टा डाक विभाग से सेवानिवृत्त थे। पिछले वर्ष उनकी भी देहांत हो गया। शुभम दो भाई और चार बहन हैं। बड़ा भाई रविंद्र टम्टा, गड़ाई गंगोली बेरीनाग में पॉलीटेक्निक में शिक्षक है। जबकि तीन बहनें भी सरकारी नौकरी में हैं। अल्मोड़ा में प्रॉपर्टी के साथ टम्टा परिवार का हल्द्वानी के ओम विहार डहरिया में भी घर है।

जिस छत पर हुई थी पार्टी वहां मुआयना करते एसएसपी, एसपी और सीओ।

विधायक कैड़ा और हरीश पनेरू ने जताया दुख

धानाचूली : हल्द्वानी गल्ला मंडी में भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा ब्लॉक के तल्ली पोखरी निवासी लक्ष्मी तथा अल्मोड़ा निवासी एक युवक की निर्मम हत्या की घटना पर भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा और पूर्व दर्जा मंत्री हरीश पनेरू ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को हृदयविदारक बताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। विधायक कैड़ा ने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की शीघ्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

हल्द्वानी में एक भी नशा मुक्ति केंद्र का स्थायी पंजीयन नहीं

नरेंद्र देव सिंह, हल्द्वानी

- **अब मानक पूरा करने के बाद होगा नशा मुक्ति केंद्रों का पंजीकरण**
- **डीएम के आदेश के बाद स्वास्थ्य व संबंधित विभाग करेंगे सर्वे**

> डीएम के निर्देश पर समिति बना दी गई। समिति हर नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण करेगी। दस्तावेजों के साथ ही वहां दी जाने वाली सुविधाओं को जांचा जाएगा। इसके बाद ही नशा मुक्ति केंद्र को पंजीकृत किया जाएगा। अभी फिलहाल किसी भी नशा मुक्ति केंद्र का स्थायी पंजीकरण नहीं है। **-डॉ. हरीश चंद्र पंत**, सीएमओ, नैनीताल

अमृत विचार: शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जहां-तहां खुले नशा मुक्ति केंद्रों पर अब नकेल कसे जाने की तैयारी है। बीते बुधवार को आयुक्त दीपक रावत ने हीरानगर स्थित निर्वाण नशा मुक्ति केंद्र में छापा मारा था। कमियां मिलने के बाद अब जाकर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग जागा है। साथ ही यह भी सामने आया है कि किसी भी नशा मुक्ति केंद्र का स्थायी पंजीकरण ही नहीं है।

करीब 10 से 15 साल पहले हल्द्वानी में गिनेचुने नशा मुक्ति केंद्र थे। फिर आबादी बढ़ने के साथ ही नशा करने की लत भी लोगों में बढ़ती गई और नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या भी बढ़ती चली गई। नशा मुक्ति केंद्र के संचालन के लिए मानक होते हैं। यहां पर काउंसलर के अलावा फिजिशियन का होना जरूरी है। किसी का नशा छुड़वाने के लिए विशेषज्ञों का होना जरूरी है। इनशा मुक्ति के नाम पर इनके संचालक जमकर चांदी काट रहे थे। खासतौर से यहां पर भर्ती होने वाले युवाओं की संख्या अच्छी-खासी है। यही नहीं अब तो यह भी सामने आया है कि इन नशा मुक्ति केंद्रों में सामान्य मनोरोगी भी मिले हैं। आयुक्त रावत के छापे के बाद तंत्र की भी नींद टूटी और डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देश पर एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति सीएमओ के अलावा जिला विधिक प्राधिकरण के भी सदस्य शामिल होंगे। यह समिति नशा मुक्ति केंद्रों में जाकर सर्वे करेगी और साथ ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके बाद ही तय किया जाएगा कि कौन सा नशा मुक्ति केंद्र मानकों को पूरा करता है। मानक पूरा करने के बाद ही उसे पंजीकृत किया जाएगा और बाकी सबको बंद किया जाएगा।

एक नशा मुक्ति केंद्र का था दावा, नशा छोड़ चुका शुभम

संवाददाता, हल्द्वानी

- **नशा मुक्ति केंद्र में भी नौकरी कर चुका था मृतक**

अमृत विचार: जिस शुभम टम्टा की लिवइन पार्टनर के साथ हत्या हुई, उसके बारे में बताया जाता है कि नशे का लती था। अपनी इस लत छुड़वाने के लिए वह हल्द्वानी के एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुआ था।

करीब ढाई साल पहले नशा मुक्ति केंद्र ने दावा किया था शुभम खतरनाक नशे की लत से छूट चुका है। यही नहीं उसी नशा मुक्ति केंद्र में उसे नौकरी भी मिल गई। कई दिनों तक शुभम चर्चा में रहा कि खतरनाक नशे की लत को छोड़ एक युवा अब लोगों को नशा छोड़ने की सलाह दे रहा है लेकिन अब पता चला कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था।

नशा मुक्ति केंद्रों ने शुभम से नशा छोड़ने को लेकर संदेश दिलवाया। नशे के लती लोगों के बीच में भेजा लेकिन अब असलियत ही कुछ और सामने आयी है बल्कि यह भी माना जा रहा है कि शुभम और उसकी महिला साथी की मौत में नशे की भी बड़ी भूमिका है। ऐसे में शहर में मौजूद नशा मुक्ति केंद्रों पर सवाल उठता है कि वह किस तरह से अपने फायदे के लिए झूठे प्रचार भी करते हैं जबकि असलियत कुछ और ही है।

बुधपार्क में ट्रेड यूनियनों एवं विभिन्न संगठनों का संयुक्त कार्यक्रम। ● अमृत विचार

संगठनों ने राष्ट्रीय हड़ताल के समर्थन में की बैठक

हल्द्वानी, अमृत विचार : विभिन्न ट्रेड यूनियनों और संगठनों की ओर से गुरुवार को बुद्धपार्क में राष्ट्रीय हड़ताल के समर्थन को संयुक्त प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सैकड़ों आशा वर्कर्स, भोजनमाता, मजदूरों और किसानों ने भागीदारी की। प्रदर्शनकारियों ने श्रम कानूनों, निजीकरण, मनरेगा, पुरानी पेंशन योजना, खाली पदों पर भर्ती और महिला कामगारों को सम्मानजनक वेतन व स्थायी रोजगार जैसे मुद्दों को उठाया। वक्ताओं ने कहा कि विभिन्न संगठनों के वक्ताओं ने मजदूरों, किसानों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर विचार रखे। उन्होंने श्रमिक अधिकारों, सामाजिक, रोजगार के अवसर बढ़ाने और सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आशा वर्कर्स और भोजनमाताओं से जुड़े प्रतिनिधियों ने मानदेय बढ़ाने और कार्य परिस्थितियों में सुधार की मांग की। कार्यक्रम में ऐक्टू, आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन, प्रगतिशील भोजनमाता संगठन, बैंक यूनियन, बीमा कर्मचारी संघ, किसान महासभा, भाकपा (माले) सहित कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभा की अध्यक्षता जोगेंद्र लाल ने की व संचालन डॉ. कैलाश पांडे ने किया।

एम्स के विशेषज्ञों ने दिए जरूरी टिप्स

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज के स्किल सेंटर में एम्स नई दिल्ली की राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन रक्षक ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम में आपात चिकित्सा सेवाओं का प्रशिक्षण दिया। पीएनएटीसी, एम्स नई दिल्ली के डॉ. बीएल मनीष कुमार, नर्सिंग ऑफिसर संगीता अफारिया व गीता सिन्हा और क्लीनिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफिसर जगदीश चंद्र ने प्रशिक्षण दिया। इसमें विशेष परिस्थितियों में आपात प्रबंधन एवं ट्रॉमा उपचार की जानकारी दी। प्रतिभागियों को काटने व डंक मारने की घटनाएं, जलने की स्थिति, करंट लगना, हाइपोथर्मिया, हीट स्ट्रोक, ट्रॉमा में एबीसी एप्रोच, वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सुरक्षित निकालने की तकनीक, सी-स्पाइन नियंत्रण, रक्तस्राव नियंत्रण का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। इस दौरान एमएस डॉ. अरुण जोशी, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. ऋतु रखोलिया, डॉ. परमजीत सिंह, डॉ. दीपा देउपा रहे।

बिड़ला के विद्यार्थियों का स्वर्णिम प्रदर्शन

- **नैनीताल का प्रतिनिधित्व कर आरव, हर्षिता और चेतिका ने झटके गोल्ड**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजधानी देहरादून में आयोजित उत्तराखंड राज्य खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री ताइक्वांडो चैंपियनशिप में आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग ने जनपद नैनीताल का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालय के सभी तीनों खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय एवं जनपद का गौरव बढ़ाया।

स्वर्ण पदक विजेताओं में आरव साहू (कक्षा 9) ने अंडर-14 आयु वर्ग के 49 किलोग्राम भार वर्ग में, हर्षिता बुर्याठी (कक्षा 12) ने अंडर-19 आयु वर्ग के 52 किलोग्राम भार वर्ग में और चेतिका जोशी (कक्षा 12) ने अंडर-19 आयु वर्ग के 46 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। चेतिका जोशी को मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना 2025 के अंतर्गत छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में ताइक्वांडो कोच एवं मार्गदर्शक कमलेश तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा, उप-प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार, इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजर सुरेश कुमार बाजपेई तथा प्रधानाध्यापिका वंदना टम्टा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य मेहरा ने इसे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि ताइक्वांडो के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विजेता हर्षिता, आरव व चेतिका के साथ प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा एवं कोच कमलेश तिवारी।

मेन बाजार में सड़कों की दुर्दशा, लोगों में आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुख्य बाजार क्षेत्र में खोदी गई सीवर लाइन से आम जनमानस व बाजार के व्यापारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों का कारोबार काफी प्रभावित हुआ है। व्यापरियों ने इसको लेकर आक्रोश जताया है।

देवभूमि व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बगड़वाल ने कहा कि शादी-विवाह के समय लोगों को भी बाजार आने में परेशानी हो रही है। जगह-जगह गड्ढे होने की वजह से लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष दलजीत सिंह दल्ली ने कहा कि रात्रि के समय और ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। साथ ही धूल-मिट्टी की वजह से दुकान का सारा सामान खराब हो रहा है। मुख्य बाजार की सड़क को जल्द से जल्द बनायी जानी चाहिए। अन्य व्यापारियों ने जल निगम से मांग की है कि सभी काम समय पर किए जाएं और साथ ही निर्माण दिन के बजाए रात में किया जाए। ऐसा करने से न तो व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होग और न ही ग्राहकों को परेशनी होगी। विरोध जताने वालों में महामंत्री राजीव जायसवाल, रजत महेश्वरी, अनुज देवल, प्रेम चौधरी, अशोक बेलवाल, मोईन बाबा, मोहित अग्रवाल, मनीष वर्मा, जसपाल मालदार, जगमीत मीती, रवीन्द्र बाली, टीसी गुप्ता, पवन बिष्ट, लक्ष्मी नारायण आदि थे।

बच्चों ने किया राजनीतिक दलों का नेतृत्व, सीखी नेतृत्व कला

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सिंथिया स्कूल में दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) कार्यक्रम हुआ। कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए 55 देशों और भारत की 25 विभिन्न राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व किया। प्रतिभागियों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद, सुरक्षा परिषद, महासभा एवं अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी सम्मेलन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार प्रस्तुत किए।

छात्रों ने नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच और वक्तृत्व कौशल का परिचय दिया। मानवाधिकार परिषद में भाविक जोशी को सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि, आयुष भट्ट को हाई कमेंडेशन तथा राधा कृष्ण जोशी को बेस्ट स्पीकर का पुरस्कार मिला।

सुरक्षा परिषद, महासभा और राजनीतिक पार्टी सम्मेलन में भी लक्षिता बनकोटी, मधु बिष्ट, मानसी जोशी सहित कई विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. प्रविद्र रौतेला ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। इस दौरान सुरेश चन्द्र मिश्रा, अकेडमिक कोर्डिनेटर बीबी जोशी, महेश जोशी, केसी पंत, प्रदीप मित्रा, ऋचा कर्नाटक, पुष्कर सिंह राजपूत, सुनीता तिवारी, रुचिता पांडे थे।

सिंथिया स्कूल में मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम में प्रमाण पत्रों के साथ बैठे बच्चे।

कांवड़ यात्रा को लेकर भारी वाहनों की नो एंट्री

जिले भर में पुलिस ने जारी किया डायवर्जन प्लान, अति आवश्यकता वाले वाहनों को मिलेगी प्रवेश की अनुमति

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः शारदीय कांवड़ यात्रा को लेकर जनपद पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। जिसके चलते जहां भारी वाहनों की नो एंट्री की है, वहीं अति आवश्यकता वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी गई है।

एसएसपी के आदेश पर जारी प्लान में कांवड़ यात्रियों के लिए हाईवे को एकतरफा करने का निर्णय लिया है। बताया कि 12 फरवरी से 15 फरवरी तक डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। जिसके तहत कोतवाली जसपुर से धर्मपुर,नादेही सीमा से आगे, कोतवाली कुंडा से सूर्या बॉर्डर, प्रतापपुर चौकी से आगे, कोतवाली आईटीआई से लोहिया पुल पैगा से आगे, बाजपुर से स्वार बॉर्डर दोराहा, बरहैनी से आगे, कोतवाली गदरपुर से महतोष मोड़, मोतीपुर से आगे, थाना दिनेशपुर से जाफरपुर से आगे, कोतवाली रुद्रपुर से बगवाड़ा मंडी,कीरतपुर मोड, रामपुर बार्डर से आगे,थाना पंतनगर से नगला तिराहा हल्द्वानी मोड़ से आगे, कोतवाली किच्छा से दरऊ चौक, लालपुर से आगे,थाना पुलभट्टा से पुलभट्टा से आगे, कोतवाली सितारगंज से एसएच हॉस्पिटल से आगे भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा। इसके अलावा रामपुर से आने वाले सभी भारी वाहन हल्द्वानी सिडकुल की ओर से जाएंगे। नो एंट्री का वक्त रात्रि ग्यारह बजे से सुबह सात बजे तक होगा।

हाईवे पर कांवड़ यात्रा रूट को लेकर की गई बैरिकेडिंग। ● अमृत विचार

काशीपुर सेक्टर का प्लान

रुद्रपुर : धामपुर बिजनौर से नादेही व धर्मपुर बॉर्डर, ठाकुरद्वारा से सूर्या चौकी, मुरादाबाद टांडा से पैगा चौकी, दड़ियाल से लोहियापुर, रामनगर से चौकी प्रतापपुर, हल्द्वानी से बाजपुर होते हुए चौकी बरहैनी, मोतियापुरा से गदरपुर व मोतीपुरा मसीत, नवाबगंज से गदरपुर व महतोष मोड़, बिजनौर से सामंजस्य के बाद एनएच समन्वय करने के उपरान्त एनएच से आगे भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

जसपुर में भंडारे में भोजन ग्रहण करते कांवड़िए। ● अमृत विचार

जसपुर में 14 प्वॉइंट पर अलर्ट हुई पुलिस

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः हरिद्वार से पवित्र गंगा जल के साथ कांवड़ लेकर आने वाले शिव भक्तों का जसपुर आने का सिलसिला शुरू हो गया है। पुलिस भी उनकी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है। पुलिस ने नादेही चौकी बॉर्डर से लेकर काशीपुर सीमा तक 14 प्वॉइंट पर पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। साथ ही अफसरों ने भी इलाके का निरीक्षण कर निर्देश दिए हैं। भारी वाहनों के लिए पुलिस ने रूट डायवर्जन कर दिया है।

कांवड़ियों के आगमन को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से तैयार है। एएसपी, सीओ, कोतवाल ने भूतपुरी रोड, अफजलगढ़ रोड, बाइपास के इलाकों को देखा। एसएसआई जावेद मलिक ने बताया कि कावड़ियों के आगमन को देखते हुए 14 प्वॉइंटों पर फोर्स लगाई जायेगी। इस दौरान बाजार में भारी वाहन पर रोक लगाई गई है। साथ ही इन मार्गों की मीट दुकानों को बंद कराया गया है।

कांवड़ लाने वालों की सेवा में जुटे भक्त

जसपुर : एसएसआई जावेद मलिक ने बताया कि कावड़ यात्रा को देखते हुए नगर के सभी प्रवेश मार्गों पर भारी वाहनों को पूर्णतः बंद किया गया है। रोडवेज बस, कार, रिक्शा आदि वाहन के लिए रूट तय कर जेनेसिस तिराहा, सूत मिल रोड, पृथ्वीराज चौक, बाजार चौकी, लकड़ी मंडी, पतरामपुर फ्लाईओवर, हाईवे टोल टैक्स से होकर निकलेंगे। अति आवश्यक वाहनों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

वहीं हरिद्वार से कांवड़ लाने वालों की सेवा में शिव भक्त जुटे हैं। श्री साईं शिक्षण संस्थान के चेयरमैन राजकुमार सिंह ने रायपुर के पास भंडारा लगाया हुआ है। भाजपा नेता खड़क सिंह कासमपुर मोड़ के पास कांवड़ियों की सेवा में लगे दिखाए दिए। रेडक्रॉस सोसायटी ने अपना चिकित्सा कैंप शुरू कर दिया है। नादेही चीनी मिल कर्मियों द्वारा भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

काशीपुर में कांवड़िए को दवा देते रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य। ● अमृत विचार

कांवड़ियों का उपचार कर रही रेडक्रॉस सोसाइटी

काशीपुर : भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी काशीपुर शाखा इकाई के तत्वावधान में ढेला नदी पार बैलजूड़ी चौराहे पर कांवड़ियों के उपचार के लिए लगाए गए स्वास्थ्य सेवा और मैत्री भाव से निःशुल्क रेडक्रॉस चिकित्सा शिविर में दूसरे दिन दो सौ से अधिक कांवड़ियों समेत सेवादारों ने तैनात चिकित्सकों द्वारा उपचार कराकर स्वास्थ्य लाभ उठाया। वहीं उपचार कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि शिविर में ज्यादातर मरीज पेट दर्द, सर्दी जुकाम, बुखार तथा लूज मोशन के आ रहे हैं। इस दौरान डॉ. नीता पंत, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. अकील हुसैन, सचिव अरुण पंत, कौशलेश गुप्ता, मो. आरिफ, अनीता पंत समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाजपुर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों से वार्ता करते कोतवाल नरेश चौहान।

बम-बम भोले के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

बाजपुर : महाशिवरात्रि पर्व के नजदीक आते ही शिवभक्तों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। गुरुवार को बाजपुर कोतवाल नरेश चौहान ने नेशनल हाईवे-74 स्थित ग्राम महेशपुरा में कांवड़ मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर गलत दिशा में लगे भंडारों और पंडालों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराया गया। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को देखते हुए एनएच-74 को 'वन-वे' कर दिया है। कोतवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पंडाल केवल निर्धारित स्थलों पर ही लगाए जाएं और यातायात में बाधा न डालें।

सिटी ब्रीफ

कंपनी प्लांट हेड से 50 हजार की रंगदारी मांगी

रुद्रपुर : लालपुर स्थित एक निजी कंपनी के प्लांट हेड पर जानलेवा हमला करने और प्रति माह 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी पूर्व कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिमला पिस्तौर निवासी सुभाष सिंह, जो 'निशांत प्रिंट पैक सॉल्यूशन' में प्लांट हेड हैं, ने बताया कि 31 जनवरी 2026 को जब वह अपनी कार से जा रहे थे, तब सैजनी निवासी अंकित सिंह ठाकुर उर्फ विवेक ने अपने साथियों के साथ उन्हें घेर लिया। बिना नंबर की बाइकों पर आए इन बदमाशों के पास तमंचे और लोहे की रॉड थी। आरोप है कि अंकित, जिसे चार साल पहले उसकी आपराधिक गतिविधियों के कारण नौकरी से निकाला गया था, रंजिश के चलते प्लांट हेड को धमका रहा है। उसने कंपनी चलने देने के बदले 50 हजार रुपये मासिक रंगदारी की मांग की और इनकार करने पर कार में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन का मुआयना किया।

लोन वाला मकान बेचकर 11 लाख की धोखाधड़ी

दिनेशपुर : कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मकान और प्लॉट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वार्ड नंबर-दो निवासी रजविंदर कौर ने श्रीरामपुर निवासी उत्तम कुमार राय से 11 लाख रुपये में एक मकान खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री 2023 में हुई। भुगतान के बाद पता चला कि संपत्ति पर 11 लाख रुपये का बैंक लोन बकाया है, जिसे विक्रेता ने छिपाया था।

योजनाओं का लाभ सीधे पात्रों को मिले

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य निरुपम चकमा ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जनजाति समाज की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सदस्य निरुपम चकमा ने पीएम जनमन, स्वनिधि, धरती आभा और पीएम आवास जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति जांची। उन्होंने जनजाति क्षेत्रों में भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की और जिलाधिकारी को तत्काल ''जिला स्तरीय रिव्यू कमेटी'' गठित कर इसकी जांच करने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने बैंक ऋण देने में हो रही आनाकानी और योजनाओं में धांधली की शिकायतों पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिए कि जनजाति इलाकों में वित्तीय जागरूकता शिविर लगाए जाएं। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा और चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर सीडीओ दिवेश शाशनी, आयोग के उप सचिव कुशल देव वर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अधीनस्थों के साथ बैठक करतीं एससी एसटी आयोग की सदस्य निरुपम चकमा। ● अमृत विचार

घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

रुद्रपुरः पुलिस को चुनौती देते हुए चोरों ने कोतवाली इलाके में ताला तोड़कर लाखों कीमत के आभूषण और नगदी चोरी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू कर दिया।

प्रीत विहार फाजलपुर महरौला निवासी शैलेश कुमार तिवारी ने बताया कि 25 जनवरी की दोपहर डेढ़ बजे पारिवारिक सदस्य बाहर गए थे, जबकि वह शाम पांच बजे घर का ताला लगाकर परिचित के घर चला गया। देर शाम को लौटा, तो घर का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। पड़ताल की, तो पाया कि चोरों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर 69 हजार की नगदी,चांदी की पायल, सोने का मंगलसूत्र चोरी हो चुका था।

खाद्य विभाग ने फैक्ट्रियों से भरे नमूने

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः होली के त्योहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ जिले भर में मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को खाद्य सुरक्षा उपायुक्त (कुमाऊं मंडल) डॉ. राजेंद्र सिंह कठायत के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने किच्छा, शक्तिफार्म और सितारगंज क्षेत्र की विभिन्न इकाइयों पर छापेमारी की।

छापेमारी की शुरुआत किच्छा के सिरौली कला खुर्द स्थित एक मिल्क चिलिंग सेंटर से हुई, जहां गंदगी और मानकों की अनदेखी पाए जाने पर टीम ने दूध के दो नमूने लिए और संचालक के खिलाफ वाद दायर करने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद टीम शक्तिफार्म स्थित एक ऑयल एवं फ्लोर मिल पहुंची, जहां सरसों के तेल और आटे के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

सितारगंज में श्याम एजेंसीज (शीतल पेयजल वितरक) के निरीक्षण के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ। फर्म के पास फूड लाइसेंस ही नहीं था। उपायुक्त ने इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए कोल्ड ड्रिंक के नमूने सील किए और सक्षम न्यायालय में वाद दायर करने के आदेश दिए। डॉ. कठायत ने सख्त हिदायत दी है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे और मिलावट पाए जाने पर कठोर विधिक कार्रवाई होगी।

छापामार कार्रवाई करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

चार घरों में पकड़ी बिजली चोरी

सितारगंज : ऊर्जा निगम और सतर्कता दल की संयुक्त टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए चार घरों में अवैध कनेक्शन पकड़े हैं। विभाग की ओर से सभी आरोपी उपभोक्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बुधवार को चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान टीम ने कोटाफार्म निवासी गोपाल राम आर्या व सतनाम सिंह, बमनपुरी निवासी निर्मला देवी और सिसौना निवासी भूपेंद्र सिंह को सीधे लाइन से बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा। टीम ने मौके पर अवैध रूप से इस्तेमाल की जा रही केबल को जब्त कर सील कर दिया है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरा पुत्र मो. आजम खान एवं उसकी पत्नी जुनैरा का व्यवहार हमारे परिवार के प्रति काफी क्रूर एवं हिंसक है। कई बार समझाने के उपरान्त भी इनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। जिससे आहत होकर मैंने अपने पुत्र मो. आजम खान एवं उसकी पत्नी जुनैरा को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए उनके साथ सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। मेरी सम्पत्ति में मेरे पुत्र एवं उसकी पत्नी का अब किसी तरह का हक-हिस्सा नहीं होगा। भविष्य में अपने द्वारा किये गये कृत्यों एवं लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। इनसे मेरा एवं मेरे परिवार का किसी भी तरह से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **श्रीमती परवीन बेगम पत्नी मो. अजमल खान, निवासी वार्ड नं.-2, साकेत कालोनी, डाक बंगला, भीमताल (नैनीताल)।**

कार सवार युवक ने किया किशोरी का अपहरण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आदर्श कॉलोनी से एक 17 वर्षीय किशोरी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिजनों ने एक युवक पर बेटी को जबरन कार में बैठाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

आदर्श कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी 8 फरवरी की दोपहर से लापता है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि यश घई नामक युवक किशोरी को जबरन अपनी कार में बैठाकर ले गया है। पीड़ित पिता ने आशंका जताई है कि अपहरणकर्ता उनकी बेटी के साथ कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। उन्होंने पुलिस से बेटी की जल्द बरामदगी की गुहार लगाई है।

दूसरी ओर, कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर एक टीम को रवाना कर दिया गया है। हालांकि, पुलिस की प्रारंभिक पड़ताल में मामला कुछ अलग प्रतीत हो रहा है, लेकिन सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि किशोरी को जल्द बरामद कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थैलीसीमिया, एनीमिया और हीमोफीलिया की दी जानकारी

खटीमा : एचबी पैथी कार्यक्रम के अंतर्गत राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में नवीं और 10वीं के सभी बच्चों को थैलीसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और हीमोफीलिया के बारे में बताया गया और नवीं के सभी बच्चों की थैलीसीमिया की जांच की गई। बच्चों को एक आनुवंशिक बीमारियों के कारण और समाधान से संबंधित पुस्तक का वितरण टीम द्वारा किया गया। कमलेश मिश्रा ने बताया थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है जिसमें शरीर में सामान्य से कम ऑक्सीजन ले जाने वाले हीमोग्लोबिन और कम लाल रक्त कोशिकाएं होती हैं। रत्नाकर पांडे ने सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक विकार है जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं हंसिया के आकार में परिवर्तित हो जाती हैं।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1935/8-2(2025-2026) **नीलामी सूचना** दिनांक : 12/02/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, अल्मोड़ा द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 2026 को निष्प्रोज्य योग्य सामग्री की नीलामी अपराह्न 01:00 बजे नगर निगम, कार्यालय में प्रारम्भ की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता रू० 25,000-00 (पच्चीस हजार रूपये) की एफ०डी०आर, नगर आयुक्त, नगर निगम, अल्मोड़ा के नाम बंधक कर बतौर धरोहर धनराशि निगम कार्यालय के भण्डार अनुभाग में जमा किये जाने के उपरान्त पंजीकरण करा सकते है। पंजीकरण शुल्क रू० 1000-00 एवं नियमानुसार जी०एस०टी० निगम कार्यालय में जमा किया जाना होगा, पंजीकरण शुल्क की धनराशि किसी भी दशा में वापस नहीं की जायेगी। नीलामी की शर्तें एवं नीलामी से सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्यदिवस पर निगम कार्यालय के भण्डार अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

(सीमा विश्वकर्मा)
नगर आयुक्त, नगर निगम,
अल्मोड़ा

चुनावों में महिलाओं की भूमिका अहम

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं देहरादून जिला पंचायत की पहली महिला अध्यक्ष रुचि भट्ट ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में महिला कार्यकर्ता की अहम भूमिका रहेगी,क्योंकि मातृशक्ति की भूमिका अहम होती है।

गुरुवार को रुद्रपुर आगमन पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान भट्ट ने कहा कि भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और विशेष कर महिलाएं भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर भाजपा के साथ जुड़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए कई लाभकारी योजनाएं चलाई गई हैं, जिसका लाभ महिलाओं को मिल रहा है। प्रदेश सहसंयोजक चुघ ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है। जिसमें महिलाओं को विशेष सम्मान दिया जाता है और उनकी और योग्यता के आधार पर उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री रश्मि रस्तोगी,कुमाऊं संयोजिका अंजू भुडडी, जिलाध्यक्ष नीता सक्सेना,जिला मंत्री प्रमोद मित्तल, दीपिका मित्तल, माही सकलानी, सौरव सैनी, राजेश कामरा, प्रीति धीर आदि मौजूद रहे।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

स्पा सेंटर में युवक को बंधक बनाकर लूटा

संवाददाता, रुद्रपुर

- ब्लैकमेलिंग का आरोप, युवक ने एसएसपी से की शिकायत

अमृत विचारः मेट्रोपोलिस मॉल स्थित एक स्पा सेंटर में युवक को बंधक बनाकर मोबाइल लूटने और मोटी रकम के लिए ब्लैकमेल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गदरपुर निवासी जसवंत सिंह ने एसएसपी को बताया कि 30 जनवरी को वह मेट्रोपोलिस मॉल की दूसरी मंजिल पर स्थित एक स्पा सेंटर गया था। आरोप है कि मसाज के बाद जब उसने भुगतान कर दिया और जाने लगा, तभी वहां मौजूद युवतियों ने उसे रोक लिया। युवतियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और अधिक पैसों की मांग करने लगीं। विरोध करने पर उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार, इसी बीच रुद्रपुर निवासी स्पा संचालक भी वहां पहुंच गया। उसने जसवंत को कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ हाथापाई की और डराया कि यदि पैसे नहीं दिए तो उसे जेल भिजवा देगा। पीड़ित किसी तरह वहां से जान बचाकर भागा, लेकिन उसका मोबाइल अब भी संचालक के पास है।

खोला मोर्चा | विधायक अरविंद पांडेय ने डीएम से मिलकर लगाए आरोप

भ्रष्ट अफसरों की वजह से बदनाम हो रही धामी सरकार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः गदरपुर के सत्ताधारी विधायक और पूर्व मंत्री अरविंद पांडेय ने अफसरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को जिलाधिकारी नितिन भदौरिया से मुलाकात कर उन्होंने जमीनों की रजिस्ट्री खोलने के नाम पर हो रही ''कमीशनखोरी'' का मुद्दा उठाते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

विधायक पांडेय ने कहा कि जिले में पिछले कई महीनों से रजिस्ट्रियों पर रोक लगी हुई है, जिसकी आड़ में भ्रष्टाचार फल-फूल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कोई भूखंड स्वामी या बिल्डर अधिकारियों से मिलता है, तो साढ़े तीन लाख से नौ लाख रुपये प्रति एकड़ की कमीशन लेकर रजिस्ट्री की अनुमति दी जा रही है। विधायक ने दो टूक कहा कि "भ्रष्ट अधिकारियों की करतूतों के कारण ईमानदार धामी सरकार बदनाम हो रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही तहसील स्तर पर रजिस्ट्री खोलने के लिए शिविर नहीं लगाए गए, तो वह जनता के लिए संघर्ष करेंगे और भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब करेंगे।

डीएम से मिलकर लौटते विधायक अरविंद पांडेय। ● अमृत विचार

अधिकारियों का है खुद का कानून

रुद्रपुर : विधायक पांडेय ने हैरानी जताते हुए बताया कि तानाशाह अफसरशाही का आलम यह है कि प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत करना, रेरा के अलावा भूमि अध्यादेश कानून लागू है और कोई भी कानून या नियम हर जिले में लागू होते हैं, लेकिन ऊधमसिंह नगर के कायदे कानून सबसे अलग हैं। जहां प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने गदरपुर,रुद्रपुर,किच्छा सहित कई तहसील स्तर पर रोक लगा रखी है, लेकिन काशीपुर में रजिस्ट्री पूर्णतया खोल दी है। पता यह भी चला है कि बिल्डर ने अधिकारियों को मुंह मांगी रकम दे दी है। इससे साफ है कि अधिकारियों ने अपना खुद का कायदा कानून बना रखा है।

हर टेस्ट के लिए हूं तैयारः पांडेय

रुद्रपुर : पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विधायक पांडेय ने कहा कि वह जनता के नौकर हैं। विपक्षी नेताओं ने उन्हें व उनके परिवार को भूमाफिया घोषित कर दिया है। जांच भी जारी है। वह हर जांच में सहयोग करने को तैयार हैं। इसके अलावा वह व उनका परिवार नार्को टेस्ट के लिए तैयार है। आरोप लगाना आसान है। साबित करना कठिन होता है।

रुद्रपुर में विरोध जुलूस निकालते श्रमिक संगठन। ● अमृत विचार

काशीपुर में बैंक के बाहर प्रदर्शन करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

श्रमिक मोर्चा ने मांगों के समर्थन में निकाला जुलूस

चार श्रमिक कोड रद्द करने का उठाया मुद्दा, श्रमिकों से हड़ताल पर जाने का किया आह्वान, कई श्रमिक संगठनों ने लिया हिस्सा

आक्रोश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : चार श्रम संहिताओं को लागू करने के खिलाफ श्रमिक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर विरोध जुलूस निकाला गया। जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ गांधी पार्क पर आकर समाप्त हुआ। श्रमिक नेताओं ने आह्वान किया कि सरकार का यह निर्णय श्रमिकों को गुलामी की ओर अग्रसर करता है। जिसका श्रमिक हड़ताल कर विरोध करें। तभी सरकार संहिता को रद्द कर सकती है। विरोध जुलूस में कई श्रमिक संगठनों ने भी हिस्सा लिया।

वक्ताओं ने कहा कि चार श्रम संहिता मजदूर वर्ग को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने वाला कानून है। जिसके बाद मजदूरों को कब वेतनमान पर ज्यादा घंटे काम करना पडे़गा। इसके अलावा उद्योगों में स्थाई होने के नियम को समाप्त करके फिक्स्ड टर्म एम्लॉयमेंट का नियम लागू कर दिया है। लोकतांत्रिक देश में मजदूर संघर्ष नहीं कर सकता है। केंद्र सरकार ने ट्रेड यूनियनों को नियंत्रित करने और श्रमिकों को कमजोर करते हुए चार श्रम संहिता लागू की है। जिसके बाद नोटिफाइड लेबर कोड, ड्राफ्ट नियम, सामूहिक सौदेबाजी को खत्म करने, हड़ताल का अधिकार छीनने, लगभग 70 प्रतिशत फैक्ट्रियों को लेबर कानून के दायरे, रेगुलेशन और मालिकों की जिम्मेदारियों से बाहर करने, मजदूरों को मालिकों की दया पर छोड़ने, ज्यादातर मजदूरों को ऑक्यूपेशनल सेफ्टी और सोशल सिक्योरिटी की सुरक्षा से बाहर कर दिया है।

उन्होंने श्रमिक संगठनों से फैक्ट्रियों में हड़ताल कर हक हकूक की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। इस मौके पर मोर्चा के महासचिव मुकुल कुमार, कैलाश भट्ट, ललित मटियाली, बल्ली सिंह चीमा, अवतार सिंह, सुरेन्द्र कुमार, शिवदेव सिंह, रविन्द्र कौर, जगतार सिंह बाजवा, गंगाधर नौटियाल, अनिता अन्ना, जगदेव सिंह, रीता कश्यप, ममता पानू आदि मौजूद रहे।

बाजपुर चीनी मिल गेट पर नारेबाजी करते श्रमिक व किसान प्रतिनिधि।

श्रम संहिताओं के विरोध में गरजे चीनी मिल मजदूर

बाजपुर : केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चार नई श्रम संहिताओं के विरोध में गुरुवार को बाजपुर चीनी मिल के मुख्य द्वार पर श्रमिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। 'चीनी मिल मजदूर सभा' (एआईटीयूसी) के बैनर तले आयोजित इस गेट मीटिंग में मजदूरों ने सरकार की नीतियों को "मजदूर विरोधी" करार देते हुए जमकर नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए किसान प्रतिनिधि जगतार सिंह बाजवा, श्याम कार्तिक और विजय शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि इन कानूनों को वापस नहीं लिया गया, तो मजदूर वर्ग निर्णायक आंदोलन के लिए बाध्य होगा। प्रदर्शन के बाद श्रमिक संगठनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बाजपुर को सौंपा। इस दौरान डॉ. सौरभ परमार, विकास शर्मा और बसवानंद सहित बड़ी संख्या में मिल श्रमिक मौजूद रहे। मजदूरों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखेंगे। श्रमिकों ने आक्रोश व्यक्त किया।

बैंक, सिडकुल और आशा कार्यकर्ताओं ने ठप किया कामकाज

सितारगंज : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के आह्वान पर गुरुवार को सितारगंज क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिला। 'ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉईज़ एसोसिएशन' और 'एक्टू' से संबद्ध संगठनों के समर्थन के चलते बैंकिंग से लेकर स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं तक कामकाज प्रभावित रहा। बैंकिंग क्षेत्र में कर्मचारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि वर्षों के संघर्ष से प्राप्त सेवा शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है और बैंकों में स्टाफ की भारी कमी के बावजूद नई भर्ती पर रोक लगी है। इसके अलावा, नई श्रम संहिताओं के माध्यम से श्रमिक अधिकारों के हनन का भी विरोध किया गया। सिडकुल सितारगंज की विभिन्न इकाइयों में एक्टू से जुड़े कर्मचारियों ने हड़ताल का समर्थन किया, हालांकि इस दौरान उत्पादन प्रक्रिया जारी रही। स्वास्थ्य क्षेत्र में ब्लॉक की सभी 192 आशा कार्यकर्ताओं ने मंजू देवी के नेतृत्व में काम ठप रखा और अपनी मांगों को लेकर जिला मुख्यालय कूच किया। उधर, भोजन माता संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष संध्या सरकार के नेतृत्व में भोजन माताओं ने भी एक दिवसीय हड़ताल कर स्वयं को राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग उठाई। हड़ताल के चलते कई सरकारी विभागों और संस्थानों में आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

काशीपुर में बैंक कर्मी दिनभर हड़ताल पर रहे

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: देशभर में आयोजित राष्ट्रव्यापी श्रमिक हड़ताल के मद्देनजर ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन के आह्वान पर देशभर के राष्ट्रीयकृत बैंकों में यूनियन से जुड़े हुए लाखों बैंक कर्मी हड़ताल पर रहे। हड़ताल का असर काशीपुर की सभी बैंक शाखाओं में दिखाई पड़ा।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सभी बैंक कर्मचारी रामनगर रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा पर एकत्रित हुए और यहां पर उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया। श्रम कानून में बदलाव का विरोध करते हुए सरकार से इन कानून को और बदलाव को खत्म करने की मांग की। श्रम कानून में बदलाव के विरोध में देश के लाखों बैंक कर्मी और मजदूर संगठन सांकेतिक रूप से हड़ताल कर रहे है। सभा में बोलते हुए पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ एसोसिएशन के ललित तिवारी ने सरकार को चेताया कि वह श्रमिक विरोधी नीतियों से बाज आए अन्यथा बैंक कर्मियों को बड़े आंदोलन की राह पकड़नी पड़ेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा स्टाफ एसोसिएशन उत्तराखंड के प्रांतीय अध्यक्ष सत्यपाल शर्मा ने कहा कि बैंकों में नई भर्तियां लागू की जाए, देश भर की बैंक शाखाओं में कर्मचारियों के साथ-साथ चतुर्थ श्रेणी स्वच्छता कर्मचारियों का भारी अभाव है। प्रदर्शन में ललित तिवारी, रोबिन सिंह, नितिन गोला, नरेश कुमार, आकाश सक्सेना, सचिन कुमार, राहुल यादव, गिरीश पोखरियाल, अभिषेक कार्की, विनोद कुमार, सुंदर सिंह कार्की आदि मौजूद रहे।

जीवन बीमा निगम में भी रही हड़ताल

काशीपुर : बीमा कर्मचारी संघ हल्द्वानी डिवीजन के आह्वान पर काशीपुर में भारतीय जीवन बीमा निगम में एक दिवसीय हड़ताल रही। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने 27 श्रमिक कानूनों को खत्म करके केवल 4 श्रमिक कानून बनाने की मांग की। काशीपुर शाखा अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि यह कानून पब्लिक सेक्टर इंश्योरेंस इंडस्ट्री को कमजोर करने की सोची समझी साजिश चल रही है। पब्लिक सेक्टर को उद्योगपतियों को बेचने की साजिश चल रही है। सरकार ने 4 क्रूर श्रमिक कोड लाकर यूनियन बनाने, आंदोलन व हड़ताल करने की प्रक्रिया को जटिल कर दिया है। इनमें भारी बंदिशे लगा दी गई है, ताकि मजदूर संगठित न हो सके और ना ही हड़ताल कर सके। इस मौके पर राजीव कुमार, राजपाल सिंह, शाहिद अली अंसारी, संदीप घिल्डियाल, मोहम्मद शादाब, नंदन सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

खटीमा में अपनी मांगों को लेकर जुलूस निकालतीं भोजन माताएं।

ज्ञापन सौंपकर भूख हड़ताल की चेतावनी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को भोजन माता कामगार यूनियन खटीमा इकाई के बैनर तले संगठन की जिला अध्यक्ष रेखा राणा के नेतृत्व में भोजन माताओं ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़कों पर जुलूस निकाला। उन्होंने तहसील परिसर पहुंचकर अपनी 11 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया। जिसमें भोजन माताओं को राज्य कर्मचारी घोषित करने, मानदेय 26 हजार प्रतिमाह न्यूनतम करने, भविष्य निधि एवं ईएसआईसी की सुविधा देने, भोजन माताओं को पद से हटाने वाले आदेश को तत्काल रद्द करने, निकाली गई भोजन माताओं को वापस कार्य पर रखने जैसी मांगे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मांगे पूरी न होने पर वह भूख हड़ताल को बाध्य होंगी। इस मौके पर प्रवीन देवी, मिन्ती देवी, बीना, शांति, पानमती, प्रभावती, ज्ञान्ती, सुधा, शिखा राय, शक्ति फार्म ब्लॉक अध्यक्ष संध्या, मंजीता हलदार, पारुल, शिवानी, सहोदरी, साधना, माधवी राय, दुर्गावती आदि मौजूद रहीं।

सभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अभिलाख सिंह। ● अमृत विचार

पंतनगर में लेबर कोड रद्द करने की मांग उठाई

पंतनगर : मजदूर विरोधी चार लेबर कोड के खिलाफ विभिन्न मजदूर फेडरेशनों की ओर से राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल घोषित की गई है। जिस पर पंतनगर के इंकलाबी मजदूर केंद्र और ठेका मजदूर कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं ने एल खंड में सभा की। जिसमें मजदूर विरोधी चार लेवर कोड रद्द करने की मांग की गई। यहां वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों को संगठित होकर यूनियन बनाने, संघर्ष करने और जनवादी मांगें उठाने जैसी तमाम बंदिशें लगा दी गई हैं। ट्रेनी,फिक्स टर्म एम्लाइमेंट लागू कर हर जगह ठेका प्रथा, मजदूरों को रखो और जब चाहे निकालो की छूट मालिकों को दे दी गई है। इस मौके पर मनोज, राशिद, अभिलाख सिंह, अर्जुन सिंह, भूपेंद्र, सुभाष, रामानंद यादव, रियासत, पवन, रंजीत, रोहित, धर्मी, हरामनी, नविता, सुसो, सदभावन, पृथ्वी राज गौतम, मुस्लिम अंसारी आदि मौजूद रहे।

पंतनगर में चारों ओर व्याप्त है भ्रष्टाचार

झा कॉलोनी में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते विधायक तिलकराज बेहड़।

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः क्षेत्रीय विधायक तिलकराज बेहड़ ने परिसर के झा-कॉलोनी में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। समाज से गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज की वास्तविक उन्नति संभव है।

बेहड़ ने कहा कि पंतनगर के विकास के लिए उन्होंने निरंतर संघर्ष किया है। जनहित से जुड़े किसी भी मुद्दे को अनदेखा नहीं होने दिया। पूर्व में बनी सड़कों का पुनर्निर्माण भी कराया जा रहा है, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि पंतनगर विवि के अंदर हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है। वर्ष 2003 से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अब तक स्थायी नियुक्ति नहीं मिल पाई है। उनकी पंतनगर इंटर कॉलेज को सरकारी किए जाने की मांग को भी यहां के अधिकारियों ने नजरअंदाज किया है। वरिष्ठ अधिकारियों की उदासीनता के कारण गरीबों, मजदूरों के कोई काम नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पूर्व में भी पंतनगर कर्मचारियों की मांगों को लेकर 24 घंटे धरने पर बैठे थे। परंतु अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। यदि इन कर्मचारियों की मांगें शीघ्र नहीं मानी गईं, तो बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा। इस दौरान विधायक बेहड़ ने एनसीसी के प्रतिभाशाली छात्र असलम अंसारी, लक्ष्मी पासवान एवं अब्दुल के प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शॉल एवं पदक से सम्मानित किया गया। इस मौके पर जुबैर खान, अहमद अंसारी, मुबारक अंसारी, हसन खान, मनोहर वाल्मीकि, विनोद पाल, महफूज, हरिओम चौहान व सुनील आदि मौजूद रहे।

कीट वैज्ञानिक डॉ. पूनम श्रीवास्तव को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

डॉ. पूनम को बेस्ट एक्सपेरिमेंटल इंचार्ज अवार्ड

पंतनगर : जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आईसीएआर की ओर से संचालित ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन फ्रूट्स की 13वीं समूह चर्चा का सफलतापूर्वक समापन हो गया। जिसमें देशभर के विभिन्न शोध केंद्रों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। राष्ट्रीय आयोजन सचिव एवं परियोजना समन्वयक (फल) डॉ. प्रकाश पाटिल ने सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन के लिए सचिव डॉ. एके सिंह और उनकी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर विभिन्न केंद्रों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद पुरस्कारों की घोषणा की गई। जिसमें पहला पुरस्कार नवसारी कृषि विश्वविद्यालय गंदेवी को और दूसरा पुरस्कार महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी को प्रदान किया गया। वहीं बेस्ट एक्सपेरिमेंटल इंचार्ज अवार्ड से पंतनगर विवि की कीट वैज्ञानिक डॉ. पूनम श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। अधिष्ठाता कृषि डॉ. सुभाष चंद्र ने विजेताओं को बधाई देते हुए गुणवत्तापूर्ण पौध रोपण सामग्री के महत्व पर प्रकाश डाला।

अमेरिका से समझौते का विरोध

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचारः संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर गांवों में किसानों ने हमारा खेत, हमारा अधिकार अभियान के तहत जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने अपने-अपने खेतों में एकत्र होकर भारत-अमेरिका कृषि व्यापार समझौते के विरोध में लिखित पर्चियां जलाकर रोष प्रकट किया।

बृहस्पतिवार को सितारगंज के गांव लौका, गौठा, गुरुनानक नगरी, पंडरी, सिसौना सहित दर्जनों गांव में व्यापक स्तर पर विरोध देखने को मिला। बड़ी संख्या में किसानों ने खेतों में एकत्र होकर पर्चियां जलाईं और किसान एकता का परिचय दिया।

भाकियू प्रदेश प्रमुख महासचिव योगेंद्र सिंह यादव ने कहा कि कृषि देश की रीढ़ है और किसानों के हितों को प्रभावित करने वाला कोई भी समझौता किसानों की सहमति के बिना स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौता यदि लागू हुआ तो इससे देश के किसानों, उनकी फसल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में किसानों ने शांतिपूर्ण, संगठित और अनुशासित तरीके से इस अभियान को सफल बनाया। हर गांव में किसानों ने अपने खेतों पर पहुंचकर भारत-अमेरिका कृषि व्यापार समझौता लिखी पर्चियों की होली जलाकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया। इस मौके पर रामलाल यादव, राम अवध, सचिन कुमार यादव, राजेश कुमार, रामप्रवेश, राजवीर यादव, रविंद्र कुमार राजभर, बृजलाल , कुलदीप सिंह, चंदन सिंह, विशाल कुमार, दीनानाथ, जीत सिंह, उषा देवी, बलवंत कौर, कुलवंत कौर, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सितारगंज में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध करते किसान।

पहल — एक करोड़ चार लाख रुपये की लागत से बनेगा पार्क, क्षेत्रवासियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

रजत जयंती वर्ष में शक्तिगढ़ में बनाया जाएगा भव्य पार्क

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पंचायत शक्तिगढ़ के वार्ड नंबर 6 नेताजी सुभाष वार्ड में, केंद्र पोषित योजना अमृत 2.0 के ग्रीन स्पेस घटक के अंतर्गत, 'रजत जयंती पार्क' का निर्माण कराया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर, एक करोड़ चार लाख रुपये की लागत आएगी।

रजत जयंती पार्क निर्माण के संबंध में अपर सचिव, उत्तराखंड शासन संतोष बडोनी ने, निदेशक शहरी विकास निदेशालय को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। पार्क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त हरित स्थल उपलब्ध होगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ, लोगों को सैर-सपाटे और मनोरंजन के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा। प्रस्तावित रजत जयंती पार्क में बाहरी सीमा बाउंड्री, वृत्ताकार डिजाइन का भव्य प्रवेश द्वार तथा 25 वर्ष पूर्ण होने का आकर्षक साइन बोर्ड स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा गज़ेबो (खुला मंडप), पारंपरिक नौला जल बिंदु, टोपियरी उद्यान, सिंथेटिक ट्रैक, अभिनव डिजाइन की बेंचें, बाल उद्यान, कूड़ेदान एवं वेंडिंग कार्ट (फेरी/खानपान गाड़ी) की व्यवस्था की जाएगी। पार्क में जल फव्वारा, सुव्यवस्थित उद्यानिकी (हेज घास, दूब, विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे), आकर्षक सेल्फी प्वाइंट, शौचालय एवं अभिनव मूर्ति भी स्थापित की जाएगी।

प्रस्तावित रजत जयंती पार्क का चित्र। ● फाइल

सुंदरता के साथ लोगों को मिलेगा हरित वातावरण

शक्तिफार्म : नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने पार्क निर्माण की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, इससे नगर पंचायत क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण मिलेगा। चेयरमैन सुमित मंडल ने कहा कि हालांकि नगर पंचायत क्षेत्र में भूमि का अभाव था, बावजूद भी बोर्ड के सभी सदस्यों के साथ, आपसी सामंजस्य बनाकर भूमि का चयन कर लिया गया है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की संभावना है।

वार्षिकोत्सव में मेधावी सम्मानित

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बंडिया का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और योग पर आधारित प्रस्तुतियों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा थारू जनजाति नृत्य शैली, भारतीय अनेकता में एकता थीम पर सुन्दर प्रस्तुति दी। वहीं मोबाइल के दुष्परिणामों को लेकर आकर्षक नाटक प्रस्तुत किया। इस दौरान बाल वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया। निर्णायकों ने जूनियर और सीनियर वर्ग में सर्वश्रेष्ठ तीन मॉडलों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया। विगत सत्र में शैक्षिक प्रदर्शन में कक्षावार प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले बच्चों के साथ ही विभिन्न क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। संचालन अर्चिता, प्रियंका, प्रतीक और दिव्या ने किया। प्रधानाचार्य चंदन कुमार, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश भट्ट, ग्राम प्रधान शोभनाथ मौर्य, महेन्द्र पाल, अवनीश चौहान, अवधेश कुमार, उत्तम सिंह राना, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

जीआईसी बंडिया में बच्चों को सम्मानित करते जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य।

सिटी ब्रीफ

नाबालिग छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

काशीपुर : स्कूल में पढ़ने गई नाबालिग छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। मां की तहरीर पर पुलिस ने छात्रा की गुमशुदगी दर्ज की है। आईटीआई थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री अलीगंज रोड स्थित एक विद्यालय में पढ़ती है। 10 फरवरी की सुबह वह स्कूल गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। जब उसकी सहपाठी सहेली से पुत्री के बारे में जानकारी ली, तो उसने बताया कि उसकी पुत्री 3 बजे शाम को स्कूल बस से दुर्गा कॉलोनी गिरीताल रोड, शनि देव मंदिर के पास उतरी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर छात्रा की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

छात्रों ने आईटीआई का किया शैक्षिक भ्रमण

काशीपुर : पीएम श्री राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने औद्योगिक संस्थान आईटीआई में शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान ऑटोमोटिव प्रशिक्षक सौरभ कुमार ने ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग व अन्य ट्रेडो के बारे में जानकारी दी। संस्थान प्रधानाचार्य जेपी टम्टा ने बताया कि सरकार की ओर से सरकारी स्कूलों के छात्रों को विभिन्न विषय का अध्ययन कराया जा रहा है।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप

किच्छा : पुलभट्टा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़क ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग और मनमानी का आरोप लगाते हुए जमकर रोष जताया। ग्रामीणों के अनुसार, विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों से स्वीकृत इस सड़क का डामरीकरण दो माह में ही उखड़ने लगा है और पुलिया में भी दरारें आ गई हैं। आरोप है कि शिकायत करने पर ठेकेदार ने काम रुकवा दिया और ग्रामीणों को धमकाया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और क्षेत्रीय विधायक से मामले की जांच कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की है।

महेशपुरा के शिव मंदिर में नाग के दर्शन

बाजपुर : महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम महेशपुरा स्थित बड़े शिव मंदिर में उस समय श्रद्धा और कौतूहल का माहौल बन गया, जब मंदिर परिसर में अचानक एक नाग प्रकट हुआ। नाग देवता के दर्शन होते ही श्रद्धालुओं ने इसे भगवान शिव का चमत्कार और विशेष कृपा मानकर ''हर-हर महादेव'' के जयघोष शुरू कर दिए। देखते ही देखते यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और मंदिर में दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

काशीपुर में आरओबी पर लग रहा जाम, लोग हो रहे परेशान

आरओबी की एक साइड की सर्विस रोड बनने के चलते बंद है दूसरी ओर की रोड

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में बाजपुर रोड के पास आरओबी पर लगा जाम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रोडवेज बस अड्डे के पास आरओबी की सर्विस रोड काफी क्षतिग्रस्त हो गई थी। क्षतिग्रस्त सर्विस रोड को सही करने का काम शुरू हो गया, ऐसे में एक ही सर्विस रोड का प्रयोग होने से दिनभर जाम के हालात बन रहे हैं।

रोडवेज बस अड्डे में बसों के आने और जाने के लिए सर्विस रोड बनाई गई थी। सर्विस रोड लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और सर्विस रोड इतनी संकरी है कि बसों को आने और जाने में काफी परेशानी हो रही है। बृहस्पतिवार को भी दिन भर यहां पर जाम के हालात रहे। सर्विस रोड पर खड़ा नीम का पेड़ बसों में लगता है, ऐसे में रोडवेज की ओर से पेड़ की लॉपिंग करने की मांग की जा रही है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से एक सर्विस रोड को बंद कर दिया और बसों सहित अन्य वाहन एक ही सर्विस रोड से आने और जाने लगे। इससे दिनभर आरओबी के पास जाम के हालात बने रहे। एनएचएआई की ओर से आरओबी की सर्विस रोड पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। डिपो के सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि इस समय एक ही सर्विस रोड से यातायात का भार है। इस कारण जाम की स्थिति बन रही है।

आरओबी के ऊपर तिराहा के पास थैले में मिले मांस के टुकड़े

काशीपुर : नगर निगम प्रशासन ने 11 से 15 फरवरी तक नगर निगम क्षेत्र की सभी कच्चे व पक्के मांस की दुकानों को पूर्णतया बंद करने के आदेश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि कोई भी मांस विक्रेता आदेशों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन के इस आदेश और कांवड़ यात्रा के बीच बृहस्पतिवार की सुबह लगभग साढ़े दस बजे महाराणा प्रताप चौक पर बने आरओबी के ऊपर तिराहे के पास एक थैले में से मांस के टुकड़े और मुर्गे के पंजे बिखरे पड़े हुए थे। इसकी जानकारी होते ही लोगों में हड़कंप मच गया। वहीं जानकारी होने पर नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पर्यावरण मित्रों को आरओबी पर भेजकर सड़क पर बिखरे मांस के टुकड़ों को उठवाया और वहां की सफाई कराई। नगर आयुक्त ने बताया कि सोशल मीडिया पर आरओबी के ऊपर मांस के टुकड़े व पंजे बिखरे होने की जानकारी मिलने पर तत्काल सफाई कराई गई। उधर मेयर दीपक बाली ने बताया उन्होंने इस संबंध में जानकारी होने के बाद घटनाक्रम से एसएसपी को फोन पर अवगत कराया है। साथ ही घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे खंगालने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

मंत्रा मोबाइल चोरी में पुलिस के हाथ लगे अहम सुराग

रुद्रपुर, अमृत विचार: अग्रसेन चौक स्थित ''मंत्रा मोबाइल'' की दुकान से हुई 21 लाख रुपये की बड़ी चोरी के मामले में पुलिस खुलासे के बेहद करीब पहुंच गई है। सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों की लोकेशन के आधार पर पुलिस की दो टीमों ने हल्द्वानी में डेरा डाल दिया है।

गौरतलब है कि 6 फरवरी को चोरों ने ग्रीन पार्क निवासी गौरव मुंजाल की दुकान का ताला तोड़कर 85 नए और पुराने मोबाइल उड़ा लिए थे। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के कड़े निर्देश के बाद कोतवाली पुलिस की टीमें गाजियाबाद से लेकर हल्द्वानी तक दबिश दे रही हैं।

जांच के दौरान पुलिस ने गाजियाबाद से एक टैक्सी चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसने दो संदिग्धों को वहां छोड़ने की पुष्टि की। हालांकि, पूछताछ के बाद चालक को छोड़ दिया गया है।

नैनीताल हाईवे के सीसीटीवी कैमरों की जांच में दो संदिग्ध हल्द्वानी की ओर जाते दिखाई दिए हैं। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिल चुके हैं और जल्द ही इस मामले का पर्दाफाश कर लाखों के मोबाइल बरामद कर लिए जाएंगे।

सांसदों की केवल 18 प्रतिशत निधि हुई खर्च

संवाददाता, काशीपुर

● सांसदों की ओर से प्रस्तावित 232 कार्य स्वीकृत और 87 कार्य प्रारंभ नहीं हुए

अमृत विचार: उत्तराखंड के लोकसभा तथा राज्यसभा के वर्तमान सांसदों की आवंटित सांसद निधि की कुल धनराशि में दिसंबर 2025 तक केवल 18 प्रतिशत धनराशि ही खर्च हुई है। इसमें पूर्ण कार्यों तथा चल रहे कार्यों पर खर्च धनराशि शामिल हैं। सांसदों द्वारा प्रस्तावित 232 कार्य अधिकारियों ने स्वीकृत ही नहीं किये है तथा स्वीकृत कार्यों में से 87 कार्य दिसंबर 2025 तक प्रारंभ भी नहीं हुए हैं।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड के ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय से सांसद निधि खर्च संबंधी सूचना मांगी थी। जिसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी उपायुक्त प्रशासन ने सांसद निधि खर्च के दिसंबर 2025 के विवरण की प्रति उपलब्ध करायी है। जिसमें दिसंबर 2025 के अंत तक की उत्तराखंड के लोक सभा सांसदों की सांसद निधि खर्च का विवरण दिया है।

नदीम को उपलब्ध विवरण के अनुसार दिसंबर 2025 तक उत्तराखंड के कुल 8 सांसदों को 95.90 करोड़ की सांसद निधि आवंटित हुई है। इसमें 49 करोड़ 5 लोकसभा सांसदों तथा 46.90 करोड़ 3 राज्यसभा सांसदों को आवंटित हुई है। उत्तराखंड के सांसदों के वर्तमान कार्यकाल में पूर्ण कार्यों पर कुल 7.08 करोड़ तथा चल रहे अपूर्ण कार्यों पर दिसंबर 2025 तक कुल 10.65 करोड़ की धनराशि खर्च हुई है जो कुल आवंटित धनराशि का 18 प्रतिशत है। इसमें लोकसभा के 5 सांसदों की पूर्ण कार्यों पर 2.089 करोड़, अपूर्ण तथा चल रहे कार्यों पर 1.191 करोड़ की धनराशि खर्च दर्शायी गयी है जो कुल आवंटित धनराशि की केवल 7 प्रतिशत है।

राज्यसभा के 3 सांसदों की आवंटित निधि में से पूर्ण कार्यों पर खर्च 4.99 करोड़ तथा चल रहे कार्यों पर 9.46 करोड़ दर्शाया गया है, जो कुल आवंटित निधि का 31 प्रतिशत है।

शपथ ग्रहण करती संचालिका बीके ज्योति दीदी, सभासद सिमरन कौर व अन्य।

बुराइयों को त्यागने और श्रेष्ठ जीवन जीने का संकल्प

बाजपुर : ब्रह्माकुमारीज के बाजपुर केंद्र में गुरुवार को 90वीं त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने भाग लेकर आध्यात्मिक जागरण और आत्म-परिवर्तन का संकल्प लिया। केंद्र संचालिका बीके ज्योति दीदी ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी कमजोरियों और नकारात्मक प्रवृत्तियों को त्याग कर श्रेष्ठ जीवन जीने का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान शिव ध्वजारोहण किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं को सकारात्मक सोच अपनाने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। मुख्य अतिथि वार्ड नंबर-एक की सभासद सिमरन चान्ना और आदित्य चान्ना ने संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में केक काटकर प्रसाद वितरित किया गया और अंत में विश्व शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इस मौके पर बीके गायत्री, पंकज, राकेश, किशन और अनीता सहित ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

महेशपुरा में कूड़ा निस्तारण के लिए ट्रैक्टर-ट्राली रवाना

बाजपुर : ग्राम पंचायत महेशपुरा को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। स्वच्छता अभियान के तहत ग्राम प्रधान भारती सैनी और उनके पति लीलाधर सैनी द्वारा संचालित कूड़ा निस्तारण ट्रैक्टर-ट्राली को ब्लॉक प्रमुख पति व विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रैक्टर-ट्राली के माध्यम से अब गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थलों से नियमित रूप से कूड़ा एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोरावर सिंह भुल्लर ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक जिम्मेदारी है। ग्राम प्रधान भारती सैनी और खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस अभियान को पंचायत स्तर पर लगातार जारी रखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य महेशपुरा को एक मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में स्थापित करना है।

एक ही रात में तीन घरों में चोरी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम धनसारा में बुधवार रात चोरों ने तीन अलग-अलग घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। एक ही रात हुई तीन चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार फिरोज अपने परिवार सहित ससुराल गए हुए थे। देर रात जब वह घर लौटे तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर संदूक का ताला तोड़कर चोर करीब 30 हजार रुपये नकद व चांदी की पायल, हाथ के फूल, पेंडल, हार, कान के बुंदे सहित अन्य आभूषण चोरी कर ले गए। इसी गांव के फिरासुद्दीन एक पेपर मिल में रात्रि ड्यूटी पर थे, उनकी पत्नी व बच्चे मायके गए हुए थे। रात में घर लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। चोरों ने दीवान बेड तोड़कर उसमें रखे लगभग साढ़े तीन तोले सोने के आभूषण, चांदी की पायल व हाथफूल तथा दस हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। वहीं इस्लामुद्दीन पुत्र फकरुद्दीन अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में गए हुए थे। लौटने पर उनके घर का ताला टूटा मिला। अलमारी से 20 हजार रुपये नकद, सोने का हार, बुंदे, लोकेट, नोजपिन तथा चांदी के आभूषण चोरी हो गए। तीनों पीड़ितों ने कोतवाली में अलग-अलग तहरीरें सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है।

बाजपुर के ग्राम धनसारा में चोरी के बाद टूटी अलमारी व बिखरा पड़ा सामान।

ईसाई समाज ने उठाई सुरक्षा की मांग

खटीमा: मसीह शांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश मैक्स के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर आए दिन चर्चों पर हो रहे हमलों व झूठे मुकदमों पर चिंता व्यक्त करते हुए अराजक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण को सौंपते हुए उनकी निजी जमीन पर बने चर्चों में प्रत्येक रविवार को समाज के लोगों द्वारा प्रार्थना की जाती है। जहां पहुंच कर कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा सनातन धर्म की आड़ में अभद्रता की जाती है तथा चर्चों को तोड़ने का काम किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि निजी भूमि पर बने चर्चों को सरकारी भूमि का हवाला देकर तोड़ दिया जाता है।

एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को पत्र सौंपकर जांच की मांग करते सतवंत सिंह बैंस।

धान खरीद में बड़े फर्जीवाड़े का आरोप, सौंपा ज्ञापन

बाजपुर : सरकारी धान खरीद में कथित अनियमितताओं को लेकर किसान नेताओं में रोष गहराता जा रहा है। किसान नेता सतवंत सिंह बैंस ने उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे खरीद प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बैंस ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ रसूखदार लोगों ने पद का दुरुपयोग करते हुए गन्ने की खतौनी पर धान का रकबा दिखाकर बाहरी क्षेत्रों से आया धान सरकारी पोर्टल पर दर्ज कराया। इस धांधली के कारण क्षेत्र के वास्तविक किसानों को सरकारी मूल्य का लाभ नहीं मिला और उन्हें मजबूरी में फसल सस्ते दामों पर बेचनी पड़ी। उन्होंने दावा किया कि यदि पटवारियों से मौके पर गिरदावरी कराई जाए, तो कई राइस मिलर्स और आरएफसी विभाग के अधिकारी बेनकाब होंगे। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

जिला पंचायत की जर्जर इमारत की ध्वस्त

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का विरोध करती महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर के बीचों-बीच नशेड़ियों और अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बन चुके जिला पंचायत के पुराने दो-मंजिला जर्जर भवन को गुरुवार को प्रशासन ने जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया है।

यह जर्जर भवन लंबे समय से अपराधियों और नशेड़ियों की पनाहगाह बना हुआ था। हाल ही में यहां एक नशेड़ी ने फास्ट फूड मार्केट के पास एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया था, जिसके बाद व्यापारियों और स्थानीय जनता का आक्रोश फूट पड़ा। जनता के भारी दबाव के बाद तहसील और जिला पंचायत प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ मिलकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की।

कार्रवाई के दौरान वहां रह रहे दो दर्जन से अधिक परिवारों ने बिना नोटिस के कार्रवाई का आरोप लगाकर हंगामा किया। उन्होंने मामले के उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने का हवाला भी दिया। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कोर्ट का कोई स्थगन आदेश नहीं है। मानवीय आधार पर शेष लोगों को एक सप्ताह का समय देते हुए भवन खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला पंचायत अधिकारियों के अनुसार, इस भूमि पर आधुनिक पार्किंग, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और एक विशाल हॉल बनाने का प्रस्ताव पारित हो चुका है।

डायनेस्टी में धूमधाम से मनाया वसंत वैभवम् वार्षिकोत्सव

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'वसंत वैभवम्' वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कविता कापड़ी, रेखा सोनकर, कृष्णा नेगी, शांति देवी, हरीश सिंह, नीरज बिष्ट, विनीता बिष्ट, दीपक पांडे, इन्द्राणी पांडे आदि अभिभावक रहे। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम सभी विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच पर लाने के लिए किया जाता है। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, गायत्री भट्ट, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, अशोक जोशी, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, कल्पना चंद मौजूद रहे।

खटीमा में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते शिवसेना और भवानी सेना के कार्यकर्ता।

शिवरात्रि पर मीट की दुकानें बंद कराने की मांग मुखर

खटीमा : शिवसेना एवं भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण को सौंपते हुए शिवरात्रि पर्व पर निकलने वाली शोभायात्रा के दिन मीट, मछली और अंडे की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। शिवसेना जिला उप प्रमुख राजकुमार गुप्ता के नेतृत्व में तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन में शिवसेना और भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने शिवरात्रि पर्व पर चकरपुर बनखंडी महादेव मंदिर में लगने वाले मेले में मीट की दुकानें मंदिर के आसपास न लगाने की मांग की है। उन्होंने खटीमा में निकलने वाली शोभा यात्रा के दिन भी मांस, मछली, अंडे आदि की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद कराने की मांग की है। ज्ञापन में ब्लॉक अध्यक्ष शोभित कटेरिया, नगर अध्यक्ष मोहन लाल, कुमाऊं मंडल संगठन सचिव विक्रम बिष्ट, नगर अध्यक्ष बीना मिश्रा, हर स्वरूप विश्वकर्मा, राज कुमारी, छेदा लाल, किरण सैनी, विशाल माली, रोहित कुमार आदि सम्मिलित थे।

तितली-कबूतर की आड़ में चल रहे सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

रुद्रपुर : पुलिस को लंबे समय से चकमा दे रहे 'तितली-कबूतर उड़' गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से नकदी और सट्टे में प्रयुक्त सामग्री बरामद की है। 11 फरवरी की शाम दरोगा महेश कांडपाल की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तीन पानी डैम के पास श्मशान घाट रोड पर खुलेआम सट्टा खिलाया जा रहा है। पुलिस ने तुरंत दबिश देकर शिवनगर निवासी सुमित गुप्ता और राजकुमार सागर को दबोच लिया। पूछताछ में एक दिलचस्प खुलासा हुआ कि आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए रंग-बिरंगी आकृतियों वाली फ्लेक्सी का इस्तेमाल करते थे। आरोपियों ने बताया कि वे बच्चों के मनोरंजन के नाम पर तितली, कबूतर और अन्य आकृतियों वाली फ्लेक्सी लगाकर उसकी आड़ में सट्टा खिलवाते थे।

गुरुग्राम में महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं भाजपा नेत्री। ● अमृत विचार

महिलाओं को योजनाओं की दी जानकारी

शक्तिफार्म : गुरुग्राम में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला संवाद कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। गुरुग्राम के हरि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट चौहान, प्रदेश महामंत्री रश्मि रस्तोगी और जिला अध्यक्ष विनीता सक्सेना ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। रुचि ने कहा कि इस बार का बजट, महिलाओं के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए रोजगारपरक उद्यम शुरू करने की बात कही। कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना, रोजगार गारंटी योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष शिखा हालदार, ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री, मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी विश्वास, बसंती पांडे, प्रभा रावत, गीता सरकार, अनिमा हालदार आदि मौजूद रहीं।

दल-बदल

बाजपुर में भाजपा को बड़ा झटका, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने पटका पहनाकर किया स्वागत

मंडल अध्यक्ष और कई प्रधानों ने थामा कांग्रेस का हाथ

संवाददाता, बाजपुर

कांग्रेस में शामिल हुए हरजिंदर सिंह, उनकी पत्नी कमलजीत कौर व साथियों के साथ नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

अमृत विचार: विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही उत्तराखंड में राजनीतिक पारा चढ़ने लगा है। इसी कड़ी में बाजपुर में सत्तारूढ़ भाजपा को एक बड़ा झटका लगा है, जहां भाजपा के महुआखेड़ा मंडल अध्यक्ष हरजिंदर सिंह सहित कई ग्राम प्रधानों और प्रमुख कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

गुरुवार को रामराज रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सभी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। कांग्रेस का दामन थामने वालों में मंडल अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, उनकी पत्नी व बरखेड़ी की ग्राम प्रधान कमलजीत कौर, पूर्व प्रधान सोहन सिंह, सुखदेव सिंह, बलविंदर सिंह, रघुवीर सिंह और तरसेम सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हैं। मंडल अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने भाजपा छोड़ने का कारण बताते हुए कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से विभिन्न पदों पर रहे, लेकिन पार्टी में लगातार कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और उनके विश्वास को कायम रखा जाएगा।

16 को राजभवन घेराव का ऐलान किया

बाजपुर : कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए यशपाल आर्य ने धामी सरकार को कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं और बेलगाम डंपर सड़कों पर 'चलती-फिरती मौत' बन चुके हैं। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी को कांग्रेस राजभवन का घेराव करेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजीव आर्य, पालिका अध्यक्ष गुरजीत सिंह गिते, ब्लॉक प्रमुख पति जोरावर सिंह भुल्लर और किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्रमिक विरोधी चारों नए लेबर कोड वापस ले सरकार

अल्मोड़ा में सीटू से जुड़े विभिन्न संगठनों ने सरकार के खिलाफ धरना दिया, नियमितीकरण और वेतन देने की उठाई मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : श्रमिक विरोधी चारों नए लेबर कोड वापस लेने समेत तमाम मांगों के निराकरण को लेकर ट्रेड यूनियन सीटू से जुड़ी आशा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को आशा कार्यकर्ताओं, भोजन माताओं और जनवादी महिला समिति ने धरना देकर नगर में विरोध जुलूस निकाला। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में विभिन्न संगठनों ने गांधी पार्क में धरना दिया। कहा कि आज देशभर का किसान सरकार की नई-नई पोलिशियों से परेशान है। ऐसे में सरकार अमेरिका को जीरो प्रतिशत टैरिफ को भारत में खुली छूट देने के कारण भारत के किसानों की स्थिति और भी दयनीय हो जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि सरकार को एपस्टीन फाइल में आए हुए नाम को सार्वजनिक करना चाहिए और तत्काल प्रभाव से उन सभी लोगों ने इस्तीफा देना चाहिए जिनका नाम एपिस्टीन फाइल में आया है।

वहीं, बीएसएनएल में कार्यरत कर्मचारियों ने कहा कि बीते 10 महीने से उन्हें वेतन भुगतान नहीं हुआ है। कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है। परिवार का भरण पोषण करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां धरना देने वालों में आरपी जोशी, सुनीता पांडे, युसूफ तिवारी, योगेश कुमार, विजयालक्ष्मी, भगवती आर्य, ममता भट्ट, नीमा जोशी, ममता तिवारी, पूजा बगड्वाल, नीमा जोशी, आशा लटवाल, हेमा नगरकोटी, दीवान सिंह, देवकी, हेमा समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में जुलूस निकालते ट्रेड यूनियन सीटू से जुड़े संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

टनकपुर उप जिला अस्पताल में धरना प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ता।

ये हैं मांगे

श्रमिक विरोधी चारों नए लेबर कोड वापस लेने, आशाओं को नियमितीकरण करते हुए सम्मानजनक वेतन देने, आशा वर्कर्स को एक समान मानदेय देने, आशाओं को सेवानिवृत्त होने पर अनिवार्य पेंशन का प्रस्ताव केंद्र सरकार की कैबिनेट से पारित करने, रिटायरमेंट के समय दस लाख की एकमुश्त धनराशि देने, सभी सरकारी अस्पतालों को आशाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने का निर्देश देने, सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डाक्टरों के रिक्त पदों को भरने, हर अस्पताल में आशा घर का निर्माण करने आदि की मांग उठाई।

आशाओं का टनकपुर, चम्पावत व लोहाघाट में विरोध-प्रदर्शन

टनकपुर/लोहाघाट, अमृत विचार : आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन ने मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। टनकपुर उप जिला अस्पताल में आशा कार्यकर्ताओं ने मांगों के समर्थन में प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शन करने वालों में मीरा कश्यप, हेमा पांडे, गीता खर्कवाल, सुनीता देवी, सरस्वती देवी, मीना चन्द, शकुंतला भंडारी, जानकी देवी आदि मौजूद रहे। चम्पावत में भी आशा वर्करों ने प्रदर्शन कर धरना दिया। इधर गुरुवार को ट्रेड यूनियन ऐक्टू से सम्बद्ध आशा वर्कर्स यूनियन की जिलाध्यक्ष सरस्वती पुनेठा के नेतृत्व में लोहाघाट में आशाओं ने उपजिला अस्पताल परिसर में धरना प्रदर्शन किया। जिसमें उन्होंने चार श्रम कोड वापस लेने, आशाओं को सम्मानजनक मानदेय देने, आशा वर्कर्स को राज्य कर्मचारी का दर्जा व न्यनूतम वेतन देने, रिटायरमेंट के समय पेंशन, अस्पताल में सम्मानजनक व्यवहार, ट्रेनिंग स्वास्थ्य विभाग स्वयं कराए और एनजीओ का हस्तक्षेप बंद हो, ट्रेनिंग का प्रतिदिन न्यूनतम 500 रूपये भुगतान करने, सभी बकाया राशि का भुगतान करने, हर माह का पैसा हर माह खाते में डालने सहित अन्य मांगों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह सरकार से अपना हक मांग रही हैं कोई भीख नहीं मांग रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती हैं तो भविष्य की रणनीति पर आंदोलन जारी रखा जाएगा। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष रीता सिंह, जिला सचिव पदमा प्रथोली, रीना सिंह, ममता देवी, आशा सामंत, आयसा, कौशल्या पांडेय, रीतू, मंजू देवी, रेखा बिष्ट, मंजू माहरा, अनिता पुजारी, आशा देवी, पुष्पा बोहरा, सावित्री सामंत, हेमा जोशी, कविता सामंत, माहेश्वरी देवी, शांति देवी, रीता देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी आदि मौजूद रहीं।

एसएसजे परिसर में छात्रों ने की तालाबंदी

अल्मोड़ाः सोबन सिंह जीना परिसर में समर्थ पोर्टल के संचालन को लेकर कर्मचारी नियुक्त नहीं होने पर छात्रों का आक्रोश भड़क उठा। नाराज छात्रों ने समर्थ पोर्टल कार्यालय में तालाबंदी कर जमकर नारेबाजी की। जल्द कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

गुरुवार को एसएसजे के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में संचालित समर्थ पोर्टल कार्यालय पहुंचे। जहां छात्रों ने कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होने पर नाराजगी जताई। कहा कि कर्मचारी नियुक्ति नहीं होने से छात्र-छात्राओं को पोर्टल से संबंधित दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, छात्रों ने समर्थ पोर्टल में टैंडर के माध्यम से कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग की। यहां तालाबंदी करने वालों में रोहित कुमल्टा, सुमित बिष्ट, आशु, निखिल उप्रेती, अंशु बोरा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एसएसजे के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में तालाबंदी करते छात्र। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

मारपीट मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा : दुगालखोला निवासी व्यक्ति ने पड़ोसियों पर भूमि कब्जाने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार दुगालखोला निवासी विजय प्रकाश थापा ने तहरीर दी है। कहना है कि पड़ोसी आए दिन उनके साथ विवाद करते हैं। जबरन उनकी भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। बीते दिनों पड़ोसियों ने फिर से कब्जा करने का प्रयास किया। उन्होंने इसका विरोध किया तो जगत सिंह गैड़ा, पत्नी ममता गैड़ा, बेटा कार्तिक गैड़ा और बहू मारपीट पर उतर आए। इधर, कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सीएम को भेजा ज्ञापन आंदोलन की चेतावनी

चम्पावत : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की चम्पावत शाखा एवं विभिन्न घटक संघों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एडीएम कृष्ण नाथ गोस्वामी के माध्यम से मुख्यमंत्री को 18 सूत्रीय मांग पत्र प्रेषित किया। संगठन के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र प्रकाश जोशी के नेतृत्व में भेजे ज्ञापन में एसीपी की पूर्ववत व्यवस्था 10, 16, 26 करने, पुरानी पेंशन, वाहन भत्ता देने, केंद्र की भांति मकान किराया भत्ता आदि मांगे शामिल हैं। कहा कि मांगे पूरी न होने पर प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा 21 फरवरी को देहरादून में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय धरने में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल होंगे।

वनाग्नि रोकथाम को जनसहयोग की जरुरत

- **हंस फाउंडेशन ने सुनौली और चनौदा में निकाली रैली**
- **छात्रों और ग्रामीणों को बताएं वनाग्नि के दुष्परिणाम**

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः हंस फाउंडेशन की ओर से गुरुवार को राइंका सुनौली व चनौदा में द्वारा संचालित वनाग्नि रोकथाम को जन-जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को वनाग्नि से बचाने और सामुदायिक सहभागिता को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान हंस फाउंडेशन की ब्लॉक समन्वयक अनीता कनवाल ने परियोजना की जानकारी देते हुए वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वन केवल पर्यावरण संतुलन का आधार ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हंस फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि वनाग्नि से न केवल पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचता है, बल्कि वन्य जीवों, जल स्रोतों, ग्रामीण आजीविका और पर्यावरण को भी गंभीर क्षति होती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपने गांव और जंगलों के सजग प्रहरी बनने तथा वनाग्नि रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर हंस फाउंडेशन के फायर फाइटरों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि संस्था के प्रयासों से ग्राम स्तर पर जागरूकता में सकारात्मक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि समय पर सूचना, त्वरित कार्रवाई और सामूहिक सहयोग से ही जंगलों को आग से बचाया जा सकता है। यहां वन दरोगा पंकज सिंह, राजू बिष्ट, लोकेश, हंस फाउंडेशन के फायर फाइटर नंदा बल्लभ जोशी, चंदन सिंह, हेम, कैलाश, विमला, बबिता, चम्पा, प्रधानाचार्य विजय भाकुनी, संतोष कांडपाल, बलदेव त्रिरुवा, शशि, निर्मला मंडराल, दीक्षा भाकुनी, कैलाश आदि लोग मौजूद रहे।

ताकुला में जागरुकता रैली निकालते हंस फाउंडेशन के सदस्य। ● अमृत विचार

एलआईसी कर्मी हड़ताल पर

बागेश्वरः छह सूत्रीय मांगों को लेकर जीवन बीमा के तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। बीमा कार्यालय के बाहर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की नीतियां सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों को निजीकरण की ओर बढ़ाने का काम कर रही है। जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

जीवन बीमा निगम शाखा बागेश्वर के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर सरकार से कर्मचारियों व सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो आंदोलन तेज होगा। इस मौके पर नंदन सिंह धामी, चंद्रशेखर पाठक, अनिल गोस्वामी, गौरव वर्मा, गौरव त्रिपाठी, महेश कुमार, आशीष सुमन व अमर सिंह मौजूद रहे।

काला फीता बांधकर रोडवेज कर्मचारियों ने जताया आक्रोश

- **अल्मोड़ा में रोडवेज कर्मचारियों का प्रदर्शन**
- **सरकार से जल्द वेतन भुगतान की उठाई मांग**

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः दो माह का वेतन भुगतान की मांग को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद का धरना प्रदर्शन पर अडिग है। गुरुवार को कर्मचारियों ने बांह में काला फीता बांध विरोध जताया। जल्द कर्मचारियों के वेतन भुगतान की मांग उठाई।

इस मौके पर कर्मचारियों ने कहा कि कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। दिसंबर व जनवरी का वेतन अब तक कर्मचारियों को नहीं दिया गया है। पहले ही कर्मचारियों को काफी कम वेतन दिया जाता है। अब वह भी नहीं मिलने से कर्मचारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों ने जल्द वेतन देने की मांग की।

यहां रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष प्रदीप टम्टा, अंबिका प्रसाद सोनी, गोपाल दत्त जोशी, तारा दत्त जोशी, राजकुमार टम्टा, अंकुश खंपा, नंदकिशोर, उमाशंकर, चंद्रशेखर जोशी, धीरज लटवाल, दीपक कुमार, संजय कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में गुरुवार को प्रदर्शन करते रोडवेज के कर्मचारी। ● अमृत विचार

तामली को मुख्यमंत्री धामी की बड़ी सौगात

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद चम्पावत के समग्र विकास के लिए की गई घोषणाओं पर तीव्र गति से अमल किया जा रहा है। इसी क्रम में चम्पावत के अंतर्गत ग्राम सभा तामली को एक महत्वपूर्ण विकास सौगात प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तामली ग्राम सभा के लगभग 5 किलोमीटर लंबे आंतरिक मार्गों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने की घोषणा की है। जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि यह कार्य सीमावर्ती क्षेत्र तामली की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इंटरलॉकिंग टाइल्स लगने से गांव के मार्गों में वर्षा ऋतु के दौरान जलभराव एवं कीचड़ की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी, साथ ही ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं राहगीरों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति शीघ्र प्राप्त हो जाएगी। स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

चम्पावत ने बागेश्वर को हराकर पहला मैच जीता

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः अल्मोड़ा में कुमाऊं फुटबॉल प्रीमियर लीग का आगाज हो गया है। गुरुवार को प्रतियोगिता के तहत बागेश्वर और चंपावत के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला गया। जिसमें चंपावत की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर जीत दर्ज की।

हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में बिठौरिया क्लब हल्द्वानी और फुटबॉल एसोसिएशन अल्मोड़ा की ओर से आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथि नगर निगम मेयर अजय वर्मा, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अतिथियों ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश देती हैं। उद्घाटन मुकाबला बागेश्वर और चंपावत की टीमों के मध्य खेला गया। जिसमें चंपावत की टीम ने बागेश्वर की टीम को 2-1 के अंतर से परास्त कर लीग का उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया। यहां फुटबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष हरीश कनवाल, सचिव विनीत बिष्ट, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, कोच मनीष कनवाल, भूमित कनवाल, मोहित मेहता, मंयक कनवाल, दिनेश, मनोज, करन, नवीन, भावेश, आनंद कनवाल समेत कई खेल प्रेमी रहे।

फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों के साथ खिलाड़ी। ● अमृत विचार

वरिष्ठ और युवा खिलाड़ी हुए सम्मानित

फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से कुमाऊं प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के दौरान वरिष्ठ व युवा खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। क्लब की ओर से वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी नंदन सिंह कनवाल, प्रेस सिंह सांगा, मोहन सिंह चौहान, श्याम सिंह, भगवत सिंह, सुदर्शन लाल साह, सुरेश पांडे को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं, अलग-अलग खेलों में पदक विजेता संकल्प कनवाल, हिमांनी आर्या, प्रभा नेगी, मोहित, अखिलेश सिंह को भी सम्मानित किया गया।

किमतोली-रौशाल सड़क निर्माण को वित्तीय मंजूरी

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में जनपद चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लोहाघाट क्षेत्र के विकास को गति देते हुए व्यापक जनहित एवं स्थानीय मांग के दृष्टिगत 20 किमी लंबे किमतोली-रौशाल सड़क को उच्च स्तरीय वित्त समिति से स्वीकृति प्रदान की गई है।

घोषणा के अंतर्गत किमतोली से रौशाल मोटर मार्ग पर हॉटमिक्स कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के लिए अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, लोहाघाट द्वारा 1218.96 लाख की अनुमानित लागत का आगणन तैयार किया है। इस परियोजना से 18 गांव व तोक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे तथा लगभग 7,313 की आबादी को बेहतर सुविधा मिलेगी।

यह सड़क मार्ग क्षेत्र में आम यातायात को सुगम बनाने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं के विस्तार, पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन तथा स्थानीय आजीविका के नए अवसर सृजित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। आदर्श चम्पावत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सर्वांगीण एवं समावेशी विकास को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में यह एक सार्थक और दूरगामी पहल है। इस प्रयास से लोहाघाट क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

बैठक 21 फरवरी से 44 केंद्रों पर होंगी परीक्षाएं, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन कराने की है पूरी तैयारी

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचारः उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर चम्पावत में सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षाएं 21 फरवरी से 20 मार्च तक संचालित होंगी। परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार के निर्देश पर जिला सभागार में एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए गए।

चम्पावत में बैठक लेते एडीएम के एन गोस्वामी। ● अमृत विचार

मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि इस वर्ष जनपद से कुल 5356 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें हाईस्कूल के 2879 तथा इंटरमीडिएट के 2477 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। सभी परीक्षाएं एकल पाली में आयोजित की जाएंगी। जनपद में इस वर्ष कुल 44 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 43 मिश्रित केंद्र एवं 1 एकल केंद्र शामिल है। साथ ही इस वर्ष डांडा ककनई एवं खटोली में दो नए परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। एडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बताया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे तथा धारा-163 का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। केंद्रों की निगरानी के लिए सचल दलों का गठन किया गया है, जो औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए शुद्ध पेयजल, समुचित बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी भरत जोशी, उपखंड शिक्षा अधिकारी कमल भट्ट, संजय भट्ट, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

पूर्णागिरि मेले की परखीं तैयारियां

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः आगामी 27 फरवरी से 15 जून तक भारत-नेपाल सीमा पर आयोजित होने वाले उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध पूर्णागिरि मेला-2026 की तैयारियों को लेकर डीएम मनीष कुमार द्वारा गुरुवार को बूम फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीएम ने मां पूर्णागिरि मंदिर यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान डीएम ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा पूर्णतः सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित होनी चाहिए तथा यात्रा एवं पैदल मार्गों पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने मेले के दौरान किराया नियंत्रण एवं वाहनों की फिटनेस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आईपी आधारित सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम स्थापित करने को कहा।

मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को उच्चस्तरीय बनाए रखने के निर्देश देते हुए श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, अस्थायी पथ प्रकाश व्यवस्था, सोलर स्ट्रीट लाइट एवं हाईमास्ट लाइटों को दुरुस्त करने के साथ-साथ ओवरहैंगिंग तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ रखने के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की तैनाती, ऑक्सीजन सिलेंडर, मोबाइल केयर यूनिट एवं एसडीआरएफ टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत धर्मशालाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर अग्निशमन यंत्र एवं फर्स्ट एड किट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने तथा फायर यूनिट एवं फायर वॉचर की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं मूल्य नियंत्रण बनाए रखने हेतु रेट लिस्ट जारी करने एवं नियमित निरीक्षण अभियान संचालित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, ज्येष्ठ उप प्रमुख भुवन चंद्र पांडेय, एसडीएम अनुराग आर्या, सीओ वंदना वर्मा, तहसीलदार टनकपुर जगदीश नेगी, एएमए जिला पंचायत कमलेश बिष्ट सहित मंदिर समिति के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

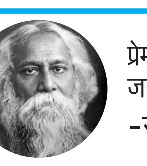

प्रेम का उपहार दिया नहीं जा सकता, यह स्वीकार किए जाने की प्रतीक्षा करता है।

–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

महत्वाकांक्षी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार का तकरीबन सवा नौ लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट संकेत देता है कि सरकार राज्य को 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' के लक्ष्य पर अग्रसर है। बजट में बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश पर विशेष जोर है। एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रावधान प्रशंसनीय हैं। इससे निवेश आकर्षित होगा और दीर्घकाल में रोजगार सृजन की संभावना बढ़ेगी। पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं क्षेत्रीय असमानता कम करेंगी।

सरकार ने कौशल विकास, स्टार्टअप और स्वरोजगार योजनाओं के लिए बजट बढ़ाया है, हालांकि प्रत्यक्ष सरकारी नौकरियों की बड़ी घोषणाएं सीमित हैं। रोजगार सृजन का भरोसा मुख्यतः निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर आधारित है। चुनावी वर्ष की आहट को देखते हुए युवाओं के लिए लक्ष्य आधारित कार्यक्रम स्वागत योग्य हैं, लेकिन उनकी ठोस समय सीमा और निगरानी तंत्र भी स्पष्ट होना चाहिए। सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा पर खर्च बढ़ाने से मानव संसाधन विकास को बल मिलेगा। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी पार्क और अनुसंधान केंद्रों के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि राज्य तकनीक आधारित विकास मॉडल अपनाना चाहता है। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन या स्थायीकरण संबंधी कोई स्पष्ट राहत न मिलना असंतोष का कारण बन सकता है। यह वर्ग लंबे समय से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहा है। कृषि बजट में सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की घोषणाओं से उत्पादकता और लागत संतुलन में मदद मिल सकती है, किसानों को तकनीक आधारित सेवाओं और कृषि स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलना दीर्घकालीन सुधार का संकेत है, पर एमएसपी, गन्ना भुगतान या कृषि ऋण राहत जैसे मुद्दों पर कोई बड़ा और नया एलान भी अपेक्षित था। विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन योजनाएं जारी हैं, परंतु वृद्धावस्था पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी न होना महंगाई के परिप्रेक्ष्य में निराशाजनक माना जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित हुआ है, पर राशि में बड़े इजाफे की उम्मीद पूरी नहीं हुई। 8वें वेतनमान की घोषणा न होना यह दर्शाता है कि सरकार वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहती है। वेतन व्यय पहले ही बजट का बड़ा हिस्सा लेता है, संभव है कि इस पर निर्णय केंद्र के संकेतों के बाद लिया जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश परियोजनाओं में पिछली घोषणाओं का बड़ा हिस्सा लागू हुआ है, फिर भी कई सामाजिक योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन अभी मूल्यांकन मांगता है। संभव है कि वर्ष के मध्य में अनुपूरक बजट आए, जिसमें छूटे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाएं।

इस बजट में आम नागरिक को बेहतर सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार अवसर के रूप में अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद है। मध्यम वर्ग को बुनियादी सेवाओं के विस्तार से फायदा होगा, पर तात्कालिक आर्थिक राहत सीमित दिखती है।

प्रसंगवश

रेडियो के वो सुहाने दिन बस यादें रह जाती हैं

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रयाग पांडे

वरिष्ठ पत्रकार, नैनीताल

1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद् जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हट्र्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा, लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूर संचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद् रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हट्र्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर,1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुंचाने में सफ़लता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया।

प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरुआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया। 1920 मे वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर,1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉपरेशन वजूद में आई। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। 1957 में आकाशवाणी।

लोकसभा अध्यक्ष पर अविश्वास प्रस्ताव व विपक्ष की राजनीति

विवेक सक्सेना

अयोध्या

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव केंद्र सरकार के लिए न सही, पर देश की राजनीति के लिए भी चिंताजनक है। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर इंडिया गठबंधन के करीब 120 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर वाले इस प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 94C के तहत अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस 10 फरवरी को सौंपा गया था। विपक्षी दलों ने बिरला पर सदन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए यह प्रस्ताव पेश किया है। विपक्ष ने अध्यक्ष पर लोकसभा में कुछ अप्रत्याशित कार्रवाई करने की बात करते हुए कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ झूठे दावे करने का भी आरोप लगाया है।

तृणमूल ने बिरला को दो दिनों की मोहलत देने की पैरोकारी करते हुए हस्ताक्षर से परहेज किया। राहुल गांधी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं, हालांकि इस संदर्भ में तर्क दिया गया कि लोकसभा में नेता विपक्ष का संवैधानिक पद है और इसलिए संसदीय गरिमा-मर्यादा का ध्यान रखते हुए स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। सपा के कई सांसदों के तो हस्ताक्षर हैं, जिसमें डिंपल यादव भी शामिल हैं, लेकिन अखिलेश यादव ने हस्ताक्षर से परहेज किया है। स्पीकर बिरला ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस को आगे की प्रक्रिया के लिए लोकसभा सचिवालय को भेज दिया है। इस बीच बिरला ने फैसला किया है कि महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया खत्म होने तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। विपक्षी दलों के इस नोटिस के साथ ही लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने देने के विवाद ने सियासी संग्राम का नया रूख अख्तियार कर लिया है।

> लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव देश की राजनीति के लिए चिंताजनक है। करीब 120 सांसदों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा की संभावना है।

भारत में गठबंधन राजनीति की प्रकृति को देखते हुए, स्वतंत्रता के बाद से समय-समय पर अविश्वास प्रस्ताव आते रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक संकट का संकेत होता है, हालांकि ये प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा को जटिल बनाते हैं और विपक्ष को अपनी असहमति दर्ज कराने का अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन क्या ये प्रस्ताव संकट के समाधान में सहायक होते हैं? जवाहरलाल नेहरू को अविश्वास प्रस्ताव का सामना 1963 में करना पड़ा, जो 1962 के भारत-चीन संघर्ष के बाद की स्थिति थी। इंदिरा गांधी के खिलाफ 1973 में अविश्वास प्रस्ताव पेश हुआ था। इंदिरा गांधी को 1966 से 1977 के बीच अपने कार्यकाल में 12 अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। राजनीति के आरोपों से घिरे मोरारजी देसाई के खिलाफ 1979 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

तीन साल के अंतराल के बाद जब इंदिरा गांधी 1980 में सत्ता में लौटीं, तो उन्हें तीन और अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, हालांकि राव मामूली अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई, तो उन्हें लोकसभा का विश्वास खोने के कारण 13 दिनों के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा। वाजपेयी को अगस्त 2003 में जॉर्ज फर्नांडीस को रक्षा मंत्री नियुक्त करने के लिए एक और अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।

लोकसभा में दो फरवरी से ही व्यवधान देखा जा रहा है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष द्वारा पूर्व सेवा प्रमुख एमएम नरवाने की किताब के अंश पर आधारित एक लेख को पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, जिसमें भारत-चीन संघर्ष का जिक्र था। चार फरवरी को विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब नहीं दे सके और प्रधानमंत्री के भाषण के बिना ही पांच फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। ये अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया।

वैसे तो विपक्षी सांसदों की शिकायतों पर सत्ता पक्ष के नेता अपना जवाब देते रहे हैं, पर अब उन्हें ज्यादा गंभीरता से इस प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा। अब सत्ता पक्ष या लोकसभा सचिवालय को भी आंकड़ों के आधार पर बताना होगा कि संसद सत्र में विपक्षी दलों के सांसदों को कितना वक्त बोलने के लिए दिया गया है? विपक्षी दलों के सदस्यों को क्या बोलने से रोका गया है? सत्ता पक्ष की खामियों को उठाना विपक्षी सांसदों का काम है, पर इसको दर्ज कराते समय उससे जुड़े प्रामाणिक तथ्य रखना भी उनकी जिम्मेदारी है, हालांकि संविधान का अनुच्छेद 96 अध्यक्ष को सदन में अपना बचाव करने का अवसर देता है। सदन में अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किए जाने पर अध्यक्ष अपना मत डाल सकते हैं, लेकिन बराबर होने की स्थिति में मत नहीं डाल सकते।

संख्या बल में सरकार आगे है और ओम बिरला के पद पर किसी तरह का खतरा फिलहाल नहीं है, लेकिन इसकी वजह से संसद में कड़वाहट और टकराव कहीं अधिक तीखा होगा। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ सकता है, फिलहाल कहना कठिन है कि इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले विपक्ष ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। संख्या बल धनखड़ के पक्ष में था, लेकिन अंततः वह इतने कमजोर हो गए कि इस्तीफा देना पड़ा।

धनखड़ की तुलना में ओम बिरला को सदन चलाने का ज्यादा अनुभव है। देश में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बलराम जाखड़ सर्वाधिक नौ वर्ष से ज्यादा समय तक पद पर रहे और उनके बाद ओम बिरला का ही स्थान है। पूर्व में तीन लोकसभा अध्यक्षों जीवी मावलंकर, हुकुम सिंह और बलराम जाखड़ के खिलाफ विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है, मगर तीनों ही बार यह खारिज हो गया था। दुर्भाग्य है कि आज की राजनीति में यह निरंतर घट रहा है।

आमने सामने

जब 'आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' के तहत जनता को हर तरह का मुफ्त इलाज मिल रहा है, तो इस कानून की अलग से कोई जरूरत ही नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार चुनावी फायदे के लिए आचार संहिता से ठीक पहले राइट टु हेल्थ बिल लाई थी।

–गजेंद्र सिंह खींवसर

स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान

विधानसभा में चिकित्सा मंत्री का 'राइट टू हेल्थ' पर बयान निंदनीय है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थकेयर योजनाएं जैसे चिरंजीवी योजना एवं निरोगी राजस्थान योजना लागू होने के बावजूद राइट टू हेल्थ की परिकल्पना की, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीज इलाज से वंचित न रहे।

–अशोक गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

धमकी से लेकर घुटने टेकने तक पाक का ड्रामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

पाकिस्तान बीते कई दिनों से कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का आगामी 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। फिर उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (आईसीसी) के दबाव के आगे घुटने टेक दिए। अब उसने कहा है कि वह भारत के खिलाफ मैच खेलेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उससे जुड़े हलकों ने इस मामले पर जिस तरह से शर्तों और दबाव की भाषा अपनाई है, वह न सिर्फ खेल की मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि अंततः उसकी विश्वसनीयता को भी कमजोर करती है। आईसीसी द्वारा पाकिस्तान की किसी भी शर्त को न मानना इस बात का संकेत है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्थाएं अब बंदर भभकी और राजनीतिक दबाव की रणनीति से प्रभावित नहीं होने वालीं।

पाकिस्तान लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 'विशेष रियायत' की अपेक्षा करता रहा है। कभी सुरक्षा का हवाला, कभी मेज़बानी के अधिकार, तो कभी बहिष्कार की धमकी। इस बार भी कहानी कुछ अलग नहीं थी। भारत के साथ मुकाबले को लेकर पाकिस्तान ने परोक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर उसकी शर्तें नहीं मानी गईं, तो वह टूर्नामेंट या मैच से हट सकता है, लेकिन यह धमकी पहले से ही खोखली थी। वैश्विक क्रिकेट को पता है कि भारत–पाक मुकाबला आर्थिक, दर्शक संख्या और प्रसारण तीनों दृष्टि से टूर्नामेंट की रीढ़ होता है और इससे पीछे हटना पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होता।

> पाकिस्तान कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ टी–20 वर्ल्ड कप के मैच का बहिष्कार करेगी। अब उसने आईसीसी के आगे घुटने टेक दिए हैं।

आईसीसी का रुख इस बार स्पष्ट और स्वागतयोग्य रहा। उसने न तो अतिरिक्त शर्तों को स्वीकार किया और न ही किसी तरह का दबाव झेला। यह संदेश साफ है, क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय नियमों और तय ढांचे के अनुसार चलेगा, न कि किसी एक देश की अस्थिर राजनीति या घरेलू दबावों के हिसाब से। कोलंबो जैसे तटस्थ स्थल पर मैच कराने का निर्णय पहले से निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप था और इसमें किसी तरह का पक्षपात नहीं था। इसके बावजूद पाकिस्तान का शोर-शराबा यह दर्शाता रहा कि वहां खेल प्रशासन अभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया और तात्कालिक राजनीति से बाहर नहीं निकल पाया है।

ऐसी बयानबाजी से न तो सम्मान मिलता है और न ही सहानुभूति। उल्टा, यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। खेल कूटनीति में दृढ़ता का मतलब यह नहीं कि हर बात पर अल्टीमेटम दिया जाए; दृढ़ता का अर्थ है नियमों के भीतर रहकर अपने हितों की रक्षा करना। भारत ने पूरे घटनाक्रम में अपेक्षाकृत संयम दिखाया। न उकसावे का जवाब दिया, न सार्वजनिक बयानबाजी में उलझा। यह परिपक्वता इस बात को रेखांकित करती है कि मजबूत पक्ष अक्सर शोर नहीं करता, वह व्यवस्था पर भरोसा करता है। आईसीसी का फैसला उसी भरोसे की पुष्टि है। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट अब किसी एक बोर्ड की धमकियों से नहीं चलती, बल्कि सामूहिक नियमों और पारदर्शिता से संचालित होती है।

पाकिस्तान को आत्ममंथन की जरूरत है। क्या बार-बार विवाद खड़ा कर वह सचमुच अपने खिलाड़ियों और प्रशंसकों का भला कर रहा है? क्या हर बड़े मंच पर नकारात्मक सुर्खियां बटोरना, उसकी क्रिकेट विरासत के अनुरूप है? खेल का मैदान प्रतिस्पर्धा के लिए होता है, बयानबाजी और धमकियों के लिए नहीं। अगर पाकिस्तान वास्तव में सम्मान और स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी। धमकी की जगह प्रदर्शन और राजनीति की जगह खेल भावना को प्राथमिकता देनी होगी।

कोलंबो में होने वाला यह मैच खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का अवसर है। दर्शक क्रिकेट देखना चाहते हैं। आईसीसी ने सही संदेश दिया है कि नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी बोर्ड उनसे ऊपर नहीं। उम्मीद यही है कि पाकिस्तान इस अनुभव से सबक लेगा और भविष्य में ऐसी बंदर भभकी से परहेज करेगा। आखिरकार, क्रिकेट की जीत इसी में है कि खेल खेला जाए, धमकियां नहीं।

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और आम क्रिकेट प्रशंसकों का हुआ। उन्हें एक बार फिर अपने बोर्ड की नाकामी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का खामियाज़ा भुगतना पड़ा। क्रिकेटरों को मैदान पर अपनी मेहनत से पहचान बनानी चाहिए, न कि बोर्ड की बयानबाज़ी से। अगर पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट का भला चाहता है, तो उसे मेच्योर होना होगा। धमकियों से न सम्मान मिलता है, न सहानुभूति। सम्मान मिलता है प्रदर्शन से, अनुशासन से और नियमों के पालन से। बार-बार पीड़ित बनने की कोशिश करना अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर काम नहीं आने वाला। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालत उस बच्चे जैसी हो चुकी है जो हर बात पर ज़मीन पर लोटता है, लेकिन जब मां ध्यान नहीं देती तो खुद ही चुप हो जाता है।

सोशल फोरम

कहानी रोम के राजा की

न्यूमा पोंपिलियस जब राजा बना, तो रोम के लोग हैरान थे। यह कैसा राजा था, जो तलवार नहीं उठाता? रोमुलस के जमाने में हर विवाद का फैसला खून से होता था, लेकिन न्यूमा के राज में हर फैसले के लिए 'बातचीत' और 'धर्म' का सहारा लिया जाने लगा। न्यूमा ने सबसे पहले रोम के लोगों को एक नई दिशा दी। उसने कहा, 'हम सिर्फ लड़ने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। हमें देवताओं को खुश रखना होगा।' उसने रोम में धर्म की नींव रखी। उसने पुजारियों का एक समूह बनाया जिसे 'पोंटिफेक्स' (Pontifex) कहा जाता था। इनका काम था देवताओं और इंसानों के बीच पुल का काम करना। आज भी 'पोंटिफ' शब्द का इस्तेमाल कैथोलिक चर्च के प्रमुख (पोप) के लिए किया जाता है, जिसकी जड़ें यहीं से जुड़ी हैं।

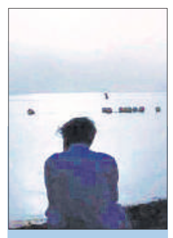

कलम रंगदार

ब्लॉगर

न्यूमा ने रोम के लिए एक और खास चीज बनाई- 'वेस्टल वर्जिन्स' (Vestal Virgins)। ये कुंआरी लड़कियां थीं, जो देवी 'वेस्टा' (Vesta) के मंदिर में पवित्र आग की रक्षा करती थीं। रोमनों का मानना था कि जब तक यह आग जलती रहेगी, रोम सुरक्षित रहेगा। अगर आग बुझ गई, तो रोम का विनाश तय है। इन लड़कियों को समाज में बहुत ऊंचा दर्जा मिलता था, लेकिन उनकी जिंदगी बहुत सख्त नियमों से बंधी थी। अगर उनसे कोई गलती हो जाती, तो सजा मौत से भी बदतर होती थी। उन्हें जिंदा दफना दिया जाता था, लेकिन न्यूमा का सबसे बड़ा योगदान कुछ और था। उस समय रोम का कैलेंडर बहुत अजीब था। साल में सिर्फ 10 महीने होते थे और सर्दियां कैलेंडर से गायब थीं। खेती-बाड़ी का कोई हिसाब नहीं था। न्यूमा ने देखा कि यह व्यवस्था ठीक नहीं है। उसने चांद की चाल को देखा और हिसाब लगाया। उसने साल में दो नए महीने जोड़े- 'जेनुअरियस' (Januarius) और 'फेब्रूअरियस' (Februarius)। जी हां, जनवरी और फरवरी।

जेनुअरियस, जो 'जेनस' देवता के नाम पर था- दो चेहरों वाले देवता, जो एक साथ पीछे (अतीत) और आगे (भविष्य) देख सकते थे और फेब्रूअरियस, जो शुद्धिकरण का महीना था। न्यूमा ने साल को 355 दिनों का बना दिया (जो बाद में और सुधरा)। उसने दिनों को 'फास्टि' (Fasti-काम करने के दिन) और 'नेफास्टि' (Nefasti-छुट्टी/धार्मिक दिन) में बांटा। आज हम जो छुट्टी मनाते हैं, उसकी शुरुआत कहीं न कहीं न्यूमा की इसी सोच से हुई थी। न्यूमा ने रोम की सीमाओं को भी बदला, लेकिन युद्ध से नहीं। उसने खेतों की सीमाओं पर 'टर्मिनस' देवता की मूर्तियां लगवा दीं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेवजह के विवादों से प्रचार पातीं फिल्में

फिल्मों को एक सुनियोजित रणनीति के तहत विवादों में परोसना और फिर उस पर वितंडा खड़ा करके प्रचार पाना, अब कोई नयी बात नहीं रह गई है। दरअसल फिल्मकारों ने आस्था, भावना और मूल्यों के खिलाफ फिल्में बनाकर बेशुमार धन इकठ्ठा करने का एक चलन बना लिया है। भले ही इससे किसी जाति, धर्म आस्था और भावना को चोट क्यों न पहुंचती हो। ऐसी ही एक फिल्म 'घूसखोर पंडत' भी रुपहले पर्दे पर आने को तैयार है, जिसके टाइटल को लेकर वितंडा उठ खड़ा हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस फिल्म के टाइटल को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी है।

खुद फिल्म निर्माता संघ (एफएमसी) ने इस फिल्म को लेकर निर्माता नीरज पांडेय को नोटिस जारी किया है और कहा है कि फिल्म निर्माता ने नियमों के अनुसार शीर्षक के लिए अनिवार्य अनुमति प्राप्त नहीं की है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि फिल्म निर्माता ने जानबूझकर फिल्म को विवादों की परिधि में लाकर प्रचार पाने के लिए यह सारा उपक्रम किया था। अब जब विवाद चरम पर पहुंच गया है और फिल्म भी खूब प्रचार पा ली है, तो फिल्म निर्माता नीरज पांडेय और अभिनेता मनोज वाजपेई द्वारा सफाई दी जा रही है कि उनका मकसद किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वे अब विवादित प्रचार सामग्री को हटाने की भी दुहाई दे रहे हैं। सच तो यह है कि फिल्म निर्माता ने अपनी फिल्म को विवादों के जरिए जितना प्रचार पाना चाहा था, उतना पा लिया। उनका मकसद पूरा हुआ। अब सवाल यह है कि क्या ऐसे फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी, जो धन कमाने के निमित्त इस किस्म का घिनौने हथकंडा अपनाते हैं। कहना मुश्किल है, इसलिए कि इस तरह के हथकंडे बार-बार अपनाए जा रहे हैं।

अरविंद जयतिलक

लेखक

अभी गत वर्ष पहले अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'उड़ता पंजाब' विवादों के केंद्र में रहा। इस फिल्म का कथानक पंजाब में नशाखोरी के इर्द-गिर्द गढ़ा-बुना गया था। इसके कुछ दृश्यों और डॉयलाग को लेकर बवाल मचा। बेशक एक फिल्मकार को अधिकार है कि वह फिल्मों का निर्माण करे, लेकिन उसका उत्तरदायित्व भी है कि वह धर्म, संस्कृति और इतिहास को पढ़े-समझे और उसकी वास्तविकताओं एवं भावनाओं का ख्याल रखकर फिल्मों का निर्माण करे। उसे ध्यान रखना चाहिए कि फिल्मों के जरिए समाज के नैसर्गिक स्वभाव और आस्था पर बुरा असर न पड़े।

फिल्मकारों ने यह धारणा पाल रखी है कि फिल्मों पर जितना अधिक बवाल होगा उनकी कमाई में उतना ही इजाफा होगा। बेशक एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज में कहने-सुनने, लिखने-पढ़ने और दिखने-दिखाने की आजादी होनी चाहिए। विशेष रूप से कला के क्षेत्र में तो और भी अधिक, क्योंकि समाज में जो कुछ भी घटित होता है, उसे कला के जरिए पर्दे पर उकेरा जाता है, लेकिन कला और अभिव्यक्ति की आड़ लेकर अरबों कमाने की लालच में धर्म और आस्था पर प्रहार कहां तक उचित है?

एक वक्त था जब फिल्मों का कथानक समाज और राष्ट्र के जीवन में चेतना का संचार करता था। युवाओं को प्रेरणा देता था। आजादी की लड़ाई को धार देने से लेकर समाज के गुणसूत्र को बदलने-रचने में फिल्मों की अहम भूमिका रही है। आज भी कुछ फिल्में सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों को उकेरती दिख जाती हैं, लेकिन अधिकांश फिल्में वास्तविकताओं से दूर अतिरंजित और फूहड़पन से लैस होती हैं। अगर किसी फिल्म के शीर्षक, कथानक या डॉयलाग से समाज का कोई वर्ग आहत होता है, तो सेंसर बोर्ड की जिम्मेदारी है कि वह इसे पास न करे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

खोज

ऐसे हुआ मोबाइल का आविष्कार

1970 के दशक में अमेरिका की प्रतिष्ठित शोध संस्था बेल लैब्स में एक ऐसी अवधारणा पर प्रयोग शुरू हुए, जिसने भविष्य की संचार दुनिया की दिशा ही बदल दी। शोधकर्ताओं का विचार था कि पूरे देश को षट्भुजाकार (हेक्सागोनल) सेल के एक विशाल नेटवर्क से ढक दिया जाए। प्रत्येक सेल में एक बेस स्टेशन होगा, जो रेडियो आवृत्तियों के माध्यम से मोबाइल फोन से संदेश भेजेगा और प्राप्त करेगा। तकनीकी चतुराई यह थी कि दो आसन्न सेल अलग-अलग आवृत्तियों पर काम करें, ताकि सिग्नल हस्तक्षेप की समस्या न आए।

ये बेस स्टेशन रेडियो सिग्नलों को मुख्य दूरसंचार नेटवर्क से जोड़ते थे और जैसे ही कोई उपयोगकर्ता एक सेल से दूसरे सेल में प्रवेश करता, उसका फोन स्वतः ही फ्रीक्वेंसी बदल लेता। इस निर्बाध हैंडऑफ की कल्पना उस समय क्रांतिकारी थी। 1970 के दशक के अंत तक बेल लैब्स का एडवांस्ड मोबाइल फोन सिस्टम (एएमपीएस) छोटे पैमाने पर सफलतापूर्वक चालू हो चुका था, जिसने व्यावहारिक सेलुलर नेटवर्क का रास्ता खोल दिया। इसी दौर में मोटोरोला में कार्यरत इंजीनियर मार्टिन कूपर एक अलग ही सपने को साकार करने में जुटे थे। वे टीवी सीरीज स्टार ट्रेक के कम्युनिकेटर से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने एक ऐसा पोर्टेबल फोन बनाने का लक्ष्य तय कर लिया, जिसे हाथ में लेकर कहीं भी बात की जा सके। कूपर की टीम ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया, जो बेल के एएमपीएस नेटवर्क से कनेक्ट हो सकता था।

1984 में मोटोरोला ने इस सपने को 'डायनाटैक' के रूप में बाजार में उतारा। एक किलोग्राम से अधिक वजन वाले इस फोन को प्यार से 'द ब्रिक' कहा गया। कीमत आज के हिसाब से लगभग 10,000 डॉलर थी, इसलिए यह आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा, लेकिन अमीर फाइनेंसरों और उद्यमियों के बीच यह जल्द ही स्टेटस सिंबल बन गया। 1987 की फिल्म वॉल स्ट्रीट ने डायनाटैक को धन और लालच के प्रतीक के रूप में अमर कर दिया, जब माइकल डगलस द्वारा निभाया गया गॉर्डन गेको समुद्र तट पर टहलते हुए इसी फोन पर बात करता नजर आया। यहीं से मोबाइल फोन सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि आधुनिक शक्ति और महत्वाकांक्षा का प्रतीक भी बन गया।

वैज्ञानिक के बारे में

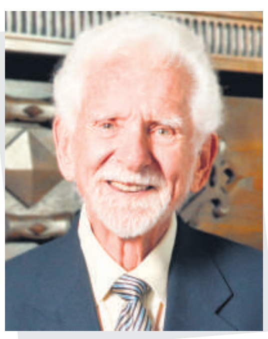

मार्टिन कूपर को भले ही दुनिया मोबाइल फोन के जनक के रूप में जानती हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी उतनी ही संतुलित, प्रेरक और मानवीय रही है। उनका जन्म 26 दिसंबर 1928 को अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ। एक यहूदी प्रवासी परिवार में पले-बढ़े कूपर ने बचपन से ही पढ़ाई और तकनीक में गहरी रुचि दिखाई। उनकी निजी जिंदगी में सबसे अहम भूमिका उनकी पत्नी आर्लीन हैरिस की रही। आर्लीन स्वयं भी एक प्रतिष्ठित इंजीनियर और उद्यमी हैं और उन्हें वायरलेस टेलीफोन सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। मार्टिन कूपर का निजी जीवन दिखावे से दूर रहा। वे कभी भी केवल प्रसिद्धि या धन के पीछे नहीं भागे। उनका मानना था कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाना है, न कि उसे मशीनों पर निर्भर करना। यही सोच उनकी जीवनशैली में भी झलकती है, सादा जीवन, गहरी सोच और भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण।

अंतरिक्ष में वायरस और बैक्टीरिया की जंग

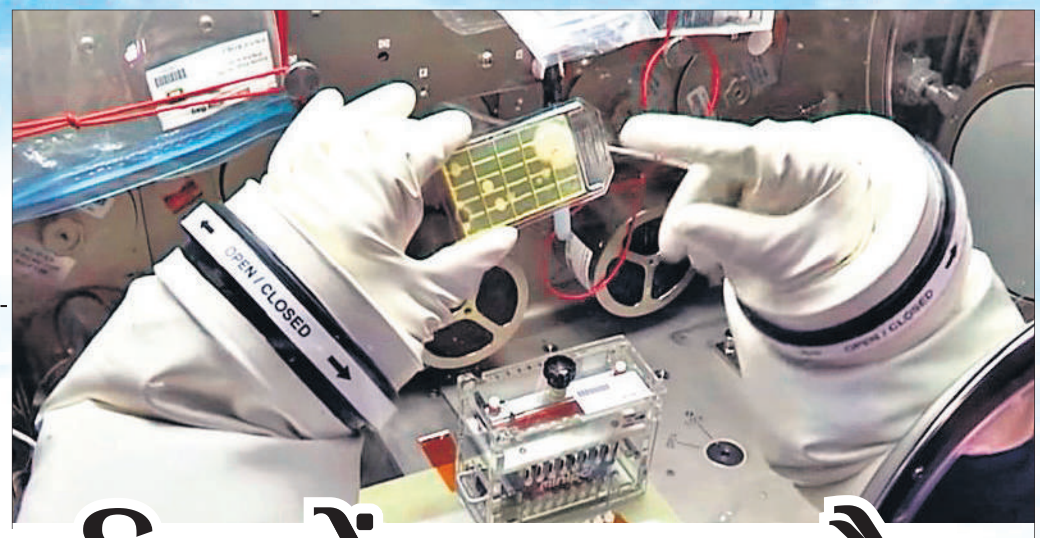

एक नए अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी पर रहने वाले बैक्टीरिया-संक्रमित करने वाले वायरस अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की लगभग वजन-रहित 'माइक्रोग्रैविटी' स्थिति में भी अपने ई. कोलाई होस्ट को संक्रमित करने में सफल रहे, लेकिन वायरस-बैक्टीरिया की आपसी लड़ाई पृथ्वी से काफी अलग थी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के फिलहस और उनके साथियों के नतीजे बीती 13 जनवरी, 2026 को ओपन-एक्सेस जर्नल 'एलओएस बायोलॉजी' में प्रकाशित हुए। एक प्रयोग के दौरान जब वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले वायरस को अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भेजा, तो ये सूक्ष्म जीव पृथ्वी पर जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा नहीं किया।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में संक्रमण तो हुआ, लेकिन समय के साथ वायरस और बैक्टीरिया दोनों ही अलग-अलग तरीके से विकसित हुए। जेनेटिक बदलाव आए, जिनसे वायरस बैक्टीरिया से चिपकने का तरीका बदल गया और बैक्टीरिया ने खुद को बचाने के नए हथियार विकसित कर लिए। ये खोज फेज थेरेपी (वायरस से बैक्टीरिया को मारने की तकनीक) को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के खिलाफ।

नए रहस्य ये बदलाव पृथ्वी से अलग 'ट्रेजेक्टरी' (राह) पर होते हैं यानी स्पेस माइक्रोबियल इकोसिस्टम को नए तरीके से आकार देता है। उदाहरण के लिए स्पेस के फेज पृथ्वी पर दवा-प्रतिरोधी ई. कोलाई (जो यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन पैदा करते हैं) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी साबित हुए। इससे पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया-फेज की को-इवोल्यूशन (सह-विकास) को रीशेप करती है, जो सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन के बुनियादी सिद्धांतों को चुनौती देती है। यह रिसर्च पहली बार आईएसएस पर फेज-बैक्टीरिया की लंबी अवधि की डायनामिक्स को ट्रैक करती है, जो पहले की जमीन आधारित सिमुलेशंस से आगे जाती है।

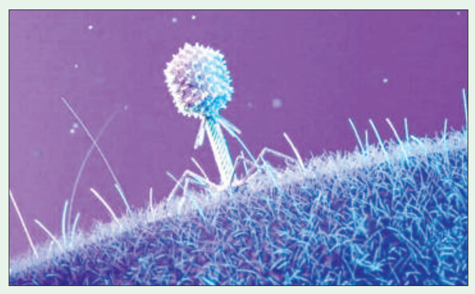

एक पृथ्वी, तो दूसरा अंतरिक्ष में

फेज यानी वो वायरस जो बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं और उनके होस्ट के बीच की लड़ाई सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिकी (माइक्रोबियल इकोसिस्टम) में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे अक्सर एक 'एवोल्यूशनरी आर्म्स रेस' (विकास की हथियार दौड़) कहा जाता है, जहां बैक्टीरिया वायरस से बचने के लिए डिफेंस सिस्टम बनाते हैं और वायरस उन डिफेंस को तोड़ने के नए तरीके ईजाद करते हैं। पृथ्वी पर इस लड़ाई का अध्ययन हो चुका है, लेकिन माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और वायरस-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को बदल देती है, जिससे सामान्य इंटरैक्शन बिगड़ जाते हैं, अब पता चला है। फिर भी माइक्रोग्रैविटी में फेज-बैक्टीरिया की डायनॉमिक्स पर बहुत कम अध्ययन हुए हैं। इस कमी को दूर करने के लिए हस और उनके साथियों ने दो सेट बैक्टीरियल ई. कोलाई सैंपल्स लिए, जिनमें टी-7 नाम का फेज संक्रमित किया गया, एक सेट पृथ्वी पर रखा और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर।

- **संक्रमण की गति में बदलाव-** शुरुआत में संक्रमण धीमा हुआ, क्योंकि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और फेज-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण की कमी से बैक्टीरिया की कोशिकाएं अलग-अलग तरीके से इकट्ठा होती हैं, जिससे फेज का लगाव (अटैचमेंट) मुश्किल हो जाता है।
- **आनुवंशिक उत्परिवर्तन-** अंतरिक्ष के फेज में ऐसे उत्परिवर्तन यानी म्यूटेशन्स जमा हुए, जो उनकी संक्रमण क्षमता या बैक्टीरियल संग्राहक यानी रिसेप्टर्स से चिपकने की ताकत बढ़ाते हैं। वहीं, बैक्टीरिया ने बचाव और अंतरिक्ष में जीवित रहने के नए आनुवंशिक बदलाव विकसित किए। डीप म्यूटेशनल स्कैनिंग तकनीक से पता चला कि फेज का रिसेप्टर बाइंडिंग प्रोटीन (आरबीपी) स्पेस में अलग तरीके से बदलता है।
- **अंतरिक्ष अन्वेक्षण में उपयोगिता-** अंतरिक्ष अन्वेक्षण में सूक्ष्मजीव एक बड़ी चुनौती हैं, क्योंकि वे अंतरिक्ष यान (स्पेसक्राफ्ट) को दूषित कर सकते हैं और क्रू की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च इन रहस्यों से कई फायदे दे सकती हैं।
- **क्रू हेल्थ प्रोटेक्शन-** लॉन्ग-टर्म मिशन्स (जैसे मंगल यात्रा) में माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया को ज्यादा विरुलेंट (खतरनाक) बना सकती है, लेकिन फेज उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। अध्ययन दिखाता है कि स्पेस में फेज बैक्टीरिया के साथ अनुकूलित होकर नए बचाव तरीके ईजाद करते हैं, जो स्पेस में माइक्रोबियल कंट्रोल के लिए नए टूल्स दे सकता है।
- **ग्रहीय सुरक्षा-** स्पेस में सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन को समझने से हम अन्य ग्रहों (जैसे मंगल) पर पृथ्वी के जीवों को फैलने से रोक सकते हैं। फेज रिसर्च से पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया के जीनोम में बदलाव लाती है, जो स्पेसक्राफ्ट स्टरलाइजेशन के नए तरीके सुझा सकती है। भविष्य में यह ज्ञान हमारी ग्रहीय सुरक्षा (प्लैनेटरी प्रोटेक्शन) के काम आएगा।
- **भविष्य के मिशन -** नासा और ईएसए जैसे संगठन अंतरिक्ष में माइक्रोबायोलॉजी को समझने के लिए आईएसएस का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिसर्च अर्टेमिस या मंगल मिशन्स में क्रू को बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाने के लिए फेज-आधारित थेरेपी विकसित करने में मदद करेगी। कुल मिलाकर, ये रहस्य अंतरिक्ष अन्वेक्षण को सुरक्षित और टिकाऊ बनाते हैं, क्योंकि सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।
- **मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता-** पृथ्वी पर, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक वैश्विक संकट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2050 तक इससे 10 मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह शोध मानव स्वास्थ्य में क्रांति ला सकता है।

आइए जानते हैं

बेहतर फेज थेरेपी

स्पेस में हुए म्यूटेशन्स से फेज को इंजीनियर करके दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया (जैसे एमडीआर ई. कोलाई) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अंतरिक्ष के फेज यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) पैदा करने वाले स्ट्रेन्स को बेहतर तरीके से मारते हैं। इससे फेज थेरेपी को क्लिनिकल स्तर पर मजबूत किया जा सकता है, जो एंटीबायोटिक्स का विकल्प है।

नई अंतर्दृष्टि

माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) और फेज की इवोल्यूशन को अलग तरीके से प्रभावित करती है, जो पृथ्वी पर संक्रमणों के मॉडल्स को सुधार सकती है।

व्यापक प्रभाव

यह रिसर्च जैव चिकित्सा उन्नति को बढ़ावा देगी, जैसे कैंसर थेरेपी या वैक्सीन विकास में फेज का इस्तेमाल। शोधकर्ताओं का कहना है कि अंतरिक्ष-प्रेरित बदलावों से पृथ्वी पर 'फार सुपीरियर एक्टिविटी' वाले फेज बनाए जा सकते हैं। इससे अस्पतालों में सुपरबग्स से लड़ना आसान हो सकता है।

मरीन लाइफ

सी पेनः समुद्र की गहराइयों में खड़ी एक जीवित कलम

सी पेन (Sea Pen) एक अत्यंत रोचक और कम चर्चित समुद्री जीव है, जो देखने में जितना साधारण लगता है, व्यवहार में उतना ही अनोखा है। यह जीव आमतौर पर एक ही स्थान पर स्थिर रहता है और बहुत अधिक हिलता-डुलता नहीं है। अपनी संरचना और जैविक बनावट के कारण यह समुद्री एनीमोन्स और कोरल से काफी मिलता-जुलता है। एनीमोन्स वही जीव हैं, जिनका नाम फिल्म फाइंडिंग नीमो में नीमो ठीक से नहीं बोल पाता था। सी पेन का नाम उसके आकार से ही पड़ा है। यह बिल्कुल उस पारंपरिक कलम की तरह दिखता है, जिससे कभी लोग लिखते थे। नीचे एक मोटा आधार और ऊपर पंखनुमा फैलाव। वास्तव में सी पेन कोई एकल जीव नहीं होता, बल्कि यह सैकड़ों-हजारों सूक्ष्म जीवों (पॉलीप्स) की एक कॉलोनी होती है, जो मिलकर एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इसका निचला हिस्सा समुद्र की नरम मिट्टी में धंसा रहता है, जिससे इसे स्थिरता मिलती है। सी पेन दुनियाभर के उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जलक्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये आमतौर पर समुद्र की गहराइयों में रहते हैं, जहां रोशनी कम और तापमान स्थिर होता है। हालांकि ये पूरी तरह समुद्र तल से चिपके नहीं रहते। जरूरत पड़ने पर ये अपना स्थान बदल सकते हैं और उन क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं, जहां जलधाराएं तेज होती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि तेज धारा के साथ प्लवक, जो इनका मुख्य और पसंदीदा भोजन है। सीधे इनके पास पहुंच जाता है।

सी पेन की एक और खास विशेषता इसकी जैवदीप्ति है। कुछ प्रजातियां खतरे की स्थिति में हल्की रोशनी उत्पन्न करती हैं, जो समुद्र की अंधेरी गहराइयों में किसी जादुई दृश्य जैसा प्रतीत होती है। यह रोशनी शिकारियों को भ्रमित करने या डराने के काम आती है। कुल मिलाकर, सी पेन समुद्री दुनिया का एक शांत-स्थिर, लेकिन बेहद रहस्यमय जीव है, जो यह साबित करता है कि समुद्र की गहराइयों में आज भी प्रकृति के अनगिनत चमत्कार छिपे हुए हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

लेजर, पानी और भौतिकी का जादू

यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन लेजर किरण वास्तव में पानी की धारा के भीतर 'फंस' सकती है। यह कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिकी की एक प्रसिद्ध और रोचक घटना है, जिसे पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection) कहा जाता है। यही सिद्धांत आज फाइबर ऑप्टिक्स और हाई-स्पीड इंटरनेट की नींव भी है। इस घटना को समझाने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक सरल, लेकिन प्रभावशाली प्रयोग किया। उन्होंने साफ पानी से भरे एक टैंक के एक सिरे पर लेजर लगाया। टैंक के दूसरे सिरे पर एक छोटा सा छेद बनाया गया, जिससे पानी बाहर निकलकर बाल्टी में गिर रहा था। जब लेजर किरण को बहती हुई पानी की धारा पर डाला गया, तो आश्चर्यजनक रूप से रोशनी पानी के बाहर नहीं फैली, बल्कि धारा के साथ-साथ मुड़ती चली गई।

असल में, पानी और हवा के बीच अपवर्तनांक (Refractive Index) का अंतर इस प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। पानी में मौजूद भारी कण लेजर की गति को धीमा कर देते हैं। जब लेजर किरण एक विशेष कोण पर पानी और हवा की सीमा से टकराती है, तो वह बाहर निकलने के बजाय बार-बार अंदर ही परावर्तित होती रहती है। इसी कारण लेजर किरण पानी की धारा के भीतर "कैद" हो जाती है। इस प्रयोग के दौरान बहता हुआ पानी लाल रंग के चमकदार झरने जैसा दिखाई देता है, क्योंकि लेजर की लाल रोशनी पूरी धारा में फैल जाती है। खास बात यह है कि जब पानी का प्रवाह धीरे-धीरे कम किया गया, तब भी लेजर किरण धारा के भीतर बनी रही। जैसे ही पानी पूरी तरह बंद हुआ, लेजर किरण भी अचानक गायब हो गई। यह प्रयोग न केवल देखने में बेहद आकर्षक है, बल्कि हमें यह भी समझाता है कि आधुनिक संचार तकनीक, जैसे ऑप्टिकल फाइबर असल में प्रकाश को 'फंसाकर' ही सूचना को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचाती है।

महासागरों की रहस्यमयी दुनिया

भूमंडल के 70 प्रतिशत भाग पर जलमंडल और 30 प्रतिशत भाग पर स्थल है। संपूर्ण भूमंडल का क्षेत्रफल 51.6 करोड़ वर्ग किमी है। इसमें 36.17 करोड़ वर्ग किमी पर जल और 14.89 करोड़ वर्ग किमी पर स्थल का विस्तार पाया जाता है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया पृथ्वी से काफी बड़ी है। जलमंडल के अंतर्गत महासागर, सागर, खाड़ियां आदि सम्मिलित हैं। महासागरों में इतनी विशाल जलराशि है कि यदि इसे धरातल पर समतल रूप में फैला दिया जाए, तो पूरी पृथ्वी पर 4.8 किमी गहरा सागर लहराने लगेगा। महासागरों की तली धरातल की भांति ऊंची-नीची है। महासागर इतने गहरे हैं कि उसमें हिमालय जैसे अनेक विशाल पर्वत समा सकते हैं। धरती की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट की ऊंचाई 8850 मीटर है, जबकि प्रशांत महासागर के मेरियाना गर्त की गहराई 11776 मीटर है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया आज भी मानव के लिए एक अनबूझ पहेली बनी हुई है।

समुद्र केवल जलराशि के ही विशाल स्रोत नहीं, बल्कि यह खनिज सम्पदा, नमक, रत्न, मूंगा, मोती, मछलियां, शंख, घोंघा, सीप के भी विशाल भंडार हैं और मानव के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। यह जैविक संपदा के भी भंडार हैं। हमारे महासागरों और सागरों में मौजूद अपार जल संपदा के कारण ही पृथ्वी को 'वाटर प्लेनैट' भी कहा जाता है। जल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन है। समुद्रों की महत्ता को बताने और उसके संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समुद्र के जल का बढ़ता तापमान पृथ्वी और मानवता के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आज पृथ्वी ही नहीं समुद्र के लिए भी सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक वेस्ट है। प्लास्टिक वेस्ट और समुद्र में हो रहे अंधाधुंध परमाणु विस्फोटों के कारण समुद्र का पानी उबल रहा है। इस वजह से तल में मौजूद समुद्री वनस्पतियां तेजी से खत्म होती जा रही हैं। यू.के. सरकार द्वारा हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली वेबसाइट 'इको वॉच' के अनुसार समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वर्ष 10 लाख से ज्यादा पक्षी एवं एक लाख से ज्यादा समुद्री जीवों की मौत हो रही है। पानी का तापमान बढ़ने से समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसके भयानक समुद्री तूफान आने की आशंका बनी हुई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सब श्वांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं, उसकी दस फीसदी मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। वैज्ञानिकों को अध्ययन में पता चला है कि समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये बैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। इससे समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है और पशु-पक्षियों समेत इंसानों के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'वर्ल्ड वाइड फंड' द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताविक 2030 तक पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण दोगुना हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र में 1950 से 2016 के बीच 66 वर्षों में जितना प्लास्टिक जमा हुआ है इतना केवल आगामी 10 सालों में जमा हो जाएगा। इससे महासागरों में प्लास्टिक कचरा 30 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। समुद्र में 2030 तक प्लास्टिक दहन पर कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन तिगुना हो जाएगा, जो हृदय संबंधी बीमारियों को तेजी से बढ़ाएगा। हर साल उत्पादित होने वाले कुल प्लास्टिक में से महज 20 फीसदी ही रिसाइकल हो पाता है। 39 फीसदी जमीन के अंदर दबाकर नष्ट किया जाता है और 15 फीसदी जला दिया जाता है। प्लास्टिक के जलने से उत्सर्जित होने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 2030 तक तीन गुनी हो जाएगी, जिससे हृदय रोग के मामले में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है।

डब्ल्यू डब्ल्यू एफ का लक्ष्य 2030 तक स्ट्रा और पॉलिथीन बैग जैसी सिर्फ एक बार प्रयोग की जा सकने वाली प्लास्टिक की वस्तुओं को इस्तेमाल से हटाने का है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक बार यूज होने वाली प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक है। प्लास्टिक कचरे में सबसे ज्यादा मात्रा सिंगल यूज प्लास्टिक की होती है। हर साल तकरीबन 10.4 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में मिल जाता है। 2050 तक समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक के टुकड़े होने का अनुमान है। प्लास्टिक के मलवे से समुद्री जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कछुओं की दम घुटने से मौत हो रही है और व्हेल इसके जहर का शिकार हो रही है। प्रशांत महासागर में 'दा ग्रेट पैसिफिक गार्बेज बैच' समुद्र में कचरे का सबसे बड़ा ठिकाना है। यहां पर 80 हजार टन से ज्यादा प्लास्टिक जमा हो गया है। इस प्रकार प्लास्टिक वेस्ट समुद्र और समुद्री जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। समुद्र के जल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, जिससे समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं। समुद्री तूफानों के आने की आशंका बनी रहती है।

समुद्र मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। विश्व के लगभग एक तिहाई लोगों का मुख्य भोजन समुद्री मछलियां हैं। जापान, नार्वे, फिनलैंड, आयरलैंड तथा भारत के समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर ही निर्भर हैं। विश्व का 80 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है। समुद्र, पृथ्वी पर होने वाली वर्षा का स्रोत है। समुद्र के जल से ही वाष्प बनती है, जिससे पृथ्वी पर वर्षा होती है। इस प्रकार समुद्र पृथ्वी पर जीवन का आधार है। समुद्र के जल में बढ़ता प्रदूषण पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। प्लास्टिक वेस्ट को समुद्र में जाने से रोककर ही हम समुद्र और पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रख सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,674.92	25,807.20
गिरावट	558.72	146.65
प्रतिशत में	0.66	0.57

सोना 1,60,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2595, राज श्री 1900, फ़ॉर्चून कि. 2410, रविन्द्रा 2510, फॉर्चुन 13 किग्रा 2130, जय जवान 2110, सचिन 2190, सूरज 2110, अवसर 1940, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1960, क्लासिक (किग्रा) 2310, मोर 2305, चक्र टिन 2360, ब्लू 2200, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2550

किराना : महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवायान 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि.) लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350-400, मखाना 950-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4200, मसूरी- 1400, बासमती- 8000-9200, परमल- 2400-4000

दाल दलहन : काला चना- 2400-3900, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 5000, राजमा- 9400-12400, दाल उड़द- 7200, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 1400, उड़द साबुत- 10400, काबुली चना- 7400-10200, अरहर दाल- 10200 -12000, लोबिया/करमानी- 2100-4200

अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत : सीतारमण

उच्च सदन में बोलीं- दस साल में किए आर्थिक सुधारों से मध्य वर्ग का हुआ विस्तार

- वित्त मंत्र ने वृद्धि में योगदान देने वालों का मजाक उड़ाने का विपक्ष पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि व्यक्तिगत आयकर संग्रह बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि देश में मध्य वर्ग को दबाया जा रहा है। उन्होंने 2026-27 के केंद्रीय बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश में मध्य वर्ग को दबाने का कोई सबूत नहीं है, बल्कि उनके आगे बढ़ने के सबूत जरूर हैं। सीतारमण ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना अर्थव्यस्था को मृत बताने वाले उनके बयान को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि वह देश की जनता का मजाक उड़ा रहे हैं, जो वास्तव में भारत के वृद्धि में अपना योगदान दे रही है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि मध्य वर्ग, अमीर और गरीब वर्गों के बीच फंसा हुआ है। इस पर सीतारमण ने कहा कि ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि व्यक्तिगत आयकर का संग्रह कॉरपोरेट कर से अधिक है। वास्तव में दस साल में किए गए आर्थिक सुधारों से ऐतिहासिक रूप से मध्य वर्ग का विस्तार हुआ है। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। व्यक्तिगत आयकर का अधिक संग्रह का मतलब यह नहीं है कि मध्य वर्ग को दबाया जा रहा है। आज कर योग्य आय वाले लोगों की संख्या अधिक है। अब संगठित क्षेत्र में अधिक आय दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था अब केवल कुछ गिने-चुने वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें भागीदारी बढ़ी है। मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है। 2013-14 और 2024-25 के बीच, करदाताओं की संख्या, यानी रिटर्न दाखिल करने वाले या टीडीएस कटवाने वालों की संख्या, 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है। 11 वर्षों में करदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है। यह संचयी रूप से सालाना 7.9 प्रतिशत की वृद्धि है।

बजट पर चर्चा का जवाब देतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह इस देश में मध्य वर्ग का सबसे बड़ा संरचनात्मक विस्तार है। इसलिए, अगर कर का दायरा बढ़ रहा है तो दबाव नहीं हो सकता। लोग कर देने के लिए आगे आ रहे हैं और वे इसलिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि हम दरें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विस्तार के बावजूद, आयकर सीमा सभी के लिए 12 लाख रुपये और वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक बढ़ायी गई है। अगर 12.75 लाख रुपये कमाने वाले वेतनभोगी वर्ग को कर नहीं देना पड़ता, तो फिर दबाने वाली बात कहां है? दूसरा, मानक कटौती भी बढ़ाई गई है। नई कर व्यवस्था ने कर रिटर्न भरने और जांच-पड़ताल को सरल बना दिया है। जीएसटी सुधारों और दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने से भी घरेलू खर्च कम हुए हैं।

भारत-अमेरिका समझौता : देश को परिधान उद्योग में बांग्लादेश के बराबर मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी धागा और कपास से बने परिधान पर वही रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जो बांग्लादेश को वर्तमान में मिल रहा है। अमेरिका, बांग्लादेश की वस्तुओं पर जवाबी शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा, लेकिन वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों। वर्तमान में बांग्लादेशी परिधानों पर 31% शुल्क लगता है (12% तरजीही राष्ट्र शुल्क और 19% जवाबी शुल्क) और यदि उनमें अमेरिकी रेशों का उपयोग किया जाता है, तो शुल्क घटकर 12% हो जाता है।

गोयल ने कहा, बांग्लादेश को जो मिला है, वही भारत को भी अंतिम समझौते में मिलने वाला है। अगर कोई भारतीय कंपनी अमेरिका से धागा और कपास खरीदकर परिधान बनाती है और उन्हें अमेरिका को निर्यात करती है, तो उन परिधानों को भी बांग्लादेशी कंपनियों की तरह अमेरिका में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। गोयल ने कहा कि यह बात अमेरिका-बांग्लादेश समझौते में लिखी है और हमारे समझौते में भी होगी। इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री ने बताया कि अमेरिका में कपास का उत्पादन सीमित है। उसका निर्यात केवल 50 लाख अमेरिकी डॉलर है, जबकि भारत का लक्ष्य 50 अरब डॉलर है। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा तैयार कर ली है। इसे मार्च में लागू किए जाने की संभावना है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता पूरी तरह से आत्मसमर्पण है, जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

- उद्योग मंत्री गोयल बोले- इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा
- बांग्लादेश वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों

घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर मिलेगा व्यापक बाजार

मेडटेक, इनोवेशन और स्टार्टअप कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि भारत के अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर व्यापक बाजार पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भारतीय चिकित्सा उपकरणों को शुल्क में छूट भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हम नौ एफटीए के माध्यम से विकसित बाजारों के लिए द्वार खोल रहे हैं, जिनमें 38 ऐसे देश शामिल हैं जहां की आबादी समृद्ध है और प्रति व्यक्ति आय अधिक है। गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) देश में चिकित्सा उपकरण इकाइयों के लिए 50 से 100 एकड़ भूमि आरक्षित करने पर विचार कर सकता है।

इंटेल पर 27.38 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए बॉक्स्ड माइक्रो प्रोसेसर (बीएमपी) के संबंध में भारत के लिए एक अलग वारंटी नीति अपनाने को लेकर अमेरिकी कंपनी इंटेल कॉर्प पर 27.38 करोड़ का जुर्माना लगाया है। इंटेल अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर कंपनी है, जो कंप्यूटर प्रोसेसर और चिप विनिर्माण के लिए जानी जाती है।

आयोग ने गुरुवार को कहा कि इंटेल ने भारत में बीएमपी के बाजार में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग किया है। प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में पाया गया कि भारत के लिए इंटेल की अलग वारंटी नीति चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में लागू उसकी वारंटी नीतियों की तुलना में भेदभावपूर्ण थी। सीसीआई के अनुसार, अमेरिकी कंपनी की इस नीति ने उपभोक्ताओं और समानांतर आयातकों के विकल्प सीमित करने का काम किया, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। समानांतर आयात का मतलब ऐसे वैध उत्पादों के आयात से है, जो किसी कंपनी के आधिकारिक वितरण चैनल के बाहर से खरीदे जाते हैं।

- बीएमपी के संबंध में अलग वारंटी नीति पर सीसीआई ने की अमेरिकी कंपनी पर कार्रवाई

आयोग ने कहा कि डेस्कटॉप कंप्यूटर के बीएमपी पर वारंटी संबंधी इंटेल की यह नीति आठ वर्षों तक लागू रही। इसको ध्यान में रखते हुए नियामक ने इंटेल के औसत प्रासंगिक कारोबार के आठ 8% के बराबर जुर्माना तय किया। 1 अप्रैल, 2024 से नीति वापस लेने को ध्यान में रखते हुए आयोग ने जुर्माने को घटाकर 27.38 करोड़ रुपये कर दिया।

डिजिटल भुगतान का प्रसार पहली छमाही में भी रहा जारी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला अप्रैल-सितंबर, 2025 के दौरान भी जारी रहा। आरबीआई ने कहा कि उसका डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) सितंबर, 2025 में 516.76 पर पहुंच गया, जो सितंबर, 2024 में 465.33 और मार्च, 2025 में 493.22 पर था।

देशभर में डिजिटल भुगतान के प्रसार और दायरे को मापने वाला यह सूचकांक जनवरी, 2021 से प्रकाशित किया जा रहा है और मार्च, 2018 को आधार वर्ष मानता है।

आरबीआई ने कहा कि सूचकांक में वृद्धि का मुख्य कारण भुगतान प्रदर्शन और भुगतान सक्षम कारकों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी है।

आरबीआई-डीपीआई पांच प्रमुख मानकों पर आधारित है। इसमें भुगतान सक्षम कारक (25 प्रतिशत भार), मांग पक्ष का भुगतान ढांचा (10 प्रतिशत), आपूर्ति पक्ष का भुगतान ढांचा (15 प्रतिशत), भुगतान प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता केंद्रीकरण (पांच प्रतिशत) शामिल हैं। इन सभी मानकों के कई उप-मानक और मापनीय संकेतक रखे गए हैं, जिनके आधार पर समय-समय पर डिजिटल भुगतान की प्रगति का आकलन किया जाता है।

केसीसी का दायरा बढ़ाने को मसौदा संशोधन जारी

मुंबई। आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन और एकीकरण के लिए बृहस्पतिवार को मसौदा जारी किया जिसका उद्देश्य कवरेज का विस्तार, परिचालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण और कृषि क्षेत्र की उभरती जरूरतों का ध्यान रखना है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विनियमित संस्थाएं, आम लोग और अन्य हितधारक छह मार्च, 2026 तक मसौदे पर टिप्पणियां और सुझाव दे सकते हैं। आरबीआई ने केसीसी ऋण की स्वीकृति और पुनर्भुगतान कार्यक्रम में एकरूपता लाने के लिए फसल सत्रों की अवधि को मानकीकृत करने का प्रस्ताव भी रखा है। इसके तहत कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों को 12 माह के चक्र और लंबी अवधि वाली फसलों को 18 माह के चक्र के रूप में परिभाषित किया गया है। लंबी अवधि की फसलों के चक्र के अनुरूप ऋण अवधि तय करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की कुल अवधि छह वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है।

बजट : पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार

सत्ता ने किया अर्थव्यवस्था मजबूत होने का दावा, विपक्ष बोला- कोई उपलब्धि नहीं

- राज्यसभा में चर्चा के दौरान भाजपा ने कहा- सरकार का केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए राज्यसभा में सत्ता पक्ष ने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना बताता है कि सरकार ने कितना काम किया है। वहीं विपक्ष ने दावा किया कि उपलब्धियों के नाम पर सरकार के खाते में कुछ भी नहीं है।

राज्यसभा में बजट पर हो रहीं चर्चा में भाजपा के मदन राठौर ने कहा कि यह पूर्ण बजट है और इसमें पिछले साल तक हुए सरकार के कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रावधान किए गए हैं। केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए बल्कि उसके सकारात्मक पक्षों को भी देखना चाहिए। अगर कांग्रेस के कार्यकाल से तुलना की जाए तो यह बजट हर मायने में बेहतर है। कांग्रेस के जीसी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का ध्यान विज्ञापनों पर है, वह पुरानी योजनाओं को समाप्त कर रही है और कई का नाम बदल रही है। उपलब्धियों के नाम पर उसके खाते में कुछ भी नहीं है।

भाजपा के शंभुशरण पटेल ने कहा कि यह बजट 140 करोड़ देशवासियों के सपने साकार करने वाला बजट है। मयंक नायक ने कहा कि हर मद में बजट बढ़ाया गया और कोई भी वर्ग उपेक्षा का दावा नहीं कर सकता। भाजपा के केसरीदेव सिंह झाला ने कहा कि प्रदूषण की समस्या के हल को बजट में 20 हजार करोड़ तय करना बेहतर कदम है। भाजपा के अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह बजट देश के दीर्घकालिक निर्माण की नींव रखता है। सीमा द्विवेदी ने हर जिले में महिला छात्रावास खोलने की सरकार की घोषणा को सराहनीय बताया। राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षा के बजट में 14.2 फीसदी की वृद्धि की गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने कहा कि सरकार खुद बताए कि उसने आम आदमी के लिए इस बजट में क्या दिया है। शिवसेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बजट से 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग बजट में अपने लिए कुछ सुविधा की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन वह लोग निराश हो गए।

मप्रः सिंगरौली में दो लोगों की दी गई बलि आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास से जुड़े मानव बलि के मामले में गुरुवार को तड़के दो लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लोहरा गांव के बेरिहवा टोल में 21 वर्षीय युवक को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि आरोपी ने फूलकुमारी सिंह गोंड और कमल नारायण सिंह गोंड को घर बुलाकर धारदार हथियार से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जब दो ग्रामीणों सुमित्रा सिंह और राम भजन सिंह ने हस्तक्षेप की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें घायल कर दिया। यह घटना सुबह चार से पांच बजे के बीच हुई और यह पूर्व नियोजित थी। हत्याओं को आरोपी के घर के बाहर आंगन में चबूतरे के पास अंजाम दिया गया। पुलिस को घटनास्थल से धार्मिक अनुष्ठानों की सामग्री मिली, जिससे संदेह है कि यह अपराध अंधविश्वास और जादू-टोना के कारण हुआ होगा।

निशिकांत ने की राहुल गांधी के खिलाफ दिए नोटिस पर सदन में चर्चा की मांग

- भाजपा सांसद बोले- कांग्रेस नेता की सदस्यता रद्द होनी चाहिए, वह कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता के खिलाफ दिये गए विशिष्ट नोटिस पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। शून्य काल के दौरान, भाजपा सांसद ने राहुल पर सोरोस फाउंडेशन और फोर्ड फाउंडेशन के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करते हैं। भाजपा सदस्य ने दावा किया कि राहुल गांधी केवल देशद्रोहियों से मिलने वियतनाम, कंबोडिया, बहरीन और थाईलैंड जाते हैं।

कांग्रेस को राहुल को समझाना चाहिए कि वह नियमों का उल्लंघन कर नहीं बोल सकते : रीजीजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस के सांसदों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यह समझाने के लिए कहा कि यदि वह सदन में नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए बोलते हैं तो उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया जा सकता है। सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के लिए राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस देने की घोषणा के एक दिन बाद रीजीजू ने यह बात कही।

मुझ पर मुकदमा हो या विशेषाधिकार हनन किसानों के लिए लड़ूंगा : राहुल

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर देश और किसानों को अमेरिका के हाथों बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार उनके खिलाफ चाहे मुकदमा दर्ज करवाए या विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाए, वह किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने एक्स और व्हाट्सएप चैनल पर वीडियो जारी करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा समझौता जो किसानों की रोज़ी-रोटी छीने या खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। किसान-विरोधी सरकार को अन्नदाताओं के हितों से समझौता नहीं करने देंगे। मोदी ने अन्नदाताओं को, उनके खून-पसीने को ट्रंप के हाथों बेच दिया है।

माल्या जब तक भारत नहीं लौटता, नहीं होगी सुनवाई

मुंबई, एजेंसी

- बंबई उच्च न्यायालय ने एफईओ के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर की टिप्पणी

बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने इस रुख को दोहराया कि वह भगोड़े कारोबारी विजय माल्या द्वारा दायर याचिका पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक वह भारत वापस नहीं लौट आता। अदालत ने यह टिप्पणी माल्या की उस याचिका पर दी जिसमें उसने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। माल्या को वापस लौटना होगा... अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। माल्या 2016 से ब्रिटेन में है। उसने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं, जिनमें से एक में उसने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी है जबकि दूसरी याचिका में उसने 2018 के अधिनियम की संवैधानिकता पर सवाल उठाया है। शराब कारोबारी माल्या (70) भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों में कई मुकदमों का सामना कर रहा है।

आर्थिक वृद्धि में पशु चिकित्सकों की भूमिका अहम : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका है और उन्होंने उनसे पारंपरिक जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर अपना नजरिया व्यापक करने की अपील की।

भागवत ने सह-अस्तित्व की भावना पर कहा कि मनुष्यों, जानवरों और प्रकृति के बीच बेहतर सामंजस्य होना चाहिए और समाज को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए कि संतुलित सह-अस्तित्व कैसे तय किया जाए। भागवत इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस और पशु एवं मत्स्य पालन विज्ञान विवि के संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में हिंसा नियंत्रण में आई

- उच्चतम न्यायालय को केंद्र बताया- भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स हैं सोनम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स थे। केंद्र से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ को बताया कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गयी।

नटराज ने पीठ को बताया कि वह हिंसा को मुख्य रूप से उकसाने वाले थे। इस हिंसा में चार लोग मारे गए थे और 60 लोग घायल हुए थे। हिरासत आदेश में स्पष्ट संबंध दिखता है, इसमें स्पष्ट रूप से सोची-समझी रणनीति का इस्तेमाल किया गया है।उनकी गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गई। इसलिए यह साबित हो गया कि गिरफ्तारी का आदेश सटीक था जो उस स्थिति में उचित था। विधि अधिकारी ने कहा कि वांगचुक की हिरासत के लिए इन सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक पालन किया गया है। न्यायालय ने अब इस मामले की सुनवाई के लिए 16 फरवरी की तारीख तय की है।

ऐसे शीर्षक से किसी वर्ग को अपमानित नहीं किया जा सकता

फिल्म घूसखोर पंडत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने घूसखोर पंडत शीर्षक पर अप्रसन्नता जताते हुए फिल्म निर्माता नीरज पांडे से गुरुवार को कहा कि आप इस तरह के शीर्षक का इस्तेमाल करके समाज के किसी वर्ग का अपमान नहीं कर सकते। न्यायालय ने ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने संबंधी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने फिल्म के खिलाफ दायर याचिका पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और पांडे को नोटिस जारी किये। पीठ ने कहा, इस तरह के शीर्षक का इस्तेमाल करके आप समाज के एक वर्ग को अपमानित क्यों कर रहे हैं? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अलग बात है, लेकिन यह किसी को भी अपमानित करने का अधिकार नहीं देती। यह नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के विरुद्ध है। जब तक आप हमें बदला हुआ शीर्षक नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज करने की अनुमति नहीं देंगे। हमने सोचा था कि फिल्म निर्माता, पत्रकार आदि जिम्मेदार लोग होते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया कि फिल्म का शीर्षक और कथानक प्रथम दृष्टया आपत्तिजनक हैं और ये ब्राह्मण समुदाय को अपमानजनक तरीके से चित्रित करते हैं। जनहित याचिका में पंडत शब्द के घूसखोर शब्द के साथ इस्तेमाल पर आपत्ति जताई गई है।

नीट की छात्रा की मौत के मामले को सीबीआई ने संभाला

नई दिल्ली। पटना में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले की जांच सीबीआई ने स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में ले ली है।

जहानाबाद निवासी छात्रा 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित महिला छात्रावास में बेहोश मिली थी। बाद में वह कोमा में चली गई और पांच दिन बाद निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद मचे हंगामे से बिहार सरकार ने 31 जनवरी को मामला सीबीआई को सौंप दिया। परिजनों ने पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़िता के परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने चुनाव में मदद के लिए उपहार में दिए नेपाल को 270 वाहन

काठमांडू। भारत सरकार ने बृहस्पतिवार को नेपाल को चुनाव से संबंधित सहायता की तीसरी खेप के तौर पर 270 वाहन सौंपे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृह मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में यह तीसरी खेप नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल को सौंपी। भारतीय दूतावास ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसमें 270 वाहन शामिल है, जिनमें 50 ट्रक नेपाल सेना के लिए हैं। साथ ही पांच मार्च को होने वाले चुनाव की तैयारियों के लिए नेपाल की मांग के अनुरूप अन्य सामग्री भी सौंपी गई है। भारत सरकार चुनाव में सहायता के लिए पहली दो खेप जनवरी में नेपाल को सौंप चुकी है, जिसमें 310 से अधिक वाहन और अन्य सामग्री शामिल थी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आने वाले दिनों में कुछ अतिरिक्त सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

व्हाट्सएप का आरोप, रूस ने की एप को ठप करने की कोशिश

मास्को। रूस ने देश में व्हाट्सएप पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह इंटरनेट पर नियंत्रण कड़ा करने के सरकार का नया प्रयास है। व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने बुधवार देर रात बताया कि रूसी अधिकारियों की यह कार्रवाई 'उपयोगकर्ताओं को सरकारी स्वामित्व के निगरानी वाले ऐप की ओर धकेलने' के उद्देश्य से की गई है। यह रूसी सरकारी समर्थित 'मैक्स' मैसेजिंग एप की ओर इशारा है, जिसे आलोचक एक निगरानी उपकरण मानते हैं। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने बताया, "यह 10 करोड़ से अधिक लोगों को निजी और सुरक्षित संचार से अलग करने का प्रयास है और इससे रूस में लोगों की सुरक्षा में ही कमी आएगी। हम लोगों को आपस में जोड़े रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप का ईरान से वार्ता जारी रखने पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू के बीच यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, यह मुलाकात बहुत अच्छी रही और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ भी निश्चित नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि मैंने ईरान के साथ बातचीत पर यह देखने के लिए जोर दिया कि यह समझौता हो सकता है या नहीं।

भारतीय छात्रा की मौत के मामले में 2.9 करोड़ डॉलर में समझौता

सिएटल, एजेंसी

- सिएटल में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आकर हुई थी मौत, आरोपी पुलिस अधिकारी बर्खास्त

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ डॉलर (262.65 रुपये)के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह 40 किमी घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किमी की रफ्तार से जा रहे थे।

कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं। कंदुला के परिवार के वकीलों ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। दोनों पक्षों ने पिछले शुक्रवार को किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में समझौते की सूचना दाखिल की। कंदुला की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे।

लोगों का आक्रोश इस बात पर भड़का जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह हंसते हुए कंदुला के जीवन को मामूली बताते और यह कहते सुनाई दिया कि शहर को सिर्फ एक चेक लिख देना चाहिए। डेनियल ऑडरर नाम के इस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस विभाग ने वाहन चला रहे अधिकारी को भी बर्खास्त कर दिया और उसे 5,000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया।

यौन अपराधी खादी कहीं संत के चोले में

भारत के 'एप्स्टीन'

जेफ्री एप्स्टीन की फाइल्स सार्वजनिक होने के साथ उसके घिनौने अपराधों पर दुनिया में नए सिरे से एक बहस छेड़ी है लेकिन एप्स्टीन को छोड़ भी दिया जाए तो दुनिया का इतिहास क्रूर यौन अपराधों से भरा हुआ है। अपनी संस्कृति और संस्कारों की वजह से जाने जाने वाले भारत में भी ऐसे अपराधों की कमी नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगस्त 2024 में जारी रिपोर्ट ऐसे ही घिनौने सच का पर्दाफाश करती है जिसके मुताबिक देश के 151 से ज्यादा मौजूदा सांसदों और विधायकों पर यौन अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। संत के चोले में भी तमाम यौन अपराधियों के क्रूर कारनामे जगजाहिर हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि समाज में दबदबा रखने वाले कई यौन अपराधियों के खिलाफ पुलिस के भ्रष्टाचार या राजनीतिक दबाव की वजह से पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया।

सफेदपोश यौन अपराधी

- देश के 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों की घोषणा की है।
- एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इनमें 16 सांसद और 135 विधायक शामिल हैं। दो सांसद, 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप दर्ज हैं।
- भाजपा के सबसे अधिक 54 सांसदों और विधायकों पर ऐसे मामले दर्ज हैं। 23 के साथ कांग्रेस दूसरे 17 के साथ टीडीपी तीसरे स्थान पर है।
- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि, आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 जनप्रतिनिधियों पर यौन अपराधों के मामले दर्ज हैं।

सर्वाधिक चर्चित मामले

- पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के यौन शोषण के हजारों वीडियो वायरल हुए थे। उसे अगस्त 2025 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।
- उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 2017 में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा दी गई।
- हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा के यौन उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा, सुसाइड नोट में नाम आया।
- मध्य प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री पर उनके घरेलू पुरुष सहायक ने कुकर्म के आरोप लगाए थे, मामला सुर्खियों में आने के बाद उन्हें इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था।

दुनिया के सबसे क्रूर

- जापान के जुंको फुरुता में 1988 में 17 वर्षीय छात्रा को अगवा कर 44 दिनों में 400 से अधिक बार बलात्कार किया गया, उसकी मृत्यु हो गई।
- ऑस्ट्रेलिया में नर्स अनीता कोबी का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर होश में रहते बेरहमी से उनकी गर्दन काट दी गई।
- दिल्ली में 2012 में चलती बस में छात्रा से हुई दरिंदगी ने दुनिया को झकझोरा जिसकी मृत्यु हो गई। ये मामला निर्भया कांड के नाम से मशहूर हुआ।

खौफनाक आंकड़ा | यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 37 करोड़ से अधिक लड़कियां और महिलाएं बलात्कार या यौन हमले का शिकार हुई हैं।

संतों के चोले में यौन अपराधी

- आसाराम बापू नाबालिग लड़कियों से बलात्कार पर जोधपुर और गांधीनगर की अदालत से उम्रकैद।
- डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को दो महिला अनुयायियों से बलात्कार पर 20 साल जेल।
- आसाराम के बेटे नारायण साई को भी शिष्या से बलात्कार के जुर्म में सूरत की अदालत से उम्रकैद।
- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित आश्रम संचालक प्रेमानंद ने 13 महिलाओं से बलात्कार किया।
- केरल का स्वयंभू संत अमृता चैतन्य नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मामले में दोषी पाया गया।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद मतदान केंद्रों पर धमाके, देर शाम मतगणना शुरू

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए लोगों ने बृहस्पतिवार को हिंसा की घटनाओं के बीच मतदान किया। जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ हुए 13वें आम चुनाव में देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे मतदान शुरू हुआ जो शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। मतदान पूरा होने के बाद ज्यादातर जगहों पर मतगणना भी शुरू कर दी गई। एक उम्मीदवार की मृत्यु होने के कारण एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया है।

हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की गैरमौजूदगी में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के मुताबिक दोपहर दो बजे तक 48 प्रतिशत मतदान हुआ। देश भर में 299 निर्वाचन क्षेत्रों में 42,779 मतदान केंद्रों पर लगभग 12.7 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। बांग्लादेश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ मुख्य सलाहकार यूनुस ने शुरूआत में ही मतदान किया।

ढाका के एक मतदान केंद्र पर बृहस्पतिवार को अपना वोट डालकर लौटतीं महिलाएं।

कुल 50 राजनीतिक दलों के 1,755 उम्मीदवार और 273 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बीएनपी के सर्वाधिक 291 उम्मीदवार हैं, चुनाव में 83 महिला उम्मीदवार हैं।

एक के बाद एक मतदान केंद्रों पर होते रहे बम के धमाके

मतदान के बीच कई जगहों से चुनावी हिंसा की खबरें आती रहीं। गोपालगंज में बम हमले में 13 वर्षीय लड़की सहित तीन लोग घायल हो गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे निचुपाड़ा स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल में बने मतदान केंद्र में विस्फोट हुआ। इस घटना में चुनाव सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अर्द्धसैनिक सहायक बल 'अंसार' के दो सदस्य भी घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी जहिरुल इस्लाम ने बताया कि घायलों को मामूली चोट आई थी और मतदान थोड़ी देर बाद फिर शुरू हो गया। एक अन्य घटना में मुंशीगंज-3 निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र के बाहर सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए, जिससे मतदान अस्थाई रूप से बाधित हो गया। सुबह करीब 10 बजकर 15 मिनट पर मखाती गुरुचरण हाई स्कूल में बने मतदान केंद्र के सामने विस्फोट हुए। अधिकारियों ने बताया कि 10 से 12 देसी बमों में धमाका हुआ। केंद्र पर मतदान कुछ देर के लिए रोक दिया गया। पीठासीन अधिकारी मोहम्मद तितुमिर ने कहा कि विस्फोटों से मतदाताओं में दहशत फैल गई लेकिन कुछ देर बाद मतदान फिर से शुरू हो गया। इसके अलावा, खुलना में एक मतदान केंद्र के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के दौरान एक बीएनपी नेता की मौत हो गई। बीएनपी का कहना है कि जमात के एक नेता के धक्का देने की वजह से पेड़ से टकराकर वह घायल हो गए थे, जिससे उनकी मौत हुई।

ऐतिहासिक: हिंसा रोकने के लिए 10 लाख सुरक्षा कर्मी

निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर लगभग 10 लाख सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जो देश के चुनावी इतिहास में सुरक्षाकर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा प्रशासन ने राजधानी के प्रमुख इलाकों में बख्तरबंद वाहन और त्वरित कार्यबल (आरएटी) तैनात किए हैं। पहली बार चुनाव सुरक्षा के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। करीब 81 स्थानीय संगठनों के 55,454 पर्यवेक्षकों ने चुनाव की निगरानी की, जबकि विदेशी चुनाव पर्यवेक्षकों की संख्या 394 रही। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों में से 80 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से हैं, जबकि बाकी अलग-अलग देशों से हैं, जिनमें स्वतंत्र यूरोपीय पर्यवेक्षक भी शामिल हैं।

धांधली और फर्जी मतदान की भी तमाम खबरें

उत्तर पश्चिमी जॉयपुरहाट के कलाई इलाके में एक पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच मतपत्रों की फोटोकॉपी वितरित करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, उत्तर पूर्व सिलहट के बालागंज उप-जिले में मतपत्रों की हेराफेरी के आरोपों में जमात और बीएनपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई, जहां एक स्थानीय जमात नेता और कई अन्य लोग आधी रात के आसपास एक मतदान केंद्र में घुस गए तभी बीएनपी कार्यकर्ताओं ने उन पर धावा बोला, जिसके परिणामस्वरूप हाथापाई हुई जिस पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

मतदान से पहले हिंदू मजदूर की हत्या

- चाय बागान में मिला खून से लथपथ शव, रस्सी से बंधे थे हाथ-पैर

ढाका। पूर्वोत्तर बांग्लादेश के मौलवी बाजार इलाके में एक युवा हिंदू चाय बागान मजदूर का खून से लथपथ शव मिला जिसके हाथ-पैर रस्सियों से बंधे हुए थे। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान से पहले यह लगातार दूसरे दिन किसी हिंदू व्यक्ति की हत्या का मामला है।

पुलिस ने बुधवार को ढाका से लगभग 200 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित मौलवी बाजार के कमलगांज उपजिले के एक चाय बागान से 28 वर्षीय रतन शुवो कार का शव बरामद किया। 'द डेली स्टार' ने कमलगांज पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुल अवाल के हवाले से खबर दी कि मृतक रतन शुवो कार इस्लामपुर यूनियन के अंतर्गत चंपारा चाय बागान में बतौर मजदूर काम करता था। लोगों ने बुधवार पूर्वाह्न करीब 10:00 बजे बागान में शव को देखा और अधिकारियों को सूचना दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव पर चोट के स्पष्ट निशान थे और वह खून से लथपथ था। रतन के बड़े भाई लक्ष्मण कार ने बताया कि परिवार मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने बताया, बुधवार सुबह हमें सूचना मिली कि उसका शव बागान में पड़ा है। हम वहां गए और उसकी पहचान की। हमें नहीं पता कि उसकी हत्या क्यों की गई।

इतालवी तटों पर कड़ी नौसैनिक नाकाबंदी का विधेयक पारित

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी सरकार ने अवैध आव्रजन से निपटने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है जिसके तहत इतालवी तटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासी पोतों के लिए नौसैनिक नाकाबंदी करने का प्रावधान भी शामिल है।

विधेयक को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में चर्चा और मंजूरी के बाद प्रभावी होगा। इसमें सीमाओं पर कड़ी निगरानी और यूरोपीय एजेंसियों के साथ सहयोग का प्रावधान शामिल है। विधेयक प्रवासन और शरण संबंधी नए यूरोपीय संघ समझौते को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद पारित किया गया है।

भारत के साथ समझौता ऐतिहासिक, विशाल ऊर्जा निर्यातक बनेंगे हम : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अमेरिका भारत और उन देशों को कोयले का निर्यात बढ़ाएगा जिनके साथ उसने व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने 'चैंपियन ऑफ कोल' शीर्षक वाले एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे नेतृत्व में हम एक विशाल ऊर्जा निर्यातक बन रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ही हमने जापान, कोरिया, भारत और अन्य के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं ताकि हमारे कोयला निर्यात को बढ़ाया जा सके। अमेरिका और भारत ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं जिसके तहत नई दिल्ली सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगी या घटाएगी और अगले पांच साल में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करेगी।

- अमेरिका के कोयला निर्यात में भारी वृद्धि होने का किया दावा

ऊर्जा अवसंरचना पर रूस के हवाई हमले, यूक्रेन में बिजली-पानी ठप

कीव। रूसी हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई इलाकों में ऊर्जा अवसंरचनाओं को निशाना बनाया जिससे बिजली और पानी की आपूर्ति में बड़े पैमाने पर रुकावट आई है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 24 बैलिस्टिक मिसाइल, एक निर्देशित एयर-लॉन्च मिसाइल और 219 हमला करने वाले ड्रोन लॉन्च किए। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 213 निशानों को रोक लिया, लेकिन नौ मिसाइल और 19 ड्रोन 13 जगहों पर हमला करने में कामयाब रहे जिससे अवसंरचना को नुकसान हुआ।

ब्रिटिश शाही सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देगी भारतीय वायुसेना

- ब्रिटेन-भारत वायुसेना की वार्ता में लिया गया निर्णय

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना पहली बार ब्रिटेन की शाही वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने जा रही है। यह निर्णय बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में आयोजित 19वीं ब्रिटेन-भारत वायुसेना वार्ता में लिया गया। ब्रिटेन के मुताबिक, नवीनतम समझौते के तहत, भारतीय वायुसेना तीन योग्य उड़ान प्रशिक्षकों को ब्रिटेन में शाही वायुसेना ली में तैनात करेगी जो ब्रिटिश लड़ाकू विमानों के पायलटों के लिए प्रशिक्षण केंद्र है। यह पहली बार है कि भारतीय योग्य उड़ान प्रशिक्षक आरएएफ वैली में ब्रिटिश पायलटों को लड़ाकू विमानों का प्रशिक्षण देंगे। यह घटनाक्रम जनवरी में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की शाही वायुसेना महाविद्यालय क्रैनवेल में प्रशिक्षक के रूप में पहली बार तैनाती के ठीक बाद हुआ है।

कनाडा पर टैरिफः पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति के विरोध में

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा पर लगाए गए टैरिफ को पलटने के लिए मतदान किया जो व्हाइट हाउस के एजेंडे की एक दुर्लभ आलोचना है। बुधवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 219 और इसके खिलाफ 211 मत पड़े। ऐसा संभवतः पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा ने किसी महत्वपूर्ण नीति को लेकर राष्ट्रपति का विरोध किया है।

प्रस्ताव का उद्देश्य उस राष्ट्रीय आपात स्थिति को समाप्त करना है, जिसे ट्रंप ने टैरिफ लगाने के लिए घोषित किया है लेकिन इस नीति को पलटने के लिए वास्तव में ट्रंप के भी समर्थन की जरूरत होगी जो असंभव प्रतीत होता है। यह प्रस्ताव अब सीनेट के पास जाएगा। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए असरदार हैं लेकिन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार युद्धों के कारण जूझ रहे कारोबारियों एवं इनके जेब पर पड़ने वाले असर एवं ऊंची कीमतों से परेशान मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेता एवं न्यूयॉर्क से सांसद ग्रेगरी मीक्स ने यह प्रस्ताव पेश किया।

कई वैश्विक हस्तियां आएंगी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के पूर्वावलोकन कार्यक्रम (कर्टेन रेजर) 'एआई फॉर ऑलः रीइमेजिनिंग ग्लोबल कोऑपरेशन' में वक्तव्य देंगे। सार्वजनिक नीति शोध संस्था कार्नेगी इंडिया ने यह घोषणा की। इस आयोजन के लिए अब तक 100 से अधिक देशों के 35,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 500 से अधिक स्टार्टअप सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों मोदी के साथ 'होराइजन 2047 रोडमैप' के अंतर्गत द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक चर्चा करेंगे। वे मुंबई में संयुक्त रूप से 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' का भी उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नीति, अनुसंधान, उद्योग और सार्वजनिक सहभागिता पर केंद्रित है। 'जनमानस, पृथ्वी और प्रगति' के तीन आधारभूत स्तंभों पर आधारित यह शिखर सम्मेलन वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं, नवाचारियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगा, ताकि शासन, नवाचार और सतत विकास में एआई की भूमिका पर विचार किया जा सके।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

- सौ देशों के 35,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण
- मैंक्रो और सुनक भी आएंगे, भारत मंडपम में 16 से पांच दिनी कार्यक्रम

एआई यानी अमेरिका-इंडिया, मोदी का यह कथन सटीक

इस सम्मेलन में यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएएसआईएसपीएफ) की भागीदारी होगी। सम्मेलन से पूर्व यूएएसआईएसपीएफ ने ' 'बोर्ड एआई टास्क फोर्स' ' के गठन की घोषणा की है जिसका नेतृत्व जॉन चैंबर्स करेंगे। कार्यबल के शुभारंभ पर जॉन चैंबर्स ने कहा, जैसा कि मोदी ने कहा है, एआई का अर्थ ' 'अमेरिका और इंडिया' ' है। सिलिकॉन वैली के अपने अनुभव से मैं देख सकता हूं कि एआई हमारे समय की निर्णायक तकनीक बनेगी, ठीक वैसे ही जैसे भारत-अमेरिका संबंध इस युग की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी है।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 13 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 14 .25 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

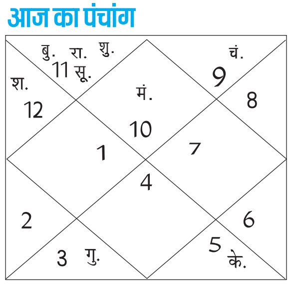

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 16 .12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज मन में असंतोष का भाव रह सकता है। धार्मिक लोगों से सलाह लेना उत्तम होगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावुक हो सकते हैं। आर्थिक निवेश को लेकर सावधान रहें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। सर्दी-खांसी से आपको परेशानी हो सकती है।

वृष — आज ऊंचाई वाली जगहों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के प्रति आसक्ति का भाव बढ़ेगा। संतान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन — आज आपका दिन विशेष उन्नतिकारक रहेगा। आय की दृष्टि से भी दिन बहुत ही अच्छा है। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके स्वभाव में विनम्रता बढ़ेगी। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अधूरे पड़े कार्य आप प्रारंभ कर सकते हैं।

कर्क — आज पुराने लोन को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके भीतर स्नेह और वात्सल्य की भावना रहेगी। पाचन तंत्र की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। आप काफी अच्छा महसूस करेंगे।

सिंह — आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। घर के सदस्यों को महत्व दें। वाणी में संयम रखें। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या — आज जीवन की सच्चाइयों का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार में अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन बनाकर रखें।

तुला — आज प्रतियोगिता और परीक्षा में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पिछले अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा। उच्च-अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक — आज आप अपनी आय बढ़ाने के लिए अत्यधिक प्रयत्नशील रहेंगे। परिवार में छोटों की चिंता रहेगी। प्रियजनों के व्यवहार को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। लोगों पर आपका प्रभाव काफी अच्छा पड़ेगा।

धनु — आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहना वाला है। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करेंगे। नए कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

मकर — आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन में कड़वाहट हो सकती है। कुछ लोग आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकते हैं। मेडिकल सेवा से जुड़े लोगों को परेशानी हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करें।

कुंभ — आज दार्शनिक लोगों के विचारों से आप प्रभावित रहेंगे। लोगों की बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें, इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। पुराने लोन को चुकाने में आसानी होगी।

मीन — आज आपको शारीरिक श्रम अधिक करना पड़ सकता है। सरकारी कार्यों में ध्यान देने का प्रयास करें। गंभीरता से परिस्थितियों का अवलोकन करें। घर के वास्तु में कुछ परिवर्तन करने का विचार बना सकते हैं। पिता की सलाह से काम करना हितकर होगा।

सुडोकू -60

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 59 का हल

5	3	1	2	8	4	9	7	6
8	9	4	6	3	7	2	1	5
2	6	7	5	1	9	8	3	4
6	5	2	9	7	3	4	8	1
4	7	9	1	2	8	6	5	3
3	1	8	4	6	5	7	9	2
1	4	3	7	9	6	5	2	8
9	2	5	8	4	1	3	6	7
7	8	6	3	5	2	1	4	9

" विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी पूरी तरह फिट नहीं है। वह एक-दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें पेट में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।
–सूर्यकुमार यादव, कप्तान

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-जिम्बाब्वे	पूर्वाह्न 11 बजे
कनाडा-यूएई	दोपहर 3 बजे
नीदरलैंड्स-अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चोटिल लियोनेल मेसी का खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेसी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

खेलो इंडिया 23 से 26 तक गुलमर्ग में

नई दिल्ली। खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण 23 से 26 फरवरी तक गुलमर्ग में खेला जायेगा जिसमें करीब 400 खिलाड़ी भाग लेंगे। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। पहला चरण 20 से 26 जनवरी के बीच लद्दाख में खेला गया था। मांडविया ने एक विज्ञप्ति में कहा गुलमर्ग चरण शीतकालीन ओलंपिक के ठीक बाद हो रहा है। खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के आयोजन के लिए यह बिल्कुल सही समय है। लेह में पहला चरण काफी कामयाब रहा था जिसमें फिगर स्केटिंग को शामिल किया गया था। गुलमर्ग में चार पदक खेलों स्की पर्वतारोहण, अल्पाइन स्कीइंग, नोर्डिक स्कीइंग (क्रॉसकंट्री) और स्नोबोर्डिंग की स्पर्धायें होंगी।

फेडरर के समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ को नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने सड़क पर बिताया समय

कराची। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि धन के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा। एक सूत्र ने बताया खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किये गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिये सारे भुगतान कर दिए हैं।

ईशान और हार्दिक की तूफानी पारियों से भारत की बड़ी जीत

टी-20 विश्व कप : नामीबिया को 93 रनों से हराया

ईशान किशन

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पंड्या के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया को 93 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने नौ विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में नामीबिया टीम 116 रनों पर आउट हो गई।

ईशान ने 24 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों से 61 रन की पारी खेली जबकि पंड्या ने 28 गेंद में चार छक्कों और इतने ही चौकों से 52 रन बनाए। ईशान ने तिलक वर्मा (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 31 गेंद में 79 रन जोड़कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई जबकि पंड्या ने शिवम दुबे (23) के साथ 39 गेंद में 81 रन की साझेदारी कर अंतिम ओवरों में रन गति को बढ़ाया।

कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (चार ओवर में 20 रन पर चार विकेट) और बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (चार ओवर में 41 रन पर एक विकेट) की स्पिन जोड़ी ने बीच के ओवरों में सधी हुई गेंदबाजी करके रन गति पर अंकुश लगाया। भारत ने सात ओवर में एक विकेट पर 104 बना लिए थे लेकिन अंतिम 13 ओवर में टीम 105 रन ही जोड़ सकी। इरास्मस ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद संजू सैमसन (22) ने रूबेन ट्रंपलमैन (बिना विकेट के 38 रन) पर छक्के से खाता खोला और फिर बेन शिकोंगो (41 रन पर एक विकेट) की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाया। वह हालांकि शिकोंगो की अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर सीधे लॉरेन स्टीनकैंप के हाथों में खेल गए। ईशान ने जेजे स्मिट (50 रन पर एक विकेट) का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया जबकि शिकोंगो की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। तिलक वर्मा ने भी ट्रंपलमैन पर दो चौके मारे।

ईशान ने छठे ओवर में स्मिट की लगातार गेंदों पर चार छक्के और एक चौके से 20 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। भारत ने पावर प्ले में एक विकेट पर 86 रन बनाए। तिलक हालांकि 19 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब मैक्स हेइंगो की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर स्टीनकैंप ने उनका कैच टपका दिया। ईशान ने हेइंगो की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 6.5 ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया जो पुरुष टी20 विश्व कप में किसी भी टीम का सबसे तेज शतक है। ऑफ स्पिनर इरास्मस ने पहली ही गेंद पर इशान को डीप मिडविकेट पर शिकोंगो के हाथों कैच कराके नामीबिया को बड़ी सफलता दिलाई। इशान ने 24 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और पांच छक्के मारे।

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी 13 गेंद में 12 रन बनाने के बाद बाएं हाथ के स्पिनर बर्नार्ड स्कोल्ट्ज की गेंद पर विकेटकीपर जेन ग्रीन के हाथों स्टंप हो गए। तिलक भी इसके बाद इरास्मस की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑफ पर स्मिट के हाथों लपके गए जिससे 12वें ओवर में भारत का स्कोर चार विकेट पर 124 रन हो गया। शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने 15वें ओवर में स्कोल्ट्ज पर एक-एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। हार्दिक ने शिकोंगो की लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौके मारे।

ईशान किशन का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस।

भारत

209/9 (20 ओवर)

ईशान का शिकोंगो बो इरास्मस	61
सैमसन का स्टीनकैंप बो शिकोंगो	22
तिलक वर्मा का स्मिट बो इरास्मस	25
सूर्यकुमार स्टं ग्रीन बो स्कोल्ट्ज	12
हार्दिक का स्थानापन्न बो इरास्मस	52
शिवम दुबे रन आउट	23
रिंकू सिंह का इरास्मस बो स्मिट	01
अक्षर पटेल बो इरास्मस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01
अर्शदीप सिंह रन आउट	02

गेंदबाजी : ट्रंपलमैन 4-0-38-0, शिकोंगो 3-0-41-1, स्मिट 4-0-50-1, हेइंगो 1-0-18-0, इरास्मस 4-0-20-4, स्कोल्ट्ज 4-0-41-1

हार्दिक पंड्या

इटली ने नेपाल को रौंद आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला

मुंबई, एजेंसी

इटली ने टी20 विश्व कप पदार्पण में अपने दूसरे ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया और बृहस्पतिवार को यहां के ग्रुप सी मैच में नेपाल को 44 गेंद रहते 10 विकेट से रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए नेपाल की पूरी टीम को 19.3 ओवर में महज 123 रन पर समेट दिया। इसके बाद उसने एंथनी मोस्का (नाबाद 62 रन) और जस्टिन मोस्का (नाबाद 60 रन) के बीच अटूट साझेदारी से 12.4 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत हासिल की। मोस्का बंधुओं में से बड़े भाई एंथोनी ने 32 गेंद की नाबाद पारी में छह छक्के और तीन चौके जड़े जबकि छोटे भाई जस्टिन ने 44 गेंद की नाबाद पारी के दौरान तीन छक्के और पांच चौके जमाए। यह इटली के लिए टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा ही मैच था। पिछले मैच में उसे कोलकाता में स्कॉटलैंड से 73 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में नेपाल को जीत का दावेदार माना जा रहा था जिसने इसी स्थल पर इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। लेकिन उनका कोई भी बल्लेबाज इटली की सटीक स्पिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने नहीं टिक सका। नेपाल ने अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर संदीप लामिचाने को इस्तेमाल में भी बहुत बाद में किया। इंडियन प्रीमियर लीग सहित कई टी20 टूर्नामेंट खेल चुके लामिचाने को तब गेंदबाजी के लिए लगाया गया जब इटली के सलामी बल्लेबाज 58 रन बना चुके थे।

इटली के सलामी बल्लेबाजों ने प्रति ओवर करीब 10 रन बनाए और नेपाल किसी भी मौके का फायदा नहीं उठा सका जिससे वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद बड़ी संख्या में उसके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। इससे पहले यहां स्पिनरों का दबदबा जारी रहा जिसमें इटली के लिए बेन मानेंटी ने नौ रन दकर दो जबकि कृशन कालुगामागे ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके। सटीक लाइन एवं लेंथ के साथ इटली के क्षेत्ररक्षकों ने भी शानदार प्रदर्शन किया जिससे नेपाल के खिलाड़ी दबाव में रहे। नेपाल के लिए आरिफ शेख ने सर्वाधिक 27 रन और कप्तान रोहित पौडेल ने 23 रन बनाए।

इटली के बल्लेबाज एंथनी मोस्का और जस्टिन मोस्का। एजेंसी

- **एंथनी और जस्टिन मोस्का ने नाबाद पारियां खेल आसानी से हासिल किया लक्ष्य**

भारत-पाकिस्तान का मैच देखने कोलंबो जाएंगे बीसीबी प्रमुख

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच देखने के लिए कोलंबो में जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद बीसीसीआई के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। इस्लाम ने बांग्लादेश के अखबार प्रथम आलो से कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें आईसीसी की तरफ से निमंत्रण मिला है।

उन्होंने कहा आईसीसी ने एक फैसला लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं तथा वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।

मेंडिस, रत्नायके व शनाका की पारी से श्रीलंका की बड़ी जीत

पल्लीकल, एजेंसी

कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका ने इनके शानदार प्रदर्शन की मदद से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 225 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

ओमान के बल्लेबाजों के पास श्रीलंका के तेज और स्पिन आक्रमण का कोई जवाब नहीं था और उसकी टीम नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से केवल मोहम्मद नदीम ही संघर्ष कर पाए जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से दुष्मंत चामीरा और महीश तीक्षणा ने दो दो विकेट लिए। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर बड़ी जीत की नींव रखी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया और सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। इस बीच उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते श्रीलंका के बल्लेबाज पवन रत्नायके। एजेंसी

- **ओमान को 105 रनों से हराकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें मजबूत कीं**

उम्मीद जीवंत रखने की कोशिश करेगा नीदरलैंड्स

चेन्नई, एजेंसी

पिछले मैच में जीत हासिल करके वापसी करने वाले नीदरलैंड्स को शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी जो सुपर आठ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जरूरी है। नीदरलैंड को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने अपने अगले मैच में नामीबिया को हराकर शानदार वापसी की। नीदरलैंड ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की। नीदरलैंड्स की टीम के पास शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन उसके मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

अमेरिका ने गेंदबाजी में तो अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बल्लेबाजी में वे लड़खड़ा गए और खराब फील्डिंग ने भी उन्हें नुकसान पहुंचाया। अमेरिका के गेंदबाजों में शैडली वैन शालविक ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है।

- **अमेरिका को करनी होगी वापसी बल्लेबाज नहीं दिखा पाए जलवा**

नीदरलैंड्स के बल्लेबाज मैक्स ओडॉउड।

हमारे बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में सक्षम : हैरी ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया।

टी20 विश्व कप

ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला आज, मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह

बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी

कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेगी।

मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी। मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं। सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है। टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देना होगा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श।

कनाडा-यूएई की निगाह पहली जीत पर

नई दिल्ली। अपने शुरुआती मैच में करारी हार झेलने वाले कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शुक्रवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मुकाबले में आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल करना होगा। तीन शीर्ष 10 टीमों न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ 'ग्रुप ऑफ डेथ' में शामिल होने के कारण यूएई और कनाडा दोनों को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी और असंभव चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों टीमों के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। जहां कनाडा को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा, वहीं यूएई को न्यूजीलैंड ने करारी शिकस्त दी।